● वर्ष-3

● अंक-15

रायपुर, शनिवार
26 अगस्त 2023

● पृष्ठ-8

● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

महादेव एप से मुख्यमंत्री का क्या संबंधः बृजमोहन

भाजपा का आरोप, मुख्यमंत्री अगर पाक-साफ होते तो ईडी की कार्रवाई का स्वागत करते

रायपुर। पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि ईडी की कारवाई के बाद जितने बदहवास मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिख रहे हैं, उससे साफ समझ में आ रहा है कि इन तमाम घोटालों का किंगपिन और पॉलिटिकल मास्टर कौन है। इतने बदहवास तो मुख्यमंत्री भूपेश जी तब भी नहीं दिखे थे जब उनकी नजदीकी उप सचिव जेल गयी थी। यह बदहवासी से लगता है कि चोर की दाढ़ी में तिनका। जिस तरह से आरोपियों/ अपराधियों/ संदिग्धों के पक्ष में बकायदा कांग्रेस के प्रदेश और राष्ट्रीय कार्यालयों का उपयोग किया गया वह आश्चर्यजनक है। श्री अग्रवाल ने कहा कि ईडी ने यह कार्रवाई तब शुरू की जब छत्तीसगढ़ पुलिस ने सबसे पहले महादेव बुक एप की ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की हालांकि यह भी सबको मालूम है कि यह एफआईआर असल मुजरिमों को बचाने और कार्रवाई के नाम पर लिपा पोती के लिए दर्ज की गई थी इसके पहले विशाखापटनम पुलिस ने भी इस नेटवर्क के खिलाफ विस्तृत जांच की थी जिसमें इस गिरोह के काम करने के तौर तरीकों और हजारों करोड़ के बेनामी लेन-देन का भांडाफोड़ किया गया था। सभी एफआईआर से मनी लॉड्रिंग की बू आ रही थी और आईपीसी की धारा के तहत मनी लॉड्रिंग की जांच राज्य पुलिस नहीं कर सकती सिर्फ केन्द्रीय एजेंसी कर सकती है। तो भूपेश बघेल को आपत्ति क्यों? आंध्रप्रदेश में भी इसी मामले में कार्यवाही को लेकर वहां के मुख्यमंत्री ने कोई हो हल्ला नहीं मचाई।

अगर मुख्यमंत्री पाक-साफ होते तो न केवल ईडी की तमाम कारवाई का स्वागत करते, जांच में पूरा

सहयोग करते बल्कि एजेंसी को धन्यवाद भी देते कि छत्तीसगढ़ को इस बेदर्दी से लूटने वालों पर कारवाई कर रही है केन्द्रीय एजेंसियां। जबकि उलटे ईडी के खिलाफ न केवल रायपुर और दिल्ली तक प्रेस आदि किया जा रहा है बल्कि ईडी के अधिकारियों के खिलाफ गाली-गलौज और हिंसा भी की जा रही है। जिस तरह कल भिलाई में अपना काम कर रहे अधिकारियों के खिलाफ आरोपियों के गुंडों ने हिंसा करने की कोशिश की, बल्कि गाड़ियों में तोड़-फोड़ भी किया इससे छत्तीसगढ़ बदनाम हो रहा है।

कांग्रेस के नेताओं के संरक्षण में इस तरह की हिमाकत करने वालों पर कड़ी कारवाई मुख्यमंत्री को करनी चाहिए। पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक श्री अग्रवाल ने कहा कि जो काम कांग्रेस की स्थानीय सरकार को करनी चाहिए थी, जिस ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अभियान चलाना चाहिए था, उसके उलट - जैसा कि ईडी के प्रेस रिलीज में आरोप है, शासन के उच्च स्तरीय लोग अपराधियों से वसूली में लगे थे और संरक्षण दे रहे थे। जब-जब सट्टेबाजों के खिलाफ आवाज उठायी जाती थी, तब-तब रसूखदारों के कमीशन का रेट बढ़ जाता था। ईडी की कार्यवाई छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश पुलिस दर्ज एफआईआर की बुनियाद पर की जा रही है। और ईडी की अब तक की जाँच के मुताबिक सट्टे का यह नेटवर्क हजारो करोड़ रूपये का है। सट्टेबाजों के हौसले इतने बुलंद थे कि बकायदा पूरे-पूरे पेज का विज्ञापन जारी कर ये अपना यूजर बढ़ा रहे थे, एक तरह से प्रदेश और शासन को मूंह चिढा रहे थे ये। प्रदेश के युवाओं की गाढ़ी कमाई विदेशों में भेजी जा रही थी और बजाय अपराधियों पर कारवाई के शासन-प्रशां से जुड़े लोग कमीशन खाने में व्यस्त थे।छत्तीसगढ़ के गरीब और भोले भाले युवाओं को ऑनलाइन जुए की लत लगाकर इस बेदर्दी से संस्थागत लूट की जितनी निंदा की जाय, वह कम है। इस महीने की 10 तारीख को गुढ़ियारी पुलिस द्वारा दर्ज मामले में पता चला है कि किस तरह इस गिरोह के लोग भोलेभाले लोगों के आधार कार्ड और दस्तावेज हासिक करके फर्जी बैंक खाते खुलवा रहे थे और इन खातों के जरिये करोड़ों का अवैध लेन-देन किया जा रहा था। अनेक बेनामी खाते और चेकबुक का भी दुरुपयोग किया गया है। पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक श्री अग्रवाल ने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए एएसआई चंद्रभूषण वर्मा ने अपने बयानों में स्पष्ट किया है कि वह मुख्यमंत्री कार्यालय के शक्तिशाली अधिकारियों और महत्वपूर्ण राजनीतिज्ञों को महादेव एप्प के संचालकों से वसूले गए करोड़ों रुपए प्रोटेक्शन मनी के रूप में देता रहा है।

गिरफ्तार तो सौरभ को करना चाहिए - बघेल

नई दिल्ली रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरूवार को स्वामी विवेकानंद टर्मिनल में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि ईडी को तो महादेव सट्टा एप के सौरभ चंद्राकर को गिरफ्तार करना चाहिए जो कि देश से बाहर बैठा है, जिस पर राज्य सरकार ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया है।

लेकिन ईडी राजनीतिक रूप से छत्तीसगढ़ में कार्रवाई कर रही है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि ईडी को शराब घोटाले व कोयला घोटाले का हिसाब बता देना चाहिए लेकिन जवाब देने की बजाए वे राजनीतिक रुप से छत्तीसगढ़ में कार्रवाई कर रही है। रमन सिंह को चिटफंड व पनामा पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सीधा चुनाव नहीं लड़ पा रही है इसलिए बीते चुनाव में भी विनोद वर्मा को घेरा गया था और मुझे भी गिरफ्तार किया था लेकिन यहां की जनता ने उससे करारा जवाब दिया था और इस बार फिर जनता अपना जवाब देगी।

इन दिनों

✍ विनय पांडे

कांग्रेस के विधायकों के टिकट पर निर्भर नतीजे

अभी हाल ही में सी वोटर और एबीपी न्यूज की सर्वे रिपोर्ट आई है इसके बाद कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ता थोड़े नर्वस हैं और यह कहते नजर आ रहे हैं कि कहीं 2013 वाली स्थिति न हो जाए। 2013 में कांग्रेस की सरकार आते-आते रह गई थी जबकि उस समय तमाम परिस्थितियां कांग्रेस के बिलकुल अनुकूल थी। मतगणना के दौरान एक समय लगने लगा था कि कांग्रेस की सरकार बन ही जायेगी लेकिन अति आत्मविश्वास के कारण कांग्रेस सत्ता में आते आते रह गई। पुराने और जमीनी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि उस समय सर्वे रिपोर्ट को अनदेखा किया गया था। जिन विधायकों के खिलाफ माहौल था और जिनका टिकट काटा जाना चाहिए था उनका टिकट नहीं काटा गया और अंततः उनके कारण कांग्रेस प्रदेश में पिछड़ गई। बताया जाता है कि उस समय 17 विधायकों के खिलाफ एंटी इनकैंबम्सी की बात सर्वे रिपोर्ट में आई थी और इनके चेहरे बदलने का सुझाव दिया गया था लेकिन तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष इस बात पर अड़ गए थे कि सिटिंग विधायकों की टिकट नहीं कटना चाहिए। नतीजतन तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष समेत कई विधायकों की हार हो गई थी और तमाम अनुकूल परिस्थितियां भी कांग्रेस की सत्ता वापसी नहीं करा पाई थी। फिलहाल 2023 का दृश्य भी ऐसा ही दिख रहा है। प्रदेश में सरकार के खिलाफ कोई माहौल नहीं, गांव से लेकर शहर तक चुनाव को लेकर कोई उत्साह भी नहीं क्योंकि बदलाव की बात होती नहीं दिख रही है। प्रदेश में हो रहे अब तक के तमाम सर्वे रिपोर्ट भी यही बताते हैं कि फिर से कांग्रेस की सरकार आ सकती है लेकिन सीटें कम हो रही है। हालिया एक सर्वे में भी यह कहा गया कि सरकार की वापसी ज्यादा लोग चाहते हैं लेकिन काम से कम 36 विधायकों से नाराजगी है। कांग्रेस के आंतरिक सर्वे में भी 33 विधायकों के परफॉर्मेंस पर सवाल उठाया गया था और उनको क्षेत्र में स्थिति ठीक करने की हिदायत भी दी गई थी। बताया जाता है कि अभी भी 22 विधायक ऐसे हैं जिनपर हार का खतरा है, इसलिए यह कयास भी लगाए जा रहे हैं कि इनकी टिकट काटी जा सकती है। प्रदेश में 23 ऐसे विधानसभा क्षेत्र हैं जहां हर 5 साल के बाद स्थानीय लोगों ने विधायक बदल दिया है। इनमे से 17 विधानसभा क्षेत्र में 2003 से ही यह स्थिति है जबकि 6 विधानसभा क्षेत्र, जिनका निर्माण 2008 में हुआ है उनकी भी यही प्रवृति दिखाई देती है। किसी भी सिटिंग एमएलए का टिकट काटना किसी पार्टी के लिए आसान नहीं होता खासकर यदि वह पार्टी कांग्रेस हो। पार्टी को डर होता है कि कहीं वह बागी न बन जाए या चुनाव में अधिकृत प्रत्याशी को डैमेज न कर दे। अब कांग्रेस नेतृत्व 20 सिटिंग एमएलए का टिकट काटने का साहस कर पाएगी या नहीं यह तो समय बताएगा।

मथुराः मामला दर्ज करने की अर्जी पर सुनवाई आठ को

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिला के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद को लेकर शाही ईदगाह इंतेजामिया कमेटी के सचिव एवं सदस्यों पर फौजदारी मामला दर्ज किए जाने की अर्जी पर अब आगे की सुनवाई आठ सितंबर को होगी। जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि अदालत ने इस मामले में बृहस्पतिवार देर शाम संबंधित थाने से किसी भी प्रकार का मामला दर्ज किए जाने अथवा नहीं किए जाने संबंधी स्थिति की रिपोर्ट मांगी है और मामले पर अगली सुनवाई आठ सितंबर को तय की गयी है।

गौरतलब है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष आशुतोष पांडेय ने बृहस्पतिवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रार्थनापत्र दाखिल कर फौजदारी मामला दर्ज किए जाने का

अनुरोध किया है। उन्होंने शाही ईदगाह इंतेजामिया कमेटी के सचिव एवं सदस्यों आदि पर आरोप लगाए हैं कि इन लोगों ने ईदगाह के नाम कोई भूमि नहीं होने पर भी गलत तथ्यों के आधार पर कमेटी का पंजीकरण कराया है तथा उसके आधार पर दशकों से दान आदि एकत्र करते चले आ रहे हैं। पांडेय ने कमेटी के लोगों पर यह भी आरोप लगाया है कि उन्होंने कम से कम 50 वर्ष से कटिया कनेक्शन कर लाखों रुपये की बिजली चोरी की, लेकिन जब विद्युत विभाग ने विद्युत चोरी पकड़ी तो केवल एक वर्ष के बिजली बिल का भुगतान करके और दंड राशि देकर बच गये।

पांडेय ने कहा कि इन लोगों के खिलाफ फौजदारी कानून के तहत मामला दर्ज करके कार्यवाही की जानी चाहिए। दूसरी ओर, शाही ईदगाह कमेटी के सचिव अधिवक्ता तनवीर अहमद ने कहा, कुछ लोग जो ना तो श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के पदाधिकारी हैं और ना ही सदस्य हैं, वे माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं ईदगाह कमेटी का सचिव होने के नाते सभी मुकदमों की पैरवी कर रहा हूं, इसलिए ये लोग मुझे रास्ते से हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट अध्यक्ष आशुतोष पांडेय द्वारा बृहस्पतिवार को सीजेएम कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर किया गया है। इसमें ईदगाह कमेटी पर मुकदमे की मांग की गई है। आरोप लगाया है कि कमेटी ने अवैध रूप से श्रीकृष्ण जन्मभूमि की जमीन कब्जा ली है। साथ ही बिजली चोरी, अवैध रूप से चंदा लेने का आरोप लगाया है। आशुतोष पांडेय द्वारा अदालत में प्रार्थना पत्र दिया गया है, जिसमें शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के सचिव, सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव व अन्य दो दर्जन अज्ञात लोगों को पार्टी बनाया गया है। इनके खिलाफ विद्युत चोरी, अवैध कब्जा व चंदे के जरिये धन अर्जित करने की रिपोर्ट गोविंद नगर थाने में दर्ज कराने की मांग की गई है। आशुतोष पांडेय द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि तथाकथित शाही मजिस्द ईदगाह के सचिव तनवीर अहमद, निवासी डीग गेट, यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष, सचिव व कमेटी के करीब दो दर्जन सदस्यों द्वारा श्रीकृष्ण जन्मभूमि की भूमि पर अवैध कब्जा कर संरचना खड़ी की गई है।

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने आज निर्वाचन आयोग के आयुक्त अनूप चन्द्र पांडेय और अरुण गोयल के साथ राजधानी रायपुर स्थित बूढ़ापारा तालाब परिसर में 'मतदाता महोत्सव प्रदर्शनी, चिन्हारी लोकतंत्र के' का फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों, विशेषकर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों से जुड़े जिलों द्वारा यहां स्टॉल लगाया गया है, इन स्टॉलों में अब तक के वर्षों में हुए वोटिंग की झलकियां तस्वीरों के माध्यम से और विभिन्न जिलों में मतदाता जागरूकता के लिए चलाए गए अभियानों को भी दर्शाया गया है।

प्रमुख समाचार

राहुल ने दक्षिण में जाकर अमेठी का अपमान किया-स्मृति ईरानी

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की उस टिप्पणी का जवाब दिया जिसमें दावा किया गया था कि राहुल गांधी अमेठी से जीतेंगे। स्मृति ईरानी ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को कहीं से भी चुनाव लड़ने का अधिकार है। ईरानी ने कहा, लोकतंत्र में हर किसी को कहीं से भी चुनाव लड़ने का अधिकार है। हालाँकि, अमेठी में, गांधी परिवार ने हमेशा मोदी-योगी सरकार का विरोध किया है। ईरानी गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचीं, इस दौरान उनका कई औद्योगिक इकाइयों का उद्घाटन करने का कार्यक्रम था। भागने का इतिहास उनका है हमारा नहीं, लोकतंत्र में सबको चुनाव लडने का अधिकार है। जिन्होंने दक्षिण में जाकर अमेठी के लोगों का अपमान किया वो फिर यहां से चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के तहत, अमेठी में 7,50,000 से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज मिलता है। सवाल किया, क्या गांधी परिवार सोचता है कि गरीबी से जूझ रहे परिवार अपने हक का अनाज सिर्फ इसलिए छोड़ देंगे।

चंद्रयान-3 की लागत हॉलीवुड फंतासी फिल्म से कमः जितेंद्र

इंदौर (मध्यप्रदेश)। चंद्रयान-3 की सफलता से गदगद विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि करीब 600 करोड़ रुपये की इस किफायती परियोजना की लागत अंतरिक्ष और चंद्रमा के विषय पर हॉलीवुड में बनने वाली एक फंतासी फिल्म से भी कम है। सिंह ने इंदौर में 26वें राष्ट्रीय ई-प्रशासन सम्मेलन में भाग लेने के बाद चंद्रयान-3 पर चर्चा के एक सत्र में कहा कि भारत ने अन्य देशों के मुकाबले बेहद किफायती लागत वाले अंतरिक्ष अभियानों को अमली जामा पहनाया है। यह सत्र इंदौर के लोकसभा सांसद शंकर लालवानी ने अलग से आयोजित किया था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा,''चंद्रयान-3 की लागत केवल 600 करोड़ रुपये है। हॉलीवुड में अंतरिक्ष और चंद्रमा के विषय पर बनने वाली केवल एक फंतासी फिल्म की लागत 600 करोड़ रुपये से ज्यादा होती है।'' सिंह ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा,''मैं इन दिनों ज्यादा फिल्में नहीं देखता, लेकिन कल मुझे एक व्यक्ति ने बताया कि (भारत में) आजकल एक-दो अभिनेता एक फिल्म के बदले 100 करोड़ रुपये तक फीस लेते हैं।

लालू को सजा दिलाने मे नीतीश-ललन का हाथःभाजपा

पटना। चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव की जमानत के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। मामले की सुनवाई अक्टूबर में होगी। हालांकि, इसको लेकर राजनीति जारी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज कहा कि लालू यादव को बेवजह परेशान किया जा रहा है। वहीं, दूसरी ओर नीतीश के इस बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि नीतीश कुमार के आरोप कि लालू यादव को परेशान किया जा रहा है, पूरी तरह से गलत है। जेडीयू और नीतीश को लालू यादव के खिलाफ अदालत में अपनी टिप्पणी याद रखनी चाहिए। उन्हें उनके खिलाफ अपना मुकदमा पढ़ना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बीजेपी हमेशा वंशवाद की राजनीति, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ है। हमने हमेशा उनके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष किया है। हमारी पार्टी अपने रुख पर कायम है कि जो भी दोषी है, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

पंजाब राष्ट्रपति शासन की कर सकता हूं सिफारिशःराज्यपाल

नईदिल्ली। पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान को चेतावनी दी कि अगर उनके पत्रों का जवाब नहीं दिया गया तो वह राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकते हैं और आपराधिक कार्यवाही भी शुरू कर सकते हैं। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में राज्यपाल पुरोहित ने कहा, न्हें यह बताते हुए दुख हो रहा है कि यह मानने का कारण है कि राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो गया है। राज्यपाल ने कहा कि वह अपने पिछले पत्रों पर उनसे कोई जवाब नहीं मिलने से परेशान थे और उन्होंने उन्हें चेतावनी दी कि वह संवैधानिक तंत्र की विफलता पर राष्ट्रपति को एक रिपोर्ट भेज सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि इससे पहले कि मैं संवैधानिक तंत्र की विफलता के बारे में अनुच्छेद 356 के तहत भारत के राष्ट्रपति को एक रिपोर्ट भेजने और आईपीसी की धारा 124 के तहत आपराधिक कार्यवाही शुरू करने के बारे में निर्णय लेने के बारे में अंतिम निर्णय लेने जा रहा हूं, मैं आपसे मुझे भेजने के लिए कहता हूं। ऊपर उल्लिखित मेरे पत्रों के तहत और राज्य में नशीली दवाओं की समस्या के संबंध में आपके द्वारा उठाए गए कदमों के संबंध में अपेक्षित जानकारी मांगी गई है।

येवगेनी की मौत पर बाइडेन की टिप्पणी रूस को नहीं आई रास

नईदिल्ली। रूस ने शुक्रवार को वैगनर भाड़े के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन के एक विमान दुर्घटना में मारे जाने पर आश्चर्य व्यक्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को फटकार लगाई है। इसके साथ ही रूस ने चेतावनी दी कि वाशिंगटन के लिए इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। बाइडेन ने बुधवार को कहा कि वह प्रिगोझिन की मौत के बारे में रिपोर्टों से आश्चर्यचकित नहीं हैं, उन्होंने कहा कि देश में ऐसा कुछ भी नहीं होता है जिसके पीछे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन न हों। रूस में ऐसा बहुत कुछ नहीं होता है जिसके पीछे पुतिन न हों, लेकिन मुझे इसका जवाब जानने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं है। रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां कूटनीति के प्रति वाशिंगटन की उपेक्षा को दर्शाती हैं। राज्य टीएएसएस समाचार एजेंसी ने रयाबकोव के हवाले से कहा कि फिर भी मेरी राय में इस तरह की दुखद घटनाओं के बारे में बात करना अमेरिकी राष्ट्रपति का काम नहीं है। पुतिन ने गुरुवार को प्रिगोझिन के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें एक प्रतिभाशाली व्यवसायी बताया, जो जानता था कि अपने हितों की देखभाल कैसे करनी है और जो पूछे जाने पर सामान्य उद्देश्य के लिए अपना योगदान दे सकता है।

लालू को सुप्रीम कोर्ट से राहत, कावेरी विवाद याचिका पर आदेश से इनकार

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से लेकर लोअर कोर्ट तक के वीकली राउंड अप में इस सप्ताह कानूनी खबरों के लिहाज से काफी उथल-पुथल वाला रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा में ष्टक्च्ढ्ढ के मामलों की सुनवाई गुवाहाटी में कराने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट का तमिलनाडु व कर्नाटक के बीच कावेरी जल विवाद में अंतरिम निर्देश से इनकार कर दिया। लालू को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। जमानत याचिका पर अक्टूबर तक फैसला टल गया है। मधुमिता हत्याकांड में 20 साल बाद रिहा होंगे पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि। इस सप्ताह यानी 21 अगस्त से 25 अगस्त 2023 तक क्या कुछ हुआ? कोर्ट के कुछ खास ऑर्डर/जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुर हिंसा से जुड़े जिन आपराधिक मामलों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है, उनकी सुनवाई असम में की जा सकती है। न्यायालय ने पीड़ितों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मणिपुर से अपने बयान देने की सुविधा प्रदान करने के लिए कई निर्देश भी जारी किए हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के आश्वासन के बाद आदेश पारित किया कि इस तरह के वीडियोकांफ्रेंसिंग की अनुमति देने के लिए मणिपुर में उचित इंटरनेट सुविधाएं प्रदान की

जाएंगी। न्यायालय ने हालांकि, स्पष्ट किया कि उसका आदेश उन लोगों को नहीं रोकेगा जो असम में गुवाहाटी जाना चाहते हैं। उन्हें ऐसी कार्यवाही के हिस्से के रूप में वहां उपस्थित होने से रोका जाएगा।

कावेरी विवाद अपील पर आदेश देने से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 24,000 क्यूसेक कावेरी जल छोड़ने की तमिलनाडु की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया, यह दावा करते हुए कि अदालत के पास इस मुद्दे पर कोई विशेषज्ञता नहीं है। अदालत ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण से 8 सितंबर से पहले कर्नाटक सरकार द्वारा की गई जल निकासी की मात्रा पर रिपोर्ट मांगी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा सूचित किए जाने के बाद कि प्राधिकरण की एक बैठक सोमवार को होने वाली है, न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कर्नाटक द्वारा छोड़े गए पानी की मात्रा पर कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण से रिपोर्ट मांगी।

लालू को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में राजद नेता लालू प्रसाद यादव को दी गई जमानत को चुनौती देने वाली केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील पर सुनवाई के लिए अक्टूबर की तारीख तय की है। फिलहाल चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव की जमानत के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। कोर्ट ने कहा है कि वह 17 अक्टूबर को सुनवाई करेगा. सीबीआई की अपील पर सुनवाई के दौरान लालू प्रसाद यादव का प्रतिनिधित्व कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा कि लालू ने 42 महीने जेल में बिताए हैं और उनका किडनी ट्रांसप्लांट हुआ है। लालू प्रसाद यादव ने जमानत रद्द करने की सीबीआई की याचिका का विरोध किया और सीबीआई की याचिका खारिज करने का अनुरोध किया है।

अमरमणि को रिहा करने के आदेश

अक्टूबर 2007 में कवयित्री मधुमिता शुक्ला की हत्या के लिए दोषी ठहराए गए और जेल गए उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी को कैद से रिहा किया जाएगा। अमरमणि त्रिपाठी और पत्नी मधुमणि को 2003 में मधुमिता शुक्ला की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, जो कथित तौर पर अमरमणि त्रिपाठी के साथ रिश्ते में थी।

धमतरी विस से कांग्रेस से दुग्ध महासंघ अध्यक्ष विपिन साहू ने की दावेदारी

■ शहर ब्लॉक अध्यक्ष को सौंपा आवेदन

धमतरी। प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसा राजीव भवन धमतरी में राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ अध्यक्ष विपिन सखाराम साहू ने समर्थको के साथ धमतरी विस से कांग्रेस से टिकट की दावेदारी की।

इस सम्बन्ध में शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ईश्वर देवांगन व संगठन पदाधिकारियों को आवेदन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि विपिन साहू सालो से कांग्रेस पार्टी की सेवा कर रहे हैं। पार्टी के प्रति पूरी तरह समर्पित भाव से कार्य करते हुए भूपेश सरकार के कल्याणकारी योजनाओ को जन जन तक पहुँचाने लगातार सक्रिय है। वे न सिर्फ धमतरी विधानसभा में सक्रिय है बल्कि पूरे प्रदेश में उनकी सक्रियता है। दुग्ध महासंघ को घाटे से उबार कर लाभ अर्जित कराने की उपलब्धि उन्हें प्राप्त है साहू समाज से आते हैं।

धमतरी विस में साहू मतदाताओं की बहुलता है ऐसे में जातिगत समीकरण में भी श्री साहू फ़िट बैठते हैं.साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष व संरक्षक भी रह चुके है ऐसे में साहू समाज के प्रत्येक मतदाताओं से उनका सीधा संपर्क

है.कांग्रेस द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों व आयोजनों में सक्रिय रहते हैं.भूपेश सरकार की उपलब्धि को जनता तक पहुँचाने के साथ ही केंद्र की मोदी सरकार की नाकामियों से भी जनता को अवगत कराते हैं.मिलान सार व्यक्तित्व के धनी और जमीनी पकड़ रखने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं.उनके पास पार्टी में समर्थको और कार्यकर्ताओ की फ़ौज है ऐसे में यदि पार्टी उन्हें टिकट देती है तो वे एक मजबूत व जिताऊ प्रत्याशी साबित हो सकते हैं।

पूरी हुई आशाएं, भरोसा बरकरार युवाओं के साथ खड़ी हैं कांग्रेस की सरकार - विपिन साहू

विपिन साहू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की युवाओं के साथ संभागीय भेंट मुलाकात के दौरान की गई अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं जिससे युवाओं की कार्य बल एवम नवीन ऊर्जा का संचार होगा। आज की युवा पीढ़ी जहाँ देश में बेरोजगारी के चलते अपने अस्तित्व के तलाश में चिंतित हैं वहीं एक हमारा राज्य हैं जहाँ की युवा प्रदेश में चल रहे सरकार से बहुत भरोसा रखा हैं युवा शक्ति ही देश को नई पहचान और नया कीर्तिमान रचने में अहम भूमिका निभाता हैं इसी संकल्पना के साथ राज्य में कांग्रेस सरकार ने युवाओं पर ज्यादा बल देते हुए उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु बहुत से योजनाओं का संचालन कर रही हैं इस हेतु 42000 विभिन्न शासकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी हैं शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह 2500 रू भत्ता दिया जा रहा हैं कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से 4.68 लाख युवाओं का भविष्य मजबूत बनाया जा रहा हैं युवाओं को आर्थिक राहत देने प्रतियोगिता परीक्षा में आवेदन शुल्क माफ किया गया उज्ज्वल भविष्य का निर्माण हेतु 10 नए स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय का निर्माण किया जाएगा।

आप ने घेरा विधायक जैन और लखेश्वर बघेल का कार्यालय

जगदलपुर। जगदलपुर में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने मंडी से रैली निकाल कर विधायक रेखचंद जैन और लखेश्वर बघेल के कार्यालय का घेराव किया। विधायक जवाब दो, पांच साल का हिसाब दो कार्यक्रम के तहत घर घेरने निकले, इसके बाद लालबाग मैदान से बस्तर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी जगमोहन बघेल समेत कार्यकर्ता नारे लगाते हुए लखेश्वर बघेल का कार्यालय का घेराव किया।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने अपने प्रत्यशियों की पहली सूची जारी कर दी है। कांग्रेसियों ने भी पूरे छत्तीसगढ़ में लगभग 1900 दावेदारों ने फॉर्म जमा किया है। इस सब को देखते हुए आप आदमी पार्टी ने भी अपनी क्रियाकलाप को गति देना शुरू कर दिया है। पहले चरण में अपनी दमदारी दिखाते हुए प्रदेश सह प्रभारी की उपस्तिथि में बस्तर लोकसभा के सभी विधानसभा में बदलाव यात्रा निकाली गई है। आम आदमी पार्टी प्रदेश प्रवक्ता तरुणा ने बताया कि आम आदमी पार्टी विधायक की निष्क्रियता को जनता के बीच लाने हेतु हर विधानसभा में विधायक का घेराव कर रही है इससे पहले कोंडागांव, नारायणपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा फिर आज जगदलपुर और बस्तर में विधायक का घेराव किया गया।

प्रवक्ता तरुणा ने कहा कि रेखचंद जैन जब से विधायक बने है तब से जनता के बीच से सक्रियता नहीं रही हैं।भूपेश सरकार घोषणा पत्र में किये गए वादे को पूरा करने में असफल साबित हुए हैं। चाहे वह रोजगार का मुद्दा हो, बिजली हाफ का मुद्दा हो, सड़क मूलभूत सुविधाओं का मुद्दा हो, स्कूल अस्पताल महिला सुरक्षा का मुद्दा हो हर जगह पर विधायक रेखचंद जैन फेल साबित हुए है।

बस्तर के नगरनार स्टील प्लांट ने शुरु किया उत्पादन, जल्द हो सकती है प्लांट की कमीशनिंग

जगदलपुर। बस्तर में नगरनार स्टील प्लांट ने उत्पादन शुरू कर दिया है औद्योगीकरण का वर्षों पुराना सपना आखिरकार बस्तर में पूरा हुआ। साल 2003 से इस प्लांट निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई थी और 2023 में अब इस प्लांट ने प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। तीन मिलियन टन सालाना की उत्पादन वाले इस एनएमडीसी स्टील प्लांट में हॉट मेटल के उत्पादन के नौ दिन बाद अपने अंतिम उत्पाद एचआर कॉइल का उत्पादन शुरू कर दिया है।

एनएमडीसी के कार्यवाहक सीएमडी एवं निदेशक अमिताव मुखर्जी ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि देश में जिस दिन चंद्रयान ने चांद ने लैंड किया ठीक उसके अगले दिन बस्तर के स्टील प्लांट में भी उत्पादन की प्रक्रिया अंतिम रूप से शुरू कर दी गई है जो बड़ी उपलब्धि है। बीते छह दशक से भी अधिक समय से बस्तर के बैलाडीला से एनएमडीसी लोह अयस्क का खनन कर रहा है लेकिन यह लोह अयस्क देश और विदेश में स्टील उत्पादक संस्थाओं को बेचा जाता था इसका विशेष फायदा बस्तर

में नहीं था लेकिन अब एनएमडीसी बस्तर में ही स्टील प्लांट के जारी उत्पादन करेगा जिससे पूरे बस्तर की दिशा बदलेगी स्टील प्लांट के रूप में बड़ा उद्योग शुरू होने से बस्तर के लोगों ने भी खुशी जाहिर की है। माना जा रहा है कि इस स्टील प्लांट का उद्घाटन प्रधानमंत्री के हाथों जल्द ही किया जाए।

तीन मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता का स्टील प्लांट लगभग रु 25 हजार करोड़ की लागत से बनाया गया है। यह प्लांट अपने उच्च ग्रेड हॉट रोल्ड स्टील के भंडार के साथ हॉट रोल्ड बाजार में अपनी पहचान स्थापित करने के लिए तैयार है, जो अपनी प्रौद्योगिकी के बल पर कई प्रमुख उपभोक्ता क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करना इसकी ताकत है। नगरनार स्टील प्लांट के उत्पाद मिश्रण में कम कार्बन स्टील, एचएसएलए और डुअल फेज़ स्टील और एपीआई गुणवत्ता वाले स्टील शामिल हैं जिन्हें 1 मिमी 16 तक की मोटाई में रोल किया जा सकता है। 1650 मिमी चौड़ा एचआर रोल करने की क्षमता वाला नगरनार स्टील प्लांट का पतला स्लैब ढलाईकार सार्वजनिक क्षेत्र में सबसे चौड़ा मिल है।

भारत की नवीनतम और सबसे आधुनिक मिल से आने वाले एचआर कॉइल्स, शीट्स और प्लेट्स देश निर्माण में आवश्यक गुणवत्ता वाले एचआर की बढ़ती मांग को पूरा करेंगे । इनसे एलपीजी सिलेंडर, पुल, स्टील संरचनाओं, जहाज, बड़े व्यास पाइप, भंडारण टैंक, बॉयलर, रेलवे वैगन, साइकिल फ्रेम, इंजीनियरिंग और सैन्य उपकरण और ऑटोमोबाइल और ट्रक पहियों, फ्रेम और शरीर के हिस्सों का निर्माण होगा । यह संयंत्र बाद के चरण में जनरेटर, मोटर, ट्रांसफार्मर और ऑटोमोबाइल के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले विशेष प्रकार के स्टील का भी उत्पादन करेगा।

एड़का रीपा से जुड़े कलाकारों एवं कारीगरों को मिला तीस लाख का आर्डर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गाँधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क के अंतर्गत नारायणपुर जिले के ग्राम पंचायत एड़का में रीपा का संचालन सफलता पूर्वक किया जा रहा है। वर्तमान में यहाँ सक्रिय रूप से तीन यूनिट में काष्ठकला, माटीकला और हाथकरघा में कार्य हो रहा है, जिसमें लगभग 50 महिला व पुरुष कार्य कर आय अर्जित कर रहे हैं। जिले में चार रीपा केन्द्र (एड़का, छोटेडोंगर, ओरछा, कोलियारी) संचालित है, जिसमें 18 गतिविधियों के साथ लगभग 200 महिला-पुरुष कार्य कर रहे हैं। एडका रीपा को मुख्य रूप से स्थानीय कारीगरों एवं कलाकारों को ध्यान में रखते हुये विकसित किया जा रहा है। एडका रीपा से जुड़े कलाकारों एवं कारीगरों को 30 लाख का आर्डर मिला है। शासन की ओर से हितग्राहियों को वर्क शेड, भवन, विद्युत, पेयजल, शौचालय, मशीनें, कच्चा माल और निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध किया जा रहा है। प्रशिक्षण उपरांत कलाकारों द्वारा उत्पादित कलाकृतियों को विभिन्न जगहों में संस्थायों से अनुबंध कर बेचा जा रहा है।

काष्ठकला और माटीकला से जुड़े सदस्यों ने बताया कि वे पहले काम की तलाश में भटकते थे, उन्हें मुश्किल से छोटा-मोटा काम मिलता था, जिससे जीवनयापन में अत्याधिक कठिनाई होती थी। ग्राम में रीपा के आने से आज हम सभी कारीगर एक ही छत के नीच एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं और लगातार यहां पर काम भी आ रहें हैं। सदस्यों ने आगे बताया कि हमें स्कूलों के लिये लकड़ी के टेबल बैंच बनाने का बीस लाख का आर्डर मिला है साथ ही माटीकला की कलाकृतियों के लिये दस लाख का अनुबंध हो रहा हैं। हम सभी बेहद खुश है और ओवरटाइम करके काम पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चिततौर पर रीपा योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में मिल का पत्थर साबित हो रही है।

27 को रायपुर में होगा पिछड़ा वर्ग का विशाल महासम्मेलन

नगरी। पिछड़ा वर्ग समाज अपनी लंबित 27 प्रतिशत आरक्षण समेत विभिन्न मांगो को लेकर 27 अगस्त 2023 को छग पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ एवम् ओबीसी महासभा के संयुक्त तत्वाधान में रायपुर के रावण भाठा मैदान में विशाल महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस महासम्मेलन में पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत आने वाले जाति व समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

इस संबंध में पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के जिलाध्यक्ष अंगेश हिरवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछड़ा वर्ग समाज के द्वारा विगत कई वर्षों से अपनी संवैधानिक मांग 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर लड़ाई लड़ा जा रहा है, किंतु आज तक छत्तीसगढ़ में राज करने वाले दोनो ही प्रमुख राजनीतिक दलों ने समाज के लोगो सत्ता प्राप्ति का हथियार बनाकर गुमराह करने व ठगने का काम किया है, जिससे पिछड़ा वर्ग समाज के लोग आक्रोशित है। यदि इसी प्रकार ये राजनीतिक दल हमारे समाज के लोगो का उपयोग करते रहे तो हमारा समाज और भावी पीढ़ी हमेशा के लिए इनके चक्रव्यूह में फंसकर कष्टपूर्ण जीवन जीने के लिए मजबूर हो जाएगा।

अंगेश हिरवानी ने आगे बताया कि समाज के लंबे संघर्ष के बाद वर्तमान भूपेश सरकार के द्वारा 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने का विधानसभा में अध्यादेश लाया गया किंतु इस आरक्षण अध्यादेश को पिछड़ा वर्ग विरोधी दुर्भावनाओ के कारण पारित नहीं हो पाया, अब इन चालों को समझकर हमारे समाज के लोगो को जागरूक और एकजुट होकर सड़क से संसद तक लड़ाई लड़कर अपनी ताकत को दिखाना अतिआवश्यक हो गया है।

प्रदेश सहसचिव देवेंद्र सेन ने बताया कि इस महासम्मेलन में उक्त मांगो के साथ साथ पिछड़ा वर्ग के लोगो का जातिगत जनगणना कराने, वन अधिकार अधिनियम में संशोधन करते हुए सन् 2005 से काबिज पिछड़ा वर्ग के लोगो को वन भूमि का पट्टा दिलाने, पिछड़ा वर्ग के छात्र छात्राओं के लिए सर्व सुविधायुक्त छात्रावास बनवाने सहित कई जायज मांगे इस महासम्मेलन में प्रमुखता से रखी जाएगी। इस महासम्मेलन में बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

महिला पर हाथी ने किया हमला, दहशत में ग्रामीण

अंबिकापुर। संभाग मुख्यालय अंबिकापुर से लगे ग्राम कंचनपुर में बेटी के घर जाने के लिए निकली एक बुजुर्ग महिला को जंगली हाथी ने उठाकर पटक दिया। घटना में महिला की मौके पर मौत हो गई। वन विभाग का अमला सूचना पर मौके पर पहुंचा। हाथी की मौजूदगी से कंचनपुर व आसपास के गांवों के ग्रामीणों में दहशत है। मिली जानकारी के अनुसार राजपुर अंतर्गत ग्राम कुंदीकला निवासी लोलो टेकाम 60 वर्ष 23 अगस्त को परिजनों को बेटी के घर ग्राम घंघरी जाने के लिए घर से निकली थी। आज 25 अगस्त को गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कंचनपुर के पास एक हाथी विचरण कर रहा था, और लोलो टेकाम हाथी के नजदीक पहुंच गई। ग्रामीणों ने शोर मचा उसे रोकने का प्रयास किया, परंतु वृद्धा ने इसे अनसुना कर दिया और आगे बढ़ती रही। नजदीक पंहुचते ही हाथी ने उसे सूंड से उठा लिया और पटक दिया। हाथी के जाने के बाद ग्रामीण वहां पहुंचे और उसे बेहोशी की हालत में लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीण महिलाएं तैयार कर रहीं आकर्षक राखियां

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में महिला समूह द्वारा रंग बिरंगी राखियां बनाई जा रही हैं। जो लोगों के बीच में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मौली धागा, मोती जैसी कई देशी वस्तुओं को मिलाकर आकर्षक राखियां समूह की महिलाएं तैयार कर रही हैं। इस वर्ष भी भाइयों की कलाई पर यह देशी राखियां सजेंगी। रीपा केंद्रों की स्थापना स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों को आजीविका के नए साधनों से जोड़ने के लिए की गई है। साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री से बाजार की मांग आधारित उत्पादन तैयार कर व्यवसाय करना है। यही कारण है कि विकासखंड पंडरिया के ग्राम मैनपुरा की महालक्ष्मी महिला स्व सहायता समूह ग्राम पंचायत मजगांव की कुसुम महिला ग्राम संगठन एवं अन्य समहू द्वारा राखियों का निर्माण किया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत महिलाओं को समूह से जोड़ा गया है। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने बताया कि जिले के सभी आठ रीपा केंद्रों में समूह को सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

ट्रक ने युवकों को लिया चपेट में, लोगों ने किया चक्काजाम

कांकेर। कांकेर जिले के दुर्गुकोंदल थाना क्षेत्र के तहत ट्रक की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। ट्रक को रिवर्स करने के दौरान बाइक में बैठे दो युवक ट्रक की चपेट में आ गए। दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों युवक दुर्गुकोंदल क्षेत्र के रहने वाले है। एक पारकदास मानिकपुरी 26 वर्ष ग्राम मदले निवासी है,जो टेन्ट व्यवसाय दुर्गूकोंदल क्षेत्र में करता था, दूसरा युवक मनोज टेकाम पिता कचरूराम 20 वर्ष ग्राम गुमड़ीडीह निवासी है, जो साप्ताहिक बाजार दुर्गूकोंदल में मजदूरी करने आया था। दो लोगों की मौत से नाराज लोगों ने सड़क पर बैठकर चक्काजाम कर दिया है। दुर्गूकोंदल भानुप्रतापपुर मार्ग जाम हो गया है गाड़ियों का आवागमन बंद हो गया है। एसडीओपी प्रशांत पैकरा और तहसीलदार कृष्णा पाटले घटना स्थल पहुंचे। आवागमन बहाल करने के लिए लोगों से अपील की लेकिन प्रदर्शनकारी मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

एसईसीएल की खदानों से नहीं रुक रही डीजल की चोरी

कोरबा। कोरबा में लाख कोशिशों के बाद भी एसईसीएल की खदानों से डीजल की चोरी रुकने का नाम नहीं ले रही है। खदानों की सुरक्षा के नाम पर पैसे को पानी की तरह बहाने के बाद भी कोयला और डीजल की चोरी बदस्तूर जारी है। ऐसे ही एक मामले में दीपका खदान से डीजल की चोरी कर भाग रहे एक कैंपर वाहन को सीआईएसएफ के जवानों ने पकड़ा है जिसमें चोरी का 15 जेरीकेन डीजल मौजूद था। खास बात यह है कि चोरी के मामले में जिस वाहन को पकड़ गया है उसमें पीली बत्ती लगी हुई है। अग्रिम कार्रवाई के लिए मामला पुलिस को सौंप दिया गया है। कोरबा में संचालित एसईसीएल की विभिन्न खदानों से डीजल की चोरी जारी है। चोर संगठित होकर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे है। ऐसे ही एक मामले में दीपका खदान से डीजल की चोरी कर भाग रहे पीली बत्ती से लैस कैंपर वाहन को सीआईएसएफ के जवानों ने पकड़ा है जिसमें 15 जेरीकैन चोरी का डीजल मौजूद था,हालांकि चोर मौके से भागने में सफल हो गए।

हैदराबाद से जगदलपुर जा रही बस हादसे का शिकार

बीजापुर। हैदराबाद से जगदलपुर जा रही कृष्णा ट्रैवल्स की यात्री बस नैमेड में सुबह दुर्घटना ग्रस्त हो गई। हादसे में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। सभी यात्री और चालक परिचालक सुरक्षित हैं। नैमेड थाना प्रभारी जेएल सलाम ने बताया कि कृष्णा ट्रेवल्स की यात्री बस क्रमांक सीजी 17 केडब्ल्यू 0539 शुकवार को हैदराबाद से जगदलपुर यात्रियों को लेकर जा रही थी। इसी बीच सुबह छह बजे के दरमियान बाईक सवार को बचाने के चलते बस अनियंत्रित होकर एनएच 63 के मुख्य सड़क से उतर गई और पंचायत भवन के सामने लगे बिजली खम्भे से जा टकराई। दुर्घटना में किसी यात्री और चालक परिचालक को चोट आई हैं। सभी सुरक्षित हैं।

इसरो पर देश को गर्व है, भारत को ऊँचा उड़ने से कोई नही रोक सकता

धमतरी। अंतरिक्ष जगत में भारत ने इतिहास रच दिया है। 23 अगस्त 2023 की यह तारीख भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का मिशन चंद्रयान-3 सफल हो गया है। चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान 3 के विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग हो गई है। चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग के साथ भारत चंद्रमा पर पहुंचने वाला चौथा देश बन गया है।

खुशी के इस अवसर पर प्रेस नोट जारी करते हुए धमतरी विधायक रंजना डिपेंद्र साहू ने कहा भारत के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण भी है और एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी,इसरो ने कर दिखाया है चांद पर भारत का झंडा लहराया है चंद्रयान-3 की लैंडिंग कराकर भारत का सिर गर्व से ऊंचा उठाया है। 140 करोड़ भारतीयों के सपनों के साथ चन्द्रमा पर उतरा चंद्रयान-3 ऐतिहासिक

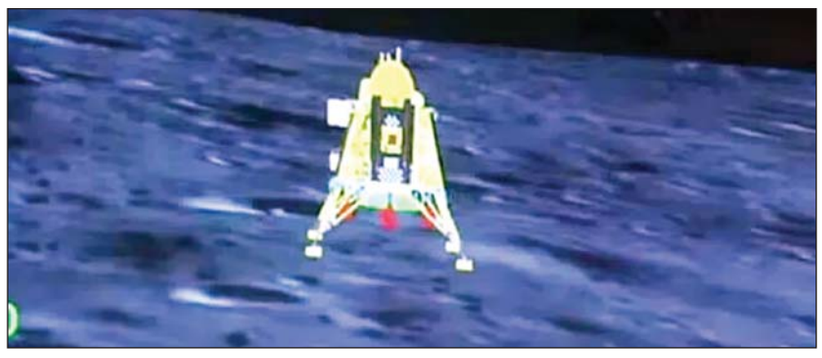

क्षण के लिए प्रत्येक देशवासी को बधाई। इसके पीछे दिन रात एक करने के लिए वैज्ञानिकों को हमारा कोटि कोटि प्रणाम। भगवान की कृपा से यह कार्य पूर्ण रूप से जल्द ही संपन्न होकर पूरे विश्व में भारत की गौरव गाथा को पुन: जागृत करेगा,यह नया भारत है इसे ऊँचा उड़ने से कोई नही रोक सकता और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम की सॉफ्ट लैंडिंग करके भारत ने आज एक बार फिर ये साबित कर दिया कि 21वीं सदी हमारी है।

चंद्रयान 3: भाजपाइयों ने मनाया जश्न

नगरी। 23 अगस्त को सूरज डूबते डूबते भारत वासियों के दिलों में खुशियां भर गया। शाम होते ही चंद्रयान -3 की सफ्ल लैंडिंग पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नगर के हृदय स्थल बजरंग चौक नगरी में इकट्ठा होकर तिरंगा लहराते हुए आतिशबाजी करके खुशियां मनाते हुये एक दूसरे को गले से लगाया।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक सिहावा श्रवण मरकाम, जिला महामंत्री प्रकाश बैस, मंडल अध्यक्ष मोहन नाहटा, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष नागेंद्र शुक्ला, पूर्व जिला उपाध्यक्ष कमल डागा, विधानसभ मीडिया प्रभारी रामगोपाल साहू, महामंत्री राजेश गोसाई, मंडल मंत्री बलजीत छाबड़ा, संत कोठारी निखिल साहू, संजय सारथी, ओमी ठाकुर, महेंद्र कौशल, यशकरन पटेल, सुनील निर्मलकर, दीपक डागा, एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मांगों को लेकर धरने पर बैठे दिव्यांग, मांगें पूरी नहीं होने पर चुनाव बहिष्कार का ऐलान

कांकेर। कांकेर के दिव्यांग आज सड़क पर उतर आए उन्होंने लगभग डेढ़ घंटे तक सड़क जाम कर दिया। उच्चाधिकारी के ज्ञापन लेने पहुंचने के बाद ही सभी सड़क से उठे। दिव्यांग मांग पूरी नहीं होने पर चुनाव बहिष्कार की बात कह रहे है।

दिव्यांगों का कहना है की वह अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे है। उनकी प्रमुख मांग दिव्यांगजनों को रोजगार प्रदान करने, पेंशन राशि दो हजार रुपये प्रति माह दिए जाने, रोजगार ऋण माफ करने, नगरी एवं पंचायत चुनाव में दिव्यांगों के लिए पद आरक्षित करने, दिव्यांगो के लिए शौचालय निर्माण की सुविधा सहित अन्य मांगे प्रमुख है।

वर्तमान सरकार से उन्हें बहुत उम्मीदें थी लेकिन सरकार उनके उत्थान के लिए कोई कार्य नहीं किये। जिससे सभी बेहत नाराज है। इस प्रदर्शन के बाद भी अगर उनकी मांगे पूरी नहीं होती है तो आगे उग्र आंदोलन कर चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

इंडिया गठबंधन की बैठक अब एक सितंबर को होगी : नीतीश

पटना। 30-31 अगस्त को मुंबई में प्रस्तावित इंडिया की मीटिंग अब सितंबर की पहली तारीख को होगी। इस तारीख की पुष्टि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना में की। 23 जून को पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ देशभर के भाजपा-विरोधी दलों की पटना में बैठक कराने वाले नीतीश कुमार ने बताया कि बेंगलुरु की दूसरी बैठक से आगे की बात मुंबई में की जाएगी। ज्यादातर लोग 31 अगस्त को मुंबई पहुंच जाएंगे और उसके अगले दिन, शुक्रवार को बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि कई तरह के जो सवाल उठ रहे हैं, उन सभी का जवाब सभी लोगों की राय लेने के बाद बताएंगे। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम नीतीश कुमार कहा कि एक सितंबर को मुंबई में विपक्षी पार्टियों के साथ मीटिंग है। तीसरी बैठक में हमलोग 31 अगस्त को जाएंगे। हमलोग एक सितंबर को मीटिंग में शामिल होंगे। हम तो चाहते ही हैं कि सब लोग एक साथ हो।

अजित पवार हमारे नेता, पार्टी में कोई फूट नहीं: शरद पवार

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में शरद पवार के एक बयान के बाद हलचल सी मच गई है। दरअसल, महाराष्ट्र के बारामती में एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि इसमें कोई मतभेद नहीं है कि अजित पवार हमारे नेता हैं। उन्होंने कहा कि एनसीपी में कोई विभाजन नहीं है। शरद पवार ने कहा कि किसी पार्टी में फूट कैसे पड़ती है, ऐसा तब होता है जब राष्ट्रीय स्तर पर कोई बड़ा समूह पार्टी से अलग हो जाता है। लेकिन आज एनसीपी में ऐसी कोई स्थिति नहीं है। हां, कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया लेकिन इसे फूट नहीं कहा जा सकता। वे लोकतंत्र में ऐसा कर सकते हैं। शरद पवार के बयान से साफ है कि एनसीपी में फूट नहीं है और अजित पवार पार्टी नेता बने रहेंगे। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि कुछ नेताओं ने अलग राजनीतिक रुख अपनाकर एनसीपी छोड़ दी है, लेकिन इसे पार्टी में फूट नहीं कहा जा सकता। मीडिया से बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि पार्टी में फूट नहीं हैं।

लालू यादव की जमानत पर अब अक्टूबर में होगा फैसला

नईदिल्ली। राजद सुप्रीमो लालू यादव की जमानत से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई अब 15 अक्टूबर को होगी। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में इसपर सुनवाई की गयी। लालू यादव की ओर से उनके वकील कपिल सिब्बल ने मजबूती से अपना पक्ष रखा और सीबीआई की मांग का विरोध किया। बता दें कि चारा घोटाला मामले में लालू यादव जमानत पर हैं और सीबीआई अब लालू यादव के जमानत को रद्द करने की अर्जी लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। लालू यादव चारा घोटाला मामले में सजा काट रहे हैं और फिलहाल वो जमानत पर बाहर हैं। वहीं लालू यादव ने सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट करा ली है। उनकी सेहत अब पहले से बेहतर है। राजद सुप्रीमो अब सियासी मैदान में भी सक्रिय होकर उतर चुके हैं। कई कार्यक्रमों में वो हिस्सा ले चुके हैं। लालू यादव की सक्रियता को ही सीबीआई ने मुद्दा बनाया है और जमानत रद्द करने की अर्जी सुप्रीम कोर्ट में दी है।

सत्येन्द्र जैन की अंतरिम जमानत एक सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को राहत मिली। शीर्ष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत एक सितंबर तक बढ़ा दी है। इससे पहले सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत याचिका पर 24 जुलाई को सुनवाई हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जैन को अंतरिम जमानत दे दी थी। इस मामले में पिछली सुनवाई 10 जुलाई को हुई थी, जिसमें कोर्ट ने उनकी जमानत 24 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी थी। इसके पहले 26 मई को सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल कंडीशन के आधार पर उन्हें छह हफ्ते की जमानत दी थी। 11 जुलाई को उनकी जमानत का आखिरी दिन था। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था- जैन प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा सकते हैं, लेकिन किसी भी गवाह को प्रभावित नहीं करेंगे। न ही दिल्ली के बाहर जाएंगे। जो भी इलाज करवा रहे हैं, उसकी रिपोर्ट 10 जुलाई तक पेश करें।

राहुल गांधी को चीन से इतना प्यार क्यों : भाजपा

नईदिल्ली। भाजपा ने साफ तौर पर कहा कि चीन को लेकर राहुल अर्नगल बयान दे रहे हैं। साथ ही पार्टी ने सवाल किया कि राहुल को चीन से इतना प्रेम क्यों है? बीजेपी सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हम चीन के साथ उनके (कांग्रेस सरकार) रिश्ते और चीन के साथ अपने रिश्ते को स्पष्ट करना चाहते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार आने के बाद, 2020 में बीजिंग के एक थिंक टैंक ने कहा कि चीन तियानानमेन स्क्वायर के बाद अपने सबसे खराब राजनयिक अलगाव से गुजर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बार-बार चीन की बातचीत पर प्यार क्यों बरसाते हैं। डोकलाम के दौरान उन्होंने चीनी राजदूत के साथ जो खाना खाया था, उसका खुलासा उन्होंने नहीं बल्कि चीन द्वारा शेयर की गई फोटो से हुआ। भाजपा ने आरोप लगाया कि नेहरू ने चीन की मदद की थी।

चंद्रयान-3 की सफलता के लिए इसरो टीम को बधाई देने आज बेंगलुरु पहुँचेंगे मोदी

भारत की कामयाबी की खुशी में होगा भव्य रोड शो

नईदिल्ली। भारत के चंद्रयान-3 की कामयाबी के बाद जहां इसरो को देश-विदेश से बधाइयां मिलने का सिलसिला जारी है वहीं वैज्ञानिकों से मिलकर उन्हें बधाई देने के लिए नेतागण भी इसरो मुख्यालय पहुँच रहे हैं। एक दिन पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इसरो की टीम से मिलकर बधाई दी थी। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी विदेश यात्रा से लौटते ही वैज्ञानिकों से मिलने और उन्हें बधाई देने के लिए इसरो मुख्यालय का दौरा करने वाले हैं। हम आपको यह भी बता दें कि मोदी सरकार के कार्यकाल में जहां अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने की बड़ी पहल की गयी वहीं इसरो के बजट में भी भारी भरकम वृद्धि की गयी जिसके शानदार परिणाम देश को देखने को मिल रहे हैं। इसके अलावा यह मोदी सरकार की नीतियों का ही परिणाम है कि भारत ने दूसरे देशों के उपग्रहों का प्रक्षेपण करके 3300 करोड़ रुपए की आय भी की।

जहां तक प्रधानमंत्री के बेंगलुरु कार्यक्रम की बात है तो आपको बता दें कि वह चंद्रयान-3 मिशन के तहत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलता पूर्वक लैंडर (विक्रम) को उतारने और वहां रोवर (प्रज्ञान) को तैनात करने का इतिहास रचने वाले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों और अधिकारियों को बधाई देने के लिए 26 अगस्त को बेंगलुरु पहुंचेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आर अशोक ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि कर्नाटक भाजपा विशाल रोड शो आयोजित करके प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी 26 अगस्त को आ रहे हैं। हम बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उनका स्वागत करेंगे और एचएएल हवाई अड्डा पर 6000 से अधिक लोग एकत्र होंगे। वह बेंगलुरु के लोगों को संबोधित भी कर सकते हैं। हमारे (भाजपा) राष्ट्रीय नेता संतोष जी (महासचिव बीएल संतोष) ने मुझे पिन्या में एक विशाल रोड शो आयोजित

करने के लिए कहा है।'' अशोक ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु के लोगों को अवसर दिया है कि वे अपनी खुशियों को उनके साथ साझा करें।''

उन्होंने कहा, ''हम बेंगलुरु के लोग मोदी का भव्य स्वागत करेंगे क्योंकि इसरो का मतलब बेंगलरु है और बेंगलुरु का मतलब इसरो है। वह यहां इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई देने के लिए आ रहे हैं।'' अशोक ने कहा कि पिन्या के पास लगभग एक किलोमीटर का रोड शो आयोजित करने की योजना है और हवाई अड्डा पर भी प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए लोगों का जमावड़ा होगा।

हालांकि, प्रधानमंत्री की यात्रा का विवरण साझा नहीं किया गया है, लेकिन वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष एजेंसी के अधिकारियों को बधाई देने के लिए उनके यहां इसरो परिसर में स्थित टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) का दौरा करने की संभावना है। हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ को चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर बधाई दी थी और कहा था कि वह जल्द ही बेंगलुरु पहुंच कर पूरी टीम का स्वागत करेंगे। उन्होंने जोहानिसबर्ग से सोमनाथ से फोन पर बातचीत की थी, जहां वह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने गये थे। प्रधानमंत्री ने फोन पर बातचीत से पहले वर्चुअल माध्यम से चांद पर चंद्रयान को उतरते देखा था। उन्होंने जोहानिसबर्ग से इसरो के वैज्ञानिकों को संबोधित भी किया था।

पहलीबार एथेंस पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को अपने यूनानी समकक्ष क्यारीकोस मित्सोटाकिस के निमंत्रण पर ग्रीस की यात्रा के लिए रवाना हुए। पीएम मोदी 40 साल में देश का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। एथेंस पहुंचे पीएम मोदी का यहां भव्य स्वागत हुआ। भारतीय समुदाय के लोगों द्वारा पीएम मोदी के भव्य स्वागत के लिए विशेष तैयारी की गई। जब पीएम मोदी वहां पहुंचे तो भारतीय सिख समुदाय के लोग तिरंगा हाथों लिए पीएम मोदी का स्वागत करने पहुंचे। उनके स्वागत में ढोल की थाप के साथ भांगड़ा संगीत बजाया गया। लोग खुशी से नारे लगा रहे थे। पीएम मोदी ने स्वागत के वीडियो को एक्स पर शेयर किया है, जिसमें

उन्होंने कैप्शन देते हुए लिखा, ग्रीस में स्पेशल स्वागत। इससे पूर्व विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, दक्षिण अफ्रीका की अपनी यात्रा के बाद, प्रधानमंत्री ग्रीस के प्रधानमंत्री महामहिम क्यारीकोस मित्सोटाकिस के निमंत्रण पर 25 अगस्त 2023 को ग्रीस की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा 40 वर्षों में ग्रीस की पहली यात्रा होगी। इसमें आगे कहा गया, भारत और ग्रीस के बीच सभ्यतागत संबंध हैं, जो हाल के वर्षों में समुद्री परिवहन, रक्षा, व्यापार और निवेश और लोगों से लोगों के संबंधों जैसे क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से मजबूत हुए हैं।

कारगिल रैली में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा-

सरकार चीन मुद्दे पर झूठ बोल रही है: राहुल

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज (25 अगस्त) कारगिल में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारत में नफरत फैला रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस हर जगह शांति और सद्भाव फैला रही है। राहुल गांधी ने कारगिल में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार चीन मुद्दे पर झूठ बोल रही है।

राहुल ने आगे कहा कुछ महीने पहले, हम कन्याकुमारी से कश्मीर तक चले थे, इसे भारत जोड़ो यात्रा कहा जाता था। इसका उद्देश्य देश में भाजपा-आरएसएस द्वारा फैलाई गई नफरत और हिंसा के खिलाफ खड़ा होना था। यात्रा से जो संदेश निकला वह था- नफ़रत के बाज़ार में हम मोहब्बत की दुकान खोलने निकले हैं। लद्दाख में यात्रा का संचालन करने के लिए और इस बार मैं इसे मोटरसाइकिल पर आगे ले गया। राहुल ने आगे कहा कि वे लद्दाख के लोगों की आवाज दबा रहे हैं, लेकिन हम उनके साथ खड़े हैं और उनका हक दिलाने में पूरा सहयोग भी कर रहे हैं।

इससे पहले, राहुल गांधी ने चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर रविवार (20 अगस्त) को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री ने कहा- (लद्दाख में) एक इंच जमीन नहीं गई, यह सच नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां लोग कह रहे हैं कि चीनी सेना हमारी जमीन में घुस आई है। लोगों ने बताया कि जो जमीन पहले चारागाह के लिए इस्तेमाल होती थी, अब वहां नहीं जा सकते। प्रधानमंत्री ने कहा- एक इंच जमीन नहीं गई, ये सच नहीं है। राहुल ने शुक्रवार को अपनी रैली के दौरान कहा, लद्दाख में किसी से भी पूछें, वे आपको यह बताएंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारत में नफरत फैला रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस देश में हर जगह शांति और सद्भाव फैला रही है। राहुल ने आगे कहा कि वे (बीजेपी) लद्दाख के लोगों की आवाज दबा रहे हैं, लेकिन हम उनके साथ खड़े हैं और उनके अधिकार दिलाने में पूरा समर्थन भी दे रहे हैं।

राहुल गांधी का चीन को लेकर मोदी सरकार पर नया निशाना ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोनों देशों के संबंधों में सुधार के लिए बड़े निर्णय लिये हैं। देखा जाये तो राहुल गांधी लद्दाख में चीनी घुसपैठ की बात कर भारतीय सैनिकों का ही अपमान कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि हमारे जवान दिन-रात विपरीत मौसमी परिस्थितियों की चिंता नहीं करते हुए एलएसी की सुरक्षा में तैनात रहते हैं और चीन ने जब गलवान संघर्ष के दौरान आगे बढ़ने की हिमाकत करने की कोशिश की थी तो उसका करारा जवाब भी हाथोंहाथ दे दिया गया था लेकिन फिर भी राहुल गांधी कह रहे हैं कि चीन लद्दाख में घुसपैठ कर चुका है। जबकि सत्य यह है कि 1962 में देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री और राहुल गांधी के नाना नेहरू की रणनीतिक नाकामी के चलते चीन ने लद्दाख में काफी बड़े भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। राहुल गांधी के नाना ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लगाकर जो गलती की थी उसकी सजा भी जम्मू-कश्मीर ने दशकों तक भुगती लेकिन अब जब 370 को मोदी सरकार ने उखाड़ फेंका है और जम्मू-कश्मीर का पूरी तरह भारत के साथ विलय हो चुका है तो वहां के हालात में जबरदस्त परिवर्तन आया है। इसी के चलते राहुल गांधी कश्मीर में कभी बर्फबारी का मजा लेने जाते हैं तो कभी गुलमर्ग में स्कीइंग करने जाते हैं। अब वह फिर से कश्मीर पहुँच रहे हैं जहां उनकी मां सोनिया गांधी भी उनके साथ कुछ समय गुजारेंगी। हम आपको बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी दो दिवसीय ''निजी दौरे'' पर आज श्रीनगर पहुंचे हैं और पार्टी संसदीय दल की प्रमुख एवं उनकी मां सोनिया गांधी शनिवार को यहां पहुंचेंगी। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) अध्यक्ष विकार रसूल वानी ने यह जानकारी दी।

खेल
प्रमुख समाचार

विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे नीरज चोपड़ा

बुडापेस्ट। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने कमाल कर दिया। चोपड़ा ने 88.77 मीटर थ्रो के साथ विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश करके पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। पदकों की अलमारी में सिर्फ विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण की कमी है। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा अपने पहले विश्व चैंपियनशिप खिताब के लिए जोर अजमाइश कर रहे हैं। चोपड़ा की सीजन की सर्वश्रेष्ठ 88.77 मीटर की थ्रो ने क्वालीफाइंग ग्रुप ए में शीर्ष पर जाने में मदद की। रविवार के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

चोपड़ा ने शुक्रवार को बुडापेस्ट (हंगरी) में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में 88.77 मीटर के थ्रो के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। डायमंड लीग चैंपियन चोपड़ा को ओरेगॉन में 2022 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। चोपड़ा (25 वर्ष) ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में स्वर्ण पदक जीता। 2018 में एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह पिछले साल डायमंड लीग चैम्पियन भी बन गए। चोपड़ा ने अमेरिका में 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था।

पेरिस ओलंपिक का क्वालीफाइंग मानक 85 . 50 मीटर था। क्वालीफाइंग विंडो एक जुलाई से खुली है। चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत थ्रो 89 . 94 मीटर है, जो उन्होंने 30 जून 2022 को स्टॉकहोम डायमंड लीग में फेंका था। रविवार को होने वाले आखिरी दौर के लिये ग्रुप ए और बी से शीर्ष 12 या 83 मीटर से ऊपर थ्रो फेंकने वाले खिलाड़ी क्वालीफाई करेंगे। अगर चोपड़ा विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लेते हैं तो वह निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले दूसरे भारतीय बन जायेंगे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 365 अंक टूटा निफ्टी 19,300 के नीचे

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले मिश्रित रुझानों और जैक्सन होल इकोनॉमिक सिम्पोजियम में फेड प्रमुख के भाषण से पहले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुए। आज के कारोबर में क्ख्श्व सेंसेक्स 365 अंक कमजोर हुआ। निफ्टी में भी 120 अंको की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में 0.4 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ व्यापक इंडेक्स लाल निशान में रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 365.83 अंक यानी 0.56 फीसदी की गिरावट के साथ 64,886.51 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,106.00 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,732.57 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 120.90 अंक यानी 0.62 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,265.80 अंक पर बंद हुआ।

भारत की विकास यात्रा तय करेगी दुनिया का भविष्य

नईदिल्ली। बी20 इंडिया के प्रमुख एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को कहा कि भारत डिजिटल व कृत्रिम मेधा, ऊर्जा, मूल्य आपूर्ति श्रृंखला के वैश्विक बदलाव का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है और देश की वृद्धि का सफर दुनिया के भविष्य को आकार देगा। बिजनेस 20 (बी20) वैश्विक कारोबारी समुदाय के लिए जी20 का आधिकारिक चर्चा मंच है। बी20 समिट इंडिया 2023 को संबोधित करते हुए एन चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत की वृद्धि का सफर एक प्रतीक बनकर उभरा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था विपरीत परिस्थितियों, दशकों के सबसे कठिन दर चक्र और सार्वजनिक ऋ़ण के रिकॉर्ड स्तर पर होने जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। चंद्रशेखरन टाटा संस के चेयरमैन भी हैं।

ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स का आईपीओ 30 अगस्त को खुलेगा

नईदिल्ली। वैश्विक ऊर्जा दक्षता समाधान कंपनी ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने 491 करोड़ रुपये की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए प्रति शेयर 418-441 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी ने घोषणा की कि उसका आरंभिक सार्वजनिक निर्गम अभिदान के लिए 30 अगस्त को खुलेगा और एक सितंबर को बंद होगा। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार, आईपीओ में 75 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों और इसके प्रवर्तक समूह के शेयरधारकों तथा एक मौजूदा निवेशक द्वारा 94.3 लाख इक्विटी शेयर की बिक्री की पेशकश शामिल है। कंपनी अपने आईपीओ के जरिए प्राइस बैंड के निचले और ऊपरी स्तर पर क्रमश: 469.10 करोड़ रुपये और 490.78 करोड़ रुपये जुटाएगी। ओएफएस के तहत, आशा नरेंद्र गोलिया लगभग 15 लाख इक्विटी शेयर बेचेंगे, जबकि ऋषभ नरेंद्र गोलिया 4 लाख इक्विटी शेयर बेचेंगे।

वेदांता अलग-अलग बिजनेस वर्टिकल की लिस्टिंग करेगी

नईदिल्ली। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने शेयर होल्डर्स को भेजे एक संदेश में जानकारी दी है कि अब कंपनी अपने अलग अलग कारोबारों की अलग अलग लिस्टिंग पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि वो इस मामले में सलाहकारों से विचार-विमर्श के बाद अपने सभी कारोबार या कुछ कारोबारों की अलग लिस्टिंग करेगी। शेयर होल्डर्स को भेजे गए एक वीडियो मैसेज में कंपनी के चेयरमैन ने कहा, अलग अलग कारोबार की लिस्टिंग का मतलब है कि आपके पास अगर वेदांता का एक शेयर है तो आगे आपको कई अन्य कंपनियों के शेयर मिल सकेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि निवेशकों के पास अलग अलग क्षेत्रों में निवेश के भी अवसर मौजूद रहेंगे। साथ ही कुछ विदेशी कंपनियां जो किसी खास क्षेत्र में निवेश करना चाहती हैं, अलग लिस्टिंग करने से उनके लिए निवेश के मौके खुलेंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान के विकास में पूंजी निवेश की दरकार

अनिल तिवारी

हम अक्सर इस बात पर फूले नहीं समाते कि हमारे वैज्ञानिक कितने कम खर्चे में बहुत शानदार काम कर रहे हैं। इस बार भी अनेक प्लेटफार्म पर यह बात जोर-जोर से फैलाई जा रही है कि चंद्रयान-3 को चांद पर पहुंचने की लागत (615 करोड रुपए) भारत में बनी निर्माता निर्देशक भूषण कुमार और ओम रावत की फिल्म आदि पुरुष के बजट (700 करोड रुपए) से भी कम है। लेकिन ऐसी लाइन चलाने वाले लोगों को ठहर कर सोचना चाहिए कि कम खर्चे में काम चलाने की मजबूरी हमारे वैज्ञानिकों की संभावना को किस तरह प्रभावित कर रही होगी।

ज्ञात हो कि वर्ष 2023-24 में अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए आवंटित बजट 12,544 करोड़ रुपए है जो पिछले साल यानी 2022-23 के मुकाबले 8% कम है। मालूम हो कि इसरो की कमाई का मुख्य जरिया इसके सैटेलाइट लांचर्स है। जुलाई 2023 तक इसरो ने 36 देशों के 431 सैटेलाइट लॉन्च किये हैं। जुलाई 22 तक विदेशी सैटेलाइट लॉन्चिंग से इसरो को कुल 22.3 करोड़ डॉलर की कमाई हुई है। वह भी तब, जब भारत रॉकेट लॉन्च करने की क्षमता से लैस टॉप 10 देशों में शामिल है।

वर्तमान में वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी मात्र दो प्रतिशत है। अनुमान है कि 2025 तक भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 13 अरब डॉलर का आंकड़ा छू सकती है। वहीं सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक बाजार के 9% हिस्से पर भारत का प्रभुत्व हो। दुनिया के अंतरिक्ष बाजार पर नजर रखने वाली एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2040 तक भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की क्षमता और संभावना आंकी जा

रही है। ऐसे में इसरो को खुलकर अपनी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने तथा उन परियोजनाओं के लिए सरकार को अपने खजाने से अपेक्षित धनराशि बिना हीला हवाली के मुहैया कराने की जरूरत है।

ज्ञात हो कि सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग और इंस्टीट्यूट फॉर कंपीटिटिवनेस की ओर से हाल ही में कराए गए एक अध्ययन से यह खुलासा हुआ है कि भारत अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) पर दुनिया में सबसे कम खर्च करने वाले देशों में शामिल है। देश में अनुसंधान विकास पर 2008 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.8% की तुलना में 2017-18 में इनमें निवेश घटकर 0.7% रह गया था। हालांकि 2018-19 में इसके बजट में थोड़ी वृद्धि हुई लेकिन बाद के कोरोना काल में यह उत्तरोत्तर कम ही होता गया। मौजूदा वित्त वर्ष में इस क्षेत्र में निवेश पिछले सत्र की तुलना में आठ प्रतिशत कम किए जाने की घोषणा बजट में की गई है।

अद्भुत संजोग है कि इसरो का चंद्रयान जब 23 अगस्त को चांद के साउथ पोल पर शाफ्ट लैंडिंग कर रहा था ठीक उसी वक्त दक्षिण अफ्रीका में आयोजित ब्रिक्स की बैठक में प्रधानमंत्री गर्व के साथ सदस्य देशों से इसरो का संदेश भारत, मैं अपने गंतव्य पर पहुंच गया हूं और आप भी साझा कर रहे थे। आंकड़े बताते हैं कि अंतरिक्ष कार्यक्रम के मामले में भारत ब्रिक्स देशों की तुलना में भी बहुत कम खर्च करता है। ब्राज़ील जीडीपी का करीब 1.2 प्रतिशत, रूस 1.1 प्रतिशत, चीन दो प्रतिशत से अधिक, जबकि दक्षिण अफ्रीका 0.8 प्रतिशत खर्च करता है। अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर दुनिया का औसत खर्च करीब 1.8 प्रतिशत है। अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए खर्च की जाने वाली रकम अपेक्षा से बहुत कम है। इसकी राशि बढ़ाई जाने की जरूरत है। सरकार द्वारा वित्तीय सहायता बढ़ाए जाने के साथ-साथ निजी क्षेत्र को भी इस काम में आगे बढ़कर हाथ बंटाना चाहिए। धन के आवंटन का स्तर और उसकी प्राथमिकता महत्वपूर्ण है। अनुसंधान कार्यक्रमों को अनवरत चलाने के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों को लंबे समय तक के लिए समुचित धन की व्यवस्था करनी चाहिए। शोध अनुसंधान कार्यक्रम चलाने वाले अंतर विश्वविद्यालयों को भी इसी तरह बढ़ाकर राशि दिए जाने की जरूरत है। नवाचार और संवर्धन ऐसे कारक हैं जिसे किसी भी कीमत पर कमतर नहीं आंकना चाहिए।

विस्तार के बाद क्या मजबूत होगा ब्रिक्स?

शोभना जैन

असहमतियों को पाटते हुए दुनिया की छह सबसे तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स ने छह और देशों को आज सर्वसहमति से समूह में शामिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी जोहान्सबर्ग में 15वीं ब्रिक्स शिखर बैठक में असहमतियों को दूर करने के लिए सभी पांच सदस्य देशों ब्राजील, भारत, चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका के शिखर नेताओं के बीच हुए गहन विचार-विमर्श के बाद यह ऐलान किया गया। ब्रिक्स क्लब के वर्तमान अध्यक्ष दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने तीन दिवसीय शिखर बैठक की समाप्ति से पूर्व कहा कि अर्जेंटीना, मिस्त्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बनने के लिए आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया है। नए सदस्य एक जनवरी 2024 से ब्रिक्स का हिस्सा बन जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी छह देशों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत ने हमेशा ब्रिक्स के विस्तार का समर्थन किया है। भारत का हमेशा मानना रहा है कि नए सदस्यों को जोड़ने से ब्रिक्स एक संगठन के रूप में मजबूत होगा। हम ब्रिक्स के विस्तार के पक्षधर रहे हैं, सभी नए 6 सदस्य देशों से भारत के अच्छे संबंध रहे हैं। ब्रिक्स का फिलहाल विस्तार तो हो गया है और प्राप्त संकेतों के अनुसार आने वाले वर्षों में समूह में कुछ और देशों को भी शामिल किए जाने की संभावना है, लेकिन सवाल कई हैं। क्या समूह की सदस्यता के लिए कोई नियम बनाए गए हैं? विस्तारित समूह सिर्फ संख्या बल बढ़ जाने से क्या अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा? क्या पहले से ही अलग-अलग धुरियों पर खड़े देशों के साथ कुछ और भूराजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों के भी समूह में शामिल होने से समूह वाकई मजबूत हो पाएगा? नए सदस्य देशों के पुराने देशों के साथ जो संबंध रहे हैं, उससे समूह की मूल भावना पर तो कोई असर नहीं पड़ेगा या फिर समूह गुटबाजी में उलझ कर तो नहीं रह जाएगा? और फिर जैसा कि विदेश नीति के एक जानकार के अनुसार एक तरफ जहां चीन और रूस ब्रिक्स जैसे समूह को पश्चिमी देशों की वर्चस्वता की कथित नीति को टक्कर देने और उससे जुड़े जी-7 और जी-20 जैसे पश्चिमी देश बहुल समूहों के विकल्प के रूप में बनाए जाने के लिए इस्तेमाल किए जाने पर जोर देते रहे हैं, ऐसे में बढ़े हुए संख्या बल और समूह के एजेंडे के बीच तालमेल कैसे बनेगा? यहां इस बात का जिक्र करना जरूरी है कि चीन ने इस समूह में पाकिस्तान को भी शामिल किए जाने की वकालत की। उसकी दलील थी कि समूह में विकासशील देशों को भी जगह मिलनी चाहिए। पाकिस्तान ने इसी वर्ष समूह की सदस्यता दिए जाने के लिए आवेदन किया था। भारत ने पाकिस्तान के आवेदन पर नियमों पर खरा न उतरने की वजह से कड़ा विरोध जताया था। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने हालांकि आशावादी मुद्रा में कहा कि इस शिखर सम्मेलन ने लोगों के बीच आदान-प्रदान और मित्रता एवं सहयोग बढ़ाने के महत्व की पुष्टि की। उन्होंने कहा, %हमने जोहान्सबर्ग की दो घोषणाओं को अपनाया, जो वैश्विक आर्थिक, वित्तीय और राजनीतिक महत्व के मामलों पर प्रमुख ब्रिक्स संदेशों को प्रतिबिंबित करती है। यह उन साझा मूल्यों और सामान्य हितों को प्रदर्शित करता है जो पांच ब्रिक्स देशों के रूप में हमारे पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग का आधार हैं।% भारत इस समूह में नये सदस्यों को लाए जाने का तो पक्षधर रहा है, लेकिन उस का कहना रहा है कि एक तो यह सर्वसहमति से होना चाहिए और दूसरा इस तरह की सदस्यता के लिए नियम बनाए जाने चाहिए, जैसा कि आसियान या ऐसे ही समूहों में होता रहा है। भारत को आसियान समूह का पूर्णकालिक सदस्य बनाए जाने से पहले पर्यवेक्षक और फिर डायलॉग पार्टनर का दर्जा देने के बाद ही पूर्णकालिक सदस्य बनाया गया। सदस्यता के मुद्दे पर भारत, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील और दूसरी तरफ चीन और रूस के बीच असहमतियों के बावजूद गहन मंत्रणा के बाद आखिर इन छह देशों को सर्वसहमति के आधार पर समूह में शामिल कर लिया गया।

कांग्रेस की नई कार्यसमिति और चुनाव

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालने के दस महीने बाद कांग्रेस कार्यसमिति (कांग्रेस वर्किंग कमेटी) की घोषणा कर दी है। नई कार्य समिति में कल 39 सदस्य बनाए गए हैं। वहीं 32 लोगों को स्थाई आमंत्रित सदस्य तथा 13 लोगों को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। जिनमें कांग्रेस के चारों अग्रिम संगठनों युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सेवादल के प्रमुखों को भी शामिल किया गया है। इस तरह कांग्रेस वर्किंग कमेटी से कुल 84 नेताओं को जोड़ा गया है। कार्य समिति में जहां वरिष्ठ नेताओं को तवज्जो दी गई है वहीं बड़ी संख्या में नए लोगों को भी शामिल किया गया है।

आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कार्य समिति के माध्यम से सभी को साधने का प्रयास किया गया है। कार्यसमिति में सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह, राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, एके एंथोनी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, सलमान खुर्शीद, प्रियंका गांधी वाड्रा, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, अजय माकन, जयराम रमेश, भंवर जितेंद्र सिंह और तारिक अनवर जैसे पुराने लोगों को जगह दी गई है। वहीं सचिन पायलट, दीपक बावरिया, जगदीश ठाकोर, गुलाम अहमद मीर, अविनाश पांडे, दीपादास मुंशी, गौरव गोगोई, कमलेश्वर पटेल, सैयद नासिर हुसैन, महेंद्रजीत सिंह मालवीय जैसे नए लोगों को भी शामिल किया गया है।

कार्य समिति में कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक, कुमारी शैलजा, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को प्रमुख दलित चेहरे के रूप में शामिल किया गया है। वहीं सलमान खुर्शीद, तारिक अनवर, गुलाम अहमद मीर, सैयद नासिर हुसैन मुस्लिम समाज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कार्य समिति में श्रीमती सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, कुमारी शैलजा, दीपा दास मुंशी को बैतोर महिला सदस्य नई कार्यसमिति में शामिल किया गया है। वहीं प्रतिभा सिंह, मीनाक्षी नटराजन, फूलों देवी नेताम और रजनी पटेल को स्थाई आमंत्रित सदस्य तथा यशोमती ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, परिणीति शिंदे और अलका लांबा कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल हैं। महिला कांग्रेस की प्रमुख नेट्टा डिसूजा पदेन सदस्य के रूप में शामिल की गई हैं। इस तरह 84 सदस्यों की कार्यकारिणी में 15 महिला नेताओं को स्थान मिला है।

कांग्रेस की नवगठित वर्किंग कमेटी में आनंद शर्मा, शशि थरूर, मनीष तिवारी समेत जी-23 के कई ऐसे नेताओं को भी जगह मिली है जो कांग्रेस आलाकमान के कई निर्णयों से नाराज चल रहे थे। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में यह संदेश गया है कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रही है। यदि कोई पार्टी नेता पार्टी के किसी निर्णय से नाराज है तो भी पार्टी की मुख्य धारा में शामिल रहेगा। कांग्रेस कार्यसमिति से पार्टी के चारों मुख्यमंत्रियों को बाहर रखा गया है। जबकि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता हैं और पिछले वर्ष उनका नाम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए तय हो गया था। यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्रियों को कार्यसमिति में शामिल नहीं किया गया है।

कांग्रेस ने उदयपुर में संपन्न हुए अपने चिंतन शिविर और रायपुर के महाधिवेशन में तय किया था कि पार्टी संगठन में सभी स्तर के पदों में से आधे पदों पर 50 साल से कम उम्र के नेताओं को पदाधिकारी बनाया जायेगा। मगर मौजूदा कार्यसमिति में वरिष्ठ नेताओं की संख्या अधिक है। फिर भी काफी संख्या में नए लोगों को पहली बार कार्य समिति में शामिल कर पार्टी ने नया नेतृत्व आगे लाने का एक सफल प्रयास किया है।

नवगठित कार्यसमिति में लोकसभा से 9 व राज्यसभा से 14 सांसदों को भी शामिल किया गया है। लोकसभा से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, शशि थरूर व गौरव गोगोई को कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य बनाया गया है। प्रतिभा सिंह, मनीष तिवारी को स्थाई आमंत्रित सदस्य व के सुरेश व मणिकम टैगोर को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। वहीं राज्यसभा से पार्टी अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, मुकुल वासनिक, अभिषेक मनु सिंघवी, जयराम रमेश, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, केसी वेणुगोपाल को कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। दीपेंद्र सिंह हुड्डा, फूलों देवी नेताम, रजनी पटेल स्थाई आमंत्रित तथा राजीव शुक्ला विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं।

कार्य समिति में शामिल 50 साल से कम उम्र के नेताओं में सचिन पायलट 46 वर्ष, गौरव गोगोई 43 वर्ष और कमलेश्वर पटेल 49 साल के हैं। स्थाई आमंत्रित सदस्यों में मानिकम टैगोर 48 वर्ष, दीपेंद्र हुड्डा 45 वर्ष, मीनाक्षी नटराजन 50 वर्ष और कन्हैया कुमार 36 वर्ष के हैं। वहीं विशेष आमंत्रित सदस्यों में महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री यशोमती ठाकुर 49 वर्ष, पार्टी के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत 46 वर्ष, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे की विधायक पुत्री परिणीति शिंदे 42 वर्ष, दिल्ली की पूर्व विधायक अलका लांबा 47 वर्ष, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीबी 41 वर्ष, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा 48 वर्ष और एनएसयूआई के अध्यक्ष नीरज कुंदन 33 वर्ष के हैं। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी व राजस्थान से सचिन पायलट को राहुल गांधी की निकटता के चलते कार्य समिति में शामिल किया गया है। आने वाले समय में पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी व राजस्थान में सचिन पायलट बड़ी भूमिका निभाएंगे।

कुछ माह पूर्व कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में संपन्न हुए विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस ने भारी बहुमत से सरकार बनाकर अपनी राजनीतिक ताकत का एहसास कर दिया था। कर्नाटक व हिमाचल में भाजपा की सरकार चल रही थी। जिसे हराकर कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। इसी साल के अंत तक राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम व जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा के चुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव से पहले इन प्रदेशों की विधानसभा चुनावों के नतीजे 2024 के लोकसभा चुनावों पर गहरा असर डालेंगे। कांग्रेस का प्रयास है कि लोकसभा चुनाव से पहले राजस्थान व छत्तीसगढ़ जहां उनकी पार्टी की सरकार है वहां फिर से अपनी सरकार बनाई जाए। मध्य प्रदेश में भाजपा ने दल बदल करवा कर कांग्रेस की सरकार गिरा दी थी। वहां फिर से कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाकर पार्टी को मजबूत किया जाए। कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में भी अपने खोए हुए जनाधार को फिर से हासिल करने के लिए पूरा जोर लगा रही है। विपक्षी दलों के कई बड़े नेता पिछले दिनों वहां कांग्रेस की सदस्यता ले चुके हैं।

कांग्रेस पार्टी का पूरा ध्यान अगले लोकसभा चुनावों पर केंद्रित है। कांग्रेस के बड़े नेता चाहते हैं कि हाल ही में बनाए गए इंडिया गठबंधन को एकजुट कर अगला लोकसभा चुनाव लड़ा जाए ताकि केंद्र से भाजपा को सत्ता को हटाया जा सके। कांग्रेस आलाकमान इंडिया गठबंधन में शामिल उन सभी दलों से अपने राजनीतिक संबंध सामान्य करने का प्रयास कर रहा है जिससे आगे चुनाव में आपसी सहमति से सीटों का बंटवारा कर भाजपा के खिलाफ एक सीट पर एक ही प्रत्याशी उतारा जा सके। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व का पूरा जोर विपक्षी एकता को सुदृढ़ करने पर लगा हुआ है। जिसका लाभ उन्हें आने वाले चुनाव में मिलने की संभावना नजर आ रही है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-7)

गतांक से आगे...

नादात्मक अर्धमात्रा जो प्रणव के उच्चारण के अंत में ध्वनि के रूप में सुनाई देती है, उसका लोक सोमलोक, ओंकार वाचक परब्रह्म ही देवता, वेद-अथर्ववेद, संवर्तक नाम की अग्नि, उनचास मरुत् ही गण विराट् छन्द है। (इस चतुर्थ मात्रा विशिष्ट ? कार के) एक ही ऋषि हैं (ब्रह्माजी)। अत्यन्त प्रकाशमयी यह मात्रा ब्रह्म स्वरूपा है। प्रणव की यह चतुर्थ मात्रा ही साम का चतुर्थ पाद है(यह अनुष्टुप् मंत्र कुल बत्तीस अक्षरों का है। जिसमें प्रथम चरण आठ अक्षरों का एवं शेष तीनों चरण भी आठ-आठ अक्षरों के ही होते हैं। सम्पूर्ण विश्व की सृष्टि का केन्द्र यह अनुष्टुप् मंत्र ही है। उसी से उत्पत्ति एवं उसी से संहार भी होता है।

पाँच अंगों वाला यह अनुष्टुप् मंत्र है। चारों चरणों के साथ पाँचवाँ प्रणव भी उसका एक अंग है। प्रणव के साथ ही यह मंत्र पूरा होता है। मानव शरीर के भी पाँच अंग बताये गये हैं-हृदय, सिर, शिखा, बाहुमूल और मस्तक । इस प्रकार हृदयाय नमः, शिरसे स्वाहा, शिखायै वषट्, कवचाय हुम, अस्त्राय फट् के साथ अनुष्टुप् के प्रत्येक अंगों का संयोग करना चाहिए। मंत्र के प्रथम भाग के साथ शरीर का प्रथम अंग का संयोग, द्वितीय के साथ द्वितीय, तृतीय के साथ तृतीय, चतुर्थ के साथ चतुर्थ एवं पंचम भाग के साथ पंचम अंग का संयोग करे। सम्पूर्ण लोक जिस प्रकार आपस में सम्बद्ध हैं, उसी प्रकार से उक्त अंग भी परस्पर सम्बद्ध हैं। यह ओंकार सम्पूर्ण विश्व है। इसलिए इस अनुष्टुप् मंत्र के हर एक अक्षर के पहले और पीछे कार का सम्पुट लगाकर न्यास करना चाहिए। ब्रह्मवादी लोग इस प्रकार प्रत्येक अक्षर के साथ अंगन्यास करने के लिए कहते हैं।

इस अनुष्टुप् का प्रथम पद उग्रम मंत्र का प्रथम स्थान है, यह जानने वाला अमृतत्व को प्राप्त कर लेता है। मंत्र में वीरम का द्वितीय स्थान है। महाविष्णुम पद का तृतीय स्थान है। ज्वलंतम का चतुर्थ स्थान है। सर्वतोमुखम् का पंचम स्थान है। नृसिंहम का षष्ठ स्थान है। भीषणम का सप्तम स्थान है। भद्रम का अष्टम स्थान है। मृत्युमृत्युम् का नवम स्थान है। नमामि का दशम स्थान है। अहम का एकादश स्थान है, ऐसा जानना चाहिए। इस प्रकार जानने वाला अमृतत्व को प्राप्त कर लेता है। यहाँ दिये गये संकेतानुसार आनुष्टुभ मन्त्र इस प्रकार बनेगा ? ग्यारह पदों वाली यह अनुष्टुप् वृत्ति है। सारे विश्व की रचना इसके द्वारा ही हुई है तथा उपसंहार भी इसी के द्वारा होता है। यह अनुष्टुप् की ही महिमा है, ऐसा जानना चाहिए। इस प्रकार जानने वाला अमृतत्व को प्राप्त कर लेता है। प्रजापति भगवान् ब्रह्माजी से देवताओं ने प्रश्न किया-उग्रम विशेषण नृसिंह भगवान् के लिए क्यों कहा गया है।

क्रमशः...

आजीवन मुस्कुराते हुए दीन दुखियों की सेवा करती रहीं मदर टेरेसा

ललित गर्ग

'शांति की शुरुआत मुस्कुराहट से होती है।' इस विचार में विश्वास रखने वाली मदर टेरेसा यानी एग्नेस गोंझा बोयाजीजू का जन्म यूगोस्लाविया के एक साधारण व्यवसायी निकोला बोयाजीजू के घर 26 अगस्त 1910 में हुआ था। वह 18 वर्ष की आयु में 1928 में भारत के कोलकाता शहर आईं और सिस्टर बनने के लिए लोरेटो कान्वेंट से जुड़ीं और इसके बाद अध्यापन कार्य शुरू किया। उन्होंने 1946 में हुए सांप्रदायिक दंगे के दौरान अपने मन की आवाज पर लोरेटो कान्वेट की सुख सुविधा छोड़ बीमार, दुखियों और असहाय लोगों के बीच रह कर उनकी सेवा का संकल्प लिया। उन्होंने एक दशक तक कोलकाता के झुग्गी में रहने वाले लाखों दीन दुखियों की सेवा करने के बाद वहां के धार्मिक स्थल काली घाट मंदिर में एक आश्रम की शुरुआत की।

सचमुच वे मां थी। माँ शब्द जुबान पर आते ही सबसे पहले मदर टेरेसा का नाम आता है। कलियुग में वे मां का एक आदर्श प्रतीक थी जो आज भी प्रेम की भांति सभी के दिलों में जीवित हैं। माँ दुनिया का सबसे अनमोल शब्द है। एक ऐसा शब्द जिसमें सिर्फ अपनापन, सेवा, समर्पण, दया, करूणा और प्यार झलकता है। मदर टेरेसा का मानवता के प्रति योगदान पूरी दुनिया जानती है। इसके साथ ही यह आधुनिक संत बीमार और असहाय लोगों के प्रति अपने करूणामयी व्यवहार के लिए भी जानी जाती हैं। लेकिन जब हम उनके बारे में बात करते हैं तो हम उनके सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक कार्य को याद करते हैं, जो थी कुष्ठता के कलंक के खिलाफ उनकी लड़ाई। कुष्ठ रोग से पीड़ित लोगों के प्रति हर जगह भेदभाव देखा गया था, लेकिन मदर टेरेसा ने उनके साथ अपनों जैसा व्यवहार किया। इस तरह की उनकी दया और करूणा की भावना ने दुनिया को एक सीख दी है।

मदर टेरेसा ने भारत में कार्य करते हुए यहां की नागरिकता के साथ सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्राप्त (1980) किया। समाज में दिए गए उनके अद्वितीय योगदान की वजह से उन्हें पद्मश्री (1962), नोबेल शांति पुरस्कार (1979) और मेडल ऑफ फ्रीड़ा (1985) प्रदान किए गए। उन्होंने भारत के साथ-साथ पूरे विश्व में अछूतों, बीमार और गरीबों की सेवा की। मदर ने नोबेल पुरस्कार की धन-राशि को भी गरीबों की सेवा के लिये समर्पित कर दिया।

युगों से भारत इस बात के लिये धनी रहा है कि उसे लगातार महापुरुषों का साथ मिलता रहा है। इस देश ने अपनी माटी के सपूतों का तो आदर-सत्कार किया ही है लेकिन अन्य देशों के महापुरुषों को न केवल अपने देश में बल्कि अपने दिलों में भी सम्मानजनक स्थान दिया और उनके बताए मार्गों पर चलने की कोशिश की है। हमारे लिए मदर टेरेसा भी एक ईश्वरीय वरदान थीं। भारतीय जनमानस पर अपने जीवन से उदाहरण के तौर पर उन्होंने ऐसे पदचिन्ह छोड़े हैं, जो सदियों तक हमें प्रेरणा एवं पाथेय प्रदत्त करते रहेंगे। क्या जात-पांत, क्या ऊंच-नीच, क्या गरीब-अमीर, क्या शिक्षित-अनपढ़, इन सभी भेदभावों को ताक पर रख कर मदर ने हमें यह सिखाया है कि हम सभी इंसान हैं, ईश्वर की बनाई हुई सुंदर रचना हैं और उनमें कोई भेद नहीं हो सकता।

गुट निरपेक्षता के बाद अब गुट सापेक्षता का दौर

रहीस सिंह

भारत की विदेश नीति के संदर्भ में यह मानकर चला जाता है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की दुनिया जब दो ध्रुवों में बंट रही थी, उसी दौर में भारत आजाद हुआ तथा इस विचार के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया कि '...हमें शांति और सभ्य व्यवहार की आवश्यकता है, हम युद्ध नहीं चाहते।' आज यूक्रेन की धरती पर एक युद्ध लड़ा जा रहा है और यह युद्ध केवल रूस और यूक्रेन के बीच नहीं है बल्कि यहां पर भी दो दुनियाओं का विभाजन स्पष्ट दिख रहा है। आज के इस दौर में भी भारत की विदेश नीति का अहम विषय वसुधैव कुटुंबकम का है और संदेश वही कि 'यह युद्ध का युग नहीं है।' वास्तव में भारत की विदेश नीति का यही सार है। लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि भारत किसी एक जगह पर ठिठका हुआ है बल्कि उसने गुट निरपेक्षता की विदेश नीति से लेकर 'पॉलिसी ऑफ एक्ट फॉरवर्ड' तक का सफर तय किया है जिसमें 'राष्ट्र प्रथम' की प्रबल भावना होने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का प्रभावशाली संदेश भी छुपा है तथा वे वैश्विक चिंताएं भी जिनका दुनिया सामना कर रही है या फिर आने वाले समय में कर सकती है।

तकनीकी दृष्टि से तो भारत की विदेश नीति का इतिहास बहुत लंबा है लेकिन सामान्य तौर पर इसे 1991 से पहले और बाद के कालखंडों में बांट कर देखा जा सकता है जिसमें 1991 की भारतीय विदेश नीति ने कई करवटें बदली हैं। स्वतंत्रता के बाद से लेकर सोवियत संघ के विघटन के काल तक भारत ने संतुलन के साथ-साथ शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की नीति का अनुसरण किया और गुटनिरपेक्षता की नीति को चुना। लेकिन 1989 में बर्लिन की दीवार गिरने और 1991 में सोवियत संघ के ढह जाने के बाद दुनिया वाशिंगटन केंद्रित हो गई। स्वाभाविक रूप से भारत का भी झुकाव वाशिंगटन की तरफ हुआ लेकिन मॉस्को की कीमत पर नहीं। मई 1998 में पोखरण-2 के जरिये भारत ने दुनिया को एक नया संदेश दिया। यद्यपि भारत ने 'नो फर्स्ट यूज' और 'मिनिमम डेटरेंस' नीति के जरिये दुनिया को अपने परमाणु शक्ति होने का अभिप्राय समझा दिया था लेकिन वाशिंगटन तथा उसके कुछ सहयोगियों ने भारत पर प्रतिबंध लगा दिया। लेकिन जल्द ही वाशिंगटन ने अपना रुख बदला और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा संपन्न हुई। इसी कड़ी में अमेरिका के साथ हुई सिविल न्यूक्लियर डील को भी देख सकते हैं। आत्मविश्वास की विदेश नीति का दूसरा चरण मुख्य रूप से वर्ष 2015 के 'लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट' के साथ शुरू हुआ विशेषकर तब जब अमेरिका ने भारत को अपना 'मेजर डिफेंस पार्टनर' कहा।

दरअसल वर्ष 2008 सही अर्थों में विश्व व्यवस्था के संदर्भ में एक विभाजक वर्ष था। इसने दुनिया को मोटे तौर पर यह संदेश दे दिया कि अब पुरानी व्यवस्था समाप्त हो रही है। हालांकि नई व्यवस्था कैसी होगी, यह उस समय तक तय नहीं था। लेकिन विश्व बैंक के अर्थशास्त्रियों ने यह घोषणा कर दी कि विश्व अर्थव्यवस्था अब डि-कपल्ड हो चुकी है अत: इसके संयोजन और सहयोग में क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इन्हीं विमर्शों और घोषणाओं के बीच भारत और चीन का नाम आया जो उस समय तक क्रमश: 'वर्ल्ड्स? ऑफिस' और 'वर्ल्ड्?स इंडस्ट्री' की हैसियत प्राप्त कर चुके थे। तकनीकी दृष्टि से ये दोनों एक-दूसरे के पूरक थे। शायद इसे ही देखकर गोल्डमैन सैच्स के जिम ओ नील ने 'ब्रिक' की परिकल्पना की जिसमें भारत और चीन के साथ रूस तथा ब्राजील भी शामिल थे। इस संपूर्ण दौर में भारत की विदेश नीति में 'एक्ट ईस्ट' और 'लुक वेस्ट' प्रमुख तत्व बने। साथ ही यूरोप के साथ अन्योन्याश्रितता (रेसिप्रोकैलिटी) और सुसंगतता (कम्पैटिबिलिटी) के रिश्ते बने जो भारत के हितों के अनुकूल थे। परंतु हिंद-प्रशांत क्षेत्र में निर्मित हुई समस्या अभी शेष थी जिसका कारण चीन था।

दरअसल चीन असीमित इच्छाशक्तियों से संपन्न हो और अर्थव्यवस्था की नींव पर निर्मित सैन्य क्षमता व आक्रामकता का प्रदर्शन करने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दबदबा बनाना चाहता था। इसी महत्वाकांक्षा ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को असीमित इच्छाशक्तियों वाला शासक बना दिया जो सीपीसी की 20वीं कांग्रेस में घोषणा करता है कि वर्ष 2049 तक चीन दुनिया को नेतृत्व देने वाली शक्ति बनेगा। यदि ऐसा है तो भारत को वर्ष 2047 तक भारतीय विदेश नीति को उस मार्ग पर ले जाने की जरूरत होगी जो चीन को रोक सके। हालांकि भारत की तैयारी है, लेकिन चीन को भी कमतर नहीं आंका जा सकता। फिलहाल विदेश मंत्री एस। जयशंकर के अनुसार भारत की विदेश नीति 'एडवांसिंग प्रॉस्पैरिटी एंड इन्फ्लुएंस' की विशिष्टता के साथ आगे बढ़ेगी। स्वाभाविक है कि 'गुटनिरपेक्षता' के तत्वों पर कम बल दिया जाएगा। होना भी चाहिए क्योंकि यह युग निरपेक्षता का नहीं बल्कि सापेक्षता का है। इस दिशा में प्रधानमंत्री का 'थिंक बिग, ड्रीम बिग, एक्ट बिग' का मंत्र विदेश नीति को एक नया आयाम दे सकता है। लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि आज का युग गैर-संभ्रांतिक प्रतिस्पर्धाओं वाला युग है जिसमें सफल होने के लिए नई स्ट्रेटेजी के साथ-साथ नई केमिस्ट्री की भी जरूरत होगी जिसका सैद्धांतिक ही नहीं बल्कि अंकगणितीय मूल्य भी हो।

हिन्द स्वराज्य

इंग्लैण्ड की हालत (भाग-3)

गतांक से आगे...

प्रश्न- तब तो आज तक जिन्हें हम देशाभिमानी और ईमानदार समझते आये हैं, उनपर भी आप टूट पड़ते हैं।

उत्तर- हाँ, यह सच है। मुझे प्रधानमंत्रियों से द्वेष नहीं है। लेकिन तजरबे से मैंने देखा है कि वे सच्चे देशाभिमानी नहीं कहे जा सकते। जिसे हम घूस कहते हैं वह घूस वे खुल्लमखुल्ला नहीं लेते-देते, इसलिए भले ही वे ईमानदार कहे जायँ, लेकिन उनके पास वसीला काम कर सकता है। मैं हिम्मत के साथ कह सकता हूँ कि उनमें शुद्ध भावना और सच्ची ईमानदारी नहीं होती।

प्रश्न- जब आपके ऐसे खयाल हैं तो जिन अंग्रेजों के नाम से पार्लियामेण्ट राज करती है उनके बारे में अब कुछ कहिये, ताकि उनके स्वराज्य का पूरा खयाल मुझे आ जाय।

उत्तर- जो अंग्रेज वोटर हैं (चुनाव करते हैं), उनकी धर्म-पुस्तक (बाइबल) तो है अखबार। वे अखबारों से अपने विचार बनाते हैं। अखबार अप्रामाणिक होते हैं, एक ही बात को दो शक्ल देते हैं। एक दल वाले उसी बात को बड़ी बनाकर दिखलाते हैं, तो दूसरे दल वाले उसी को छोटी कर डालते हैं। एक अखबार वाला किसी अंग्रेज नेता को प्रामाणिक मानेगा, तो दूसरा अखबार वाला उसको अप्रामाणिक मानेगा। जिस देश में ऐसे अखबार हैं उस देश के आदमियों की कैसी दुर्दशा होगी?

प्रश्न-यह तो आप ही बताइये।

उत्तर- उन लोगों के विचार घड़ी-घड़ी में बदलते हैं। उन लोगों में यह कहावत है कि सात-सात बरस में रंग बदलता है। घड़ी के लोलक की तरह वे इधर-उधर घूमा करते हैं। जमकर वे बैठ ही नहीं सकते। कोई दौर- दमामवाला आदमी हो और उसने अगर बड़ी-बड़ी बातें कर दीं या दावतें दे दी तो वे नक्कारची की तरह उसी के ढोल पीटने लग जाते हैं। ऐसे लोगों की पार्लियामेण्ट भी ऐसी ही होती है। उनमें एक बात जरूर है। वह यह कि वे अपने देश को खोयेंगे नहीं। अगर किसी ने उस पर बुरी नजर डाली, तो वे उसकी मिट्टी पलीद कर देंगे। लेकिन इससे उस प्रजा में सब गुण आ गये, या उस प्रजा की नकल की जाय, ऐसा नहीं कह सकते। अगर हिन्दुस्तान अंग्रेज प्रजा की नकल करे तो हिन्दुस्तान पामाल हो जाय, ऐसा मेरा पक्का खयाल है।

मध्य प्रदेश चुनाव में कई पार्टी की हुई एंट्री

राहुल संपाल

साल के अंत में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां तेज हो चली है। सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने जहां 39 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जबकि कांग्रेस संभावितों के बायोडाटा को खंगाल रही है। वहीं, समाजवादी पार्टी-बहुजन समाज पार्टी ने भी उम्मीदवारों के ऐलान का सिलसिला भी शुरू कर दिया है। वैसे तो एमपी के चुनाव में सीधा मुकाबला कांग्रेस-भाजपा के बीच ही होता है। लेकिन कई बार बहुजन समाज पार्टी-समाजवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी प्रदेश में अपनी ताकत का एहसास भी करवा चुकी है। आम आदमी पार्टी भी उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया से गुजर रही है तो आदिवासी युवाओं के बीच काम करने वाला संगठन जयस उन क्षेत्रों पर नजर गड़ाए हुए हैं जहां आदिवासी वोटरों की संख्या ज्यादा है।

मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर छोटे दल अपनी ताकत दिखाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। राज्य के दो प्रमुख दल कांग्रेस और बीजेपी विधानसभा वार आकलन में जुटे हुए है। जिन सीटों पर हार मिली इसका ब्योरा जुटाया जा रहा है तो वहीं वर्तमान विधायकों की क्या स्थिति है। इसकी समीक्षा का दौर जारी है। कांग्रेस-भाजपा चुनाव में जीत की रणनीति बनाने के साथ उम्मीदवारों के चयन में लगे है तो दूसरी ओर सपा-बसपा उम्मीदवारों के फैसले भी करने लगे हैं। बहुजन समाज पार्टी के सात उम्मीदवारों की सूची भी आ गई है, वहीं समाजवादी पार्टी ने भी चार सीटों के उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया हैं। संभावना इस बात की जताई जा रही है कि अगस्त माह में ही सपा-बसपा अन्य उम्मीदवारों का ऐलान कर सकती है।

मध्य प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी अपना खोया जनाधार पाने में जुटी है। ग्वालियर-चंबल, विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र में पार्टी का प्रभाव रहा है। हाल के वर्षों में बसपा का अपना कोर वोट बैंक छिटक गया है। यही वोट बैंक इन क्षेत्रों में कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा की जीत का कारण बनता रहा। 2018 के चुनाव में ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में बसपा के परंपरागत दलित वोट बैंक का झुकाव कांग्रेस की तरफ हुआ था। इससे बसपा के साथ भाजपा को भी नुकसान हुआ। जबकि विंध्य में बसपा के कारण कांग्रेस को नुकसान हुआ। भाजपा को इस क्षेत्र में बढ़त मिल गई। कांग्रेस इस इलाके से केवल सात सीटें ही जीत सकी। लेकिन अब बसपा 2023 के चुनावों में अपना खोया

जनाधार पाने में जुटी है। इसके लिए पार्टी पैदल यात्रा, बूथ पर कार्यकर्ता जोड़ो कार्यक्रम संचालित कर रहे है। वहीं उन क्षेत्रों पर ज्यादा फोकस कर रही है जहां पार्टी के परंपरागत वोटर है। बसपा को अभी तक अधिकतम 8.72 प्रतिशत मत 2008 के विधानसभा चुनाव में मिले थे। पिछले चुनाव में 5.1 प्रतिशत वोट मिले और दो प्रत्याशी जीते थे। हालांकि, इसमें से एक संजीव सिंह भाजपा को समर्थन दे चुके हैं।

बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी के बाद अब समाजवादी पार्टी ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। सपा ने छतरपुर की राजनगर विधानसभा सीट, दतिया जिले की भांडेर विधानसभा सीट, निवाड़ी और भिंड की मेहगांव सीट पर प्रत्याशी मैदान में उतारें है। यह चारों सीटें बुंदेलखंड और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की हैं। पार्टी ने जिन चार सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है वे सभी यूपी की सीमा से सटे हुए है। निवाड़ी, राज नगर, भांडेर बुंदेलखंड क्षेत्र में हैं, वहीं मेहगांव ग्वालियर-चंबल क्षेत्र का हिस्सा है। चारों विधानसभा क्षेत्र के उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे होने से यहां पार्टी को सफलता मिलने की उम्मीद है।

मध्यप्रदेश में सपा ने सबसे अच्छा प्रदर्शन 2003 के विधानसभा चुनाव में किया था। इस चुनावों में पार्टी के छह विधायक जीते थे। बाद में एक और विधायक ने सपा की सदस्यता ले ली और एक उप चुनाव जीतकर आ गए। इस तरह आठ सदस्य हो गए थे। 1998 के चुनाव में चार प्रत्याशी जीते थे। मौजूदा विधानसभा में सिर्फ राजेश शुक्ला सपा से जीते थे। बाद में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली। सपा के प्रदेश अध्यक्ष रामायण सिंह पटेल ने कहा कि, चार सीटों पर उम्मीदवार घोषित हो गए है। बाकी सीटों पर प्रत्याशियों के चयन पर विचार चल रहा है। उत्तर प्रदेश से लगे जिलों की लगभग 50 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा पहले की जाएगी। पार्टी की युवजन सभा और छात्र सभा की कार्यकारिणी भी हर स्तर पर बन चुकी है। वह भी चुनाव की तैयारी में जुटे हैं। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

सपा-बसपा और आम आदमी पार्टी के बाद तेलंगाना का सत्ताधारी दल भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) एमपी चुनाव में हाथ आजमाने की तैयारी में है। बीआरएस में राज्य के कई नेता शामिल हो रहे हैं। हाल ही में व्यापम घोटाले के व्हिसल ब्लोअर और सेवा से बर्खास्त चल रहे डॉ आनंद राय बीआरएस में शामिल हुए। राय अब तक आदिवासियों के संगठन जय युवा आदिवासी संगठन (जयस) से जुड़े थे, लेकिन अब वे बीआरएस में शामिल हो गए हैं। इससे पहले मध्य प्रदेश से नाता रखने वाले पूर्व सांसद बुद्धसेन पटेल अपने कई साथियों के साथ बीआरएस का दामन थाम चुके हैं। बीआरएस का राज्य में फिलहाल कोई संगठन नहीं है। पार्टी की नजर ऐसे नेताओं पर है जो अपने मौजूदा दल में संतुष्ट नहीं हैं।

बीआरएस से पहले असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम भी एमपी के चुनावों में हिस्सा लेने का ऐलान कर चुकी है। भीम आर्मी भी चुनावी तैयारियों में जुटी हैं। इनके अलावा आम आदमी पार्टी भी राज्य की अधिकांश विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर चुकी है। हाल ही में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री व राज्यसभा सांसद संदीप पाठक राजधानी भोपाल आए थे। संदीप पाठक ने राजधानी भोपाल में पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक लेने के साथ ही पत्रकार वार्ता का आयोजन किया था, जिसमें पत्रकारों को संबोधित करते हुए पाठक ने मप्र की सभी 230 सीटों पर आप प्रत्याशियों के चुनाव मैदान में उतरने की बात कही थी। हाल ही में आप के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल सतना से इलेक्शन कैंपेन का आगाज कर चुके है। इस दौरान सीएम केजरीवाल ने खुद को एमपी के बच्चों का चाचा बताते हुए चुनाव जीतने पर सात गारंटी मध्य प्रदेश के वोटर्स को दी है। हाल में हुए प्रदेश के निकाय चुनाव में आप का भी खाता खुला था। सिंगरौली नगर निगम में आप पार्टी की मेयर उम्मीदवार रानी अग्रवाल ने जीत दर्ज की थी। रानी को मध्यप्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष भी बनाया गया है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में विधानसभा की कुल 230 सीटें है, जिनमें से कांग्रेस का 96 पर कब्जा है, वहीं भाजपा के पास 127 है, इसके अलावा बसपा के दो, सपा

महाराष्ट्र में चाचा-भतीजे ने ऐसी गुगली डाली कि सारे दल बोल्ड हो गये

नीरज कुमार दुबे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता सुप्रिया सुले के बाद अब पार्टी संस्थापक शरद पवार ने भी कह दिया है कि अजित पवार पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। हम आपको बता दें कि यह बयान ऐसे समय आया है जब शरद पवार और अजित पवार की बार-बार हो रही मुलाकातों से संशय का माहौल उत्पन्न हुआ है। यह वाकई हैरत की बात है कि एक ओर शरद पवार विपक्षी गठबंधन इंडिया की मुंबई बैठक की तैयारियों को अंतिम रूप दिये जाने वाली बैठक में शामिल हो रहे हैं तो वहीं वह और उनकी बेटी सुप्रिया सुले महाराष्ट्र सरकार में शामिल हो चुके अजित पवार को एनसीपी का वरिष्ठ नेता बता रहे हैं। देखा जाये तो शरद पवार अपनी विश्वसनीयता को खुद ही संदेह के घेरे में ला रहे हैं। संभव है कि विपक्षी दल अब उनसे चौकन्ना होकर रहें। यहां सवाल यह भी उठता है कि यदि अजित पवार को शरद पवार एनसीपी का वरिष्ठ नेता बता रहे हैं तो फिर वह दंगल क्या था जो दो जुलाई को चाचा और भतीजे के बीच देखने को मिला था। अजित पवार जब एनसीपी के कई वरिष्ठ विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में शामिल हुए तो एनसीपी विभाजित नजर आ रही थी। अजित पवार ने खुद को एनसीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर चुनाव आयोग के समक्ष पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर दावा ठोंक दिया था तो दूसरी ओर शरद पवार ने प्रफुल्ल पटेल समेत कई नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाते हुए कहा था कि असली पार्टी उनके पास है। हम आपको याद दिला दें कि चाचा और भतीजे के बीच ऐसा ही राजनीतिक ड्रामा तब भी देखने को मिला था जब 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम के तुरंत बाद अजित पवार ने देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार में तड़के शामिल होकर उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली थी। बाद में शरद पवार ने खुद ही खुलासा किया था कि यह सारा उनका ही खेल था। इसलिए सवाल उठता है कि महाराष्ट्र में एमवीए सरकार गिरने के बाद जो खेल शुरू हुआ क्या उसमें भी पवार की भूमिका है। चाचा और भतीजे की यह जोड़ी जो राजनीतिक गुल खिला रही है उसने महाराष्ट्र की सियासत में बड़ा बवाल मचा दिया है। हम आपको यह भी बता दें कि हाल ही में महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष ने कहा था कि शरद पवार जल्द ही मोदी सरकार की उपलब्धियों के बारे में समझ जायेंगे और एनडीए सरकार में शामिल होंगे। हम आपको यह भी बता दें कि हाल ही में पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक मंच साझा किया था। उस समय एमवीए के घटक दलों ने पवार को मोदी के साथ कार्यक्रम में शामिल होने से मना किया था लेकिन पवार नहीं माने थे। जहां तक शरद पवार के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा है कि पार्टी में कोई फूट नहीं है और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पार्टी के नेता बने रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ नेताओं ने ''अलग राजनीतिक रुख'' अपनाकर राकांपा छोड़ दी है, लेकिन इसे पार्टी में फूट नहीं कहा जा सकता। पवार ने पुणे जिले में अपने गृहनगर बारामती में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बात की। उन्होंने कहा, ''कोई कैसे कह सकता है कि राकांपा में फूट है? इसमें कोई संशय नहीं है कि अजित पवार हमारी पार्टी के नेता हैं।'' उन्होंने कहा, ''किसी राजनीतिक दल में फूट का मतलब क्या है? फूट तब होती है जब किसी पार्टी का एक बड़ा समूह राष्ट्रीय स्तर पर अलग हो जाता है, लेकिन यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ है। कुछ लोगों ने पार्टी छोड़ दी, कुछ ने अलग रुख अपना लिया... लोकतंत्र में निर्णय लेना उनका अधिकार है।'' हम आपको यह भी बता दें कि अभी एक दिन पहले ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सांसद और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने पार्टी में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की स्थिति को लेकर कहा था कि वह ''पार्टी के एक वरिष्ठ नेता और विधायक'' हैं। जब सुले से उनके इस बयान के बारे में पूछा गया कि राकांपा को तोड़ने की तीन कोशिशें की गईं, तो उन्होंने दावा किया कि पार्टी को तोड़ने के लिए कई कदम उठाए गए, जो ''कभी सफल और कभी असफल रहे।''

उत्तर प्रदेश की बदल रही है तसवीर...लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी

उमेश चतुर्वेदी

इसे बिडंबना नहीं तो क्या कहेंगे कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गंगा-यमुना और घाघरा जैसी सदानीरा नदियों का उपजाऊ मैदानों के बावजूद उत्तर प्रदेश की ख्याति बीमारू यानी रोगी राज्य के रूप में रही। उत्तर प्रदेश राजनीतिक रूप से बेहद सचेत लोगों का भी राज्य रहा है। माना जाता है कि जिस इलाके की जनता राजनीतिक रूप से ज्यादा सचेत होती है, वहां विकास की धारा बहती रहती है। माना तो यह भी जाता है कि प्रभावी राजनीति जिस इलाके का प्रतिनिधित्व करती है, उस इलाके में विकास की गति अपने आप तेज हो जाती है। उत्तर प्रदेश प्रभावी राजनीति का भी केंद्र रहा है। देश को उसने आठ प्रधानमंत्री दिए, जिनमें से छह की जन्मभूमि भी उत्तर प्रदेश की माटी रही है, इसके बावजूद उत्तर प्रदेश अपनी अराजक संस्कृति और भ्रष्टाचारी शासन व्यवस्था के लिए ज्यादा जाना जाता रहा है। लेकिन अब इसी उत्तर प्रदेश की छवि बदलने लगी है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच को दिया जा सकता है। जिसकी वजह से ना सिर्फ यहां के अराजक माहौल में बदलाव आने लगा है, बल्कि इस राज्य को अब उद्योग और कारोबार के लिए मुफीद माना जाने लगा है। अस्सी के दशक में जब उत्तर प्रदेश के ही संसदीय नुमाइंदे राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, तब अर्थशास्त्री आशीष बोस ने बीमारू राज्य की परिकल्पना पेश की थी। बीमार यानी रूग्ण से प्रेरित यह बीमारू शब्द बुनियादी रूप से चार राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहा था। इन्हीं में से तीन राज्य अलग होकर अब सात राज्य हो गए हैं। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड के अपने मूल राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार से अलग होने के बावजूद जितनी तेज तरक्की की उम्मीद की जा रही थी, वैसी नजर नहीं आ रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश इनमें से अलग राह पर चलता दिख रहा है। निश्चित तौर पर इसके लिए योगी आदित्यनाथ की कड़क और कुशल शासन व्यवस्था को श्रेय दिया जा सकता है। किसी भी राज्य में कारोबार और उद्योग कब पनपता है, जब वहां की कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त होती है, वहां बुनियादी ढांचा मसलन सड़क, बिजली और पानी की सहूलियत होती है। इसके साथ ही मेडिकल यानी चिकित्सा सुविधा भी बेहतर होनी चाहिए। कुछ साल पहले तक उत्तर प्रदेश में बिजली छोड़ सारे संसाधन थे, लेकिन कानून-व्यवस्था बेहद लचर थी। अराजक व्यक्तियों और समूहों के इशारे पर ही जैसे राज्य की कानून-व्यवस्था चलती थी। राजनीति एक तरह से उनकी पिछलग्गू थी। बिजली राज्य की राजधानी लखनऊ और कुछ-एक वीआईपी माने जाने वाले शहरों में ही होती थी। बाकी समूचा राज्य बिजली की आंख-मिचौनी देखता था। सरकारी दफ्तरों में बाबुओं की मनमानी चलती थी। लेकिन साल 2017 में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले कानून-व्यवस्था की हालत की तरफ ध्यान दिया। ऐसा नहीं कि योगी के प्रयासों से कानून- व्यवस्था के मामले में उत्तर प्रदेश स्वर्ग बन गया है। लेकिन यह भी सच है कि कानून का भय अब अराजक समूहों में आया है। सड़कें दुरुस्त हुई हैं। हालांकि छोटे इलाकों और गांवों को जोड़ने वाली सड़कों पर अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बिजली की हालत भी ठीक हुई है। अब समूचे प्रदेश में बिजली है। इसका असर जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। अब शेयर बाजार में उत्तर प्रदेश के निवेशक छा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में डीमैट अकाउंट का आंकड़ा करीब 12 करोड़ हो चुका है। 23 करोड़ की जनसंख्या वाले राज्य में 12 करोड़ खातों के जरिए शेयर बाजारों में दस्तक देना मामूली बदलाव नहीं है। बीते अप्रैल तक के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश में इक्विटी ट्रेंड की वजह से 1.26 लाख नए निवेश जुड़े हैं।

नए बने गठबंधन में क्या जुड़ा और क्या घटा ?

अजय सेतिया

2004 में अधिकांश राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि एनडीए चुनाव जीतेगा। सर्वेक्षणों ने ही नहीं, बल्कि सभी एक्जिट पोल ने भी एनडीए को 250 से ज्यादा सीटें दिखाई थीं। अटल बिहारी वाजपेयी के सामने कोई चेहरा नहीं था। चुनावों से पहले के कुछ महीनों में अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा था। उदारीकरण की नीतियाँ ट्रेक पर आ गई थीं। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया था, जो दुनिया में 7वां सबसे बड़ा और भारत के लिए एक रिकॉर्ड था। फील गुड फैक्टर और इंडिया शाइनिंग का प्रचार था।

लेकिन एग्जिट पोल्स की 250 सीटों के मुकाबले एनडीए 181 पर अटक गया था। भाजपा 182 से घट कर 138 पर आ गई, और कांग्रेस 114 से बढ़ कर 145 हो गई। इसकी वजह यह थी कि डीएमके, टीडीपी, लोजपा और रालोसपा एनडीए छोड़ गई थी। ये सब कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ रहे थे, इसके बावजूद कांग्रेस के सहयोगी सिर्फ 73 सीटें जीत सके थे, जिनमें सबसे ज्यादा आरजेडी की 24 और डीएमके की 16 और एनसीपी की 9 सीटें थीं। इसलिए न एनडीए को बहुमत मिला था, न कांग्रेस गठबंधन को। चुनाव के बाद यूपीए बना, जिसमें कांग्रेस के पुराने सहयोगियों के अलावा पीडीपी, टीआरएस, एआईएमआईएम, तृणमूल कांग्रेस, झारखंड विकास मोर्चा, केरल का जनता दल डेमोक्रेटिक, एमडीएमके, टीआरएस, पीएमके और बसपा शामिल हुए। लेकिन इन सब की संख्या भी कुल मिला कर 218 ही हुई थी, तब वामपंथी दलों के 59 सांसदों और समाजवादी पार्टी के 36 सांसदों के बाहरी समर्थन से यूपीए की सरकार बनी थी। क्या 2024 में एनडीए के मुकाबले नया विपक्षी गठबंधन बनने से 2004 वाली स्थिति पैदा हो सकती है? जैसे वाजपेयी के शासनकाल में देश ने इन्फ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन जैसे इन उपलब्धियों के बूते वाजपेयी 2004 में नहीं जीत पाए थे, वैसे इन उपलब्धियों के बूते मोदी 2024 में नहीं जीत पाएंगे। कहा जा रहा है कि इंडिया नाम से जो नया गठबंधन बना है, उससे ज्यादा नहीं तो 2004 वाले नतीजे तो आ ही जाएंगे। लेकिन यह याद रखना चाहिए कि नए गठबंधन में शामिल

हुए दलों ने ही 2004 से 2014 तक कांग्रेस को समर्थन देकर सरकार बनवाई थी, और इन्हीं सब दलों को 2014 और 2019 में देश ने ठुकराया था। विपक्षी दल इस बात से बहुत खुश हैं कि कुछ वोट उन्हें इंडिया नाम से ही मिल जाएंगे। लेकिन इंडिया के घटक दलों से वे लोग ज्यादा खुश हैं, जो 2014 में मान ही नहीं रहे थे कि एनडीए स्पष्ट बहुमत लेकर आएगा। जो लीग जमीनी हकीकत को दरकिनार करके पक्षपाती होकर विश्लेषण करते हैं, वे बार बार गलत साबित हो जाते हैं7 ऐसा नहीं है कि नया विपक्षी गठबंधन भाजपा का कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा, लेकिन वे लोग जो 2024 की तुलना 2004 से कर रहे हैं, वे जमीनी हकीकत से बहुत दूर हैं। तब भाजपा ने कभी 200 का आंकड़ा पार नहीं किया था, जबकि अब भाजपा 300 का आंकड़ा पार कर चुकी है। इनमें से 224 सीटों पर भाजपा ने 51 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल किया था, जो यह साबित करता हैं विरोधी दल मिल कर भी 224 सीटों पर भाजपा से पीछे हैं। इंडिया नाम का विपक्षी गठबंधन मोदी को चुनौती जरुर देगा, लेकिन वह चुनौती 2004 जैसी नहीं हो सकती। हालांकि इस नए गठबंधन में वही सभी दल हैं, जिन्होंने 2004 में यूपीए की सरकार बनवाई थी, लेकिन इस बीच गंगा में बहुत पानी बह चुका है। 18 जुलाई को जब यूपीए भंग हुआ, तब उसमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना समेत 19 राजनीतिक दल और लोकसभा में 108 सांसद थे। 18 जुलाई को बने इंडिया नाम के गठबंधन में यूपीए के 19 दलों के अलावा समाजवादी पार्टी, आरएलडी, दो कम्युनिस्ट पार्टियां, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और जेडीयू शामिल हुई हैं। इन सभी दलों के लोकसभा में 43 सदस्य हैं। 2004 के बाद यूपीए में रही बहुजन समाज पार्टी, टीआरएस, एआईएमआईएम और जेडीएस नए बने इंडिया गठबंधन में शामिल नहीं हैं। अब सवाल यह है कि जो सात नए दल नए यूपीए में शामिल हुए हैं, उनकी अपने अपने राज्यों में क्या स्थिति है। कम्युनिस्ट पार्टिया बंगाल और त्रिपुरा में खत्म हो चुकी हैं, केरल में भी पिछली बार सिर्फ एक लोकसभा सीट जीती थी, बाकी सारे देश में भी उसका प्रभाव खत्म हो चुका है। तृणमूल कांग्रेस का जरुर पश्चिम बंगाल में पलड़ा भारी है, पिछली बार वह कांग्रेस, कम्युनिस्टों और भाजपा को हरा कर 42 में से 22 सीटें जीती थी, जबकि भाजपा 18 सीटें जीती थी, कांग्रेस 2 सीटें जीती थी। बंगाल में अगर तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस मिल कर लड़ते हैं तो जरुर भाजपा के साथ कड़ा मुकाबला होगा और इंडिया गठबंधन की दो-चार सीटें बढ़ भी सकती हैं, लेकिन ममता कम्युनिस्टों को समझौते में कोई सीट नहीं छोड़ने वाली। चौथी पार्टी है समाजवादी पार्टी, जो बसपा से गठबंधन के बावजूद पिछली बार 5 लोकसभा सीटें जीत पाई थी। बसपा से गठबंधन टूटने के बाद अखिलेश यादव ने जब विधानसभा सीट जीतकर अपनी लोकसभा सीट खाली की तो उपचुनाव में अपनी खुद की लोकसभा सीट नहीं बचा पाए। आजम खान के इस्तीफा देने से खाली हुई मुस्लिम बहुल रामपुर सीट भी उपचुनाव में नहीं बचा पाए। सपा की सहयोगी आरएलडी के पल्ले कुछ भी नहीं है, उसके अध्यक्ष जयंत चौधरी बसपा, सपा का समर्थन होने के बावजूद खुद ही चुनाव हार गए थे। जाटों के किसान आन्दोलन के बावजूद आरएलडी विधानसभा की 33 सीटें लड़ कर सिर्फ आठ जीत पाई थी। इस बीच ओम प्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी का साथ छोड़कर एनडीए में जा चुके है, जिससे अखिलेश यादव 2019 और 2022 से काफी कमजोर हुए हैं7 अब बची जेडीयू और आम आदमी पार्टी। जेडीयू पिछली बार भाजपा के साथ गठबंधन करके 16 सीटें जीती थी, 2014 में उसका भाजपा से गठबंधन नहीं था, तो वह बिहार में साफ़ हो गई थी। विधानसभा चुनावों में भाजपा के साथ गठबंधन के बावजूद उसकी सीटें घट गई। अभी हाल ही के दो महीनों में उपेन्द्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी जेडीयू का साथ छोड़कर एनडीए में चले गए हैं। राजद और जेडीयू के गठबंधन के चलते मुकाबला कड़ा जरुर हो जाएगा, लेकिन बिहार में भी भाजपा का पलड़ा हर हाल में भारी है, क्योंकि 2014 के उसके गठबंधन के साथी एनडीए में लौट आए हैं।

मोदी को टक्कर दे पाएगा इंडिया गठबंधन, आज हुए चुनाव तो किसको मिलेंगी किनती सीटें?

अंकित सिंह

इंडिया टुडे-सीवोटर के सर्वे के अनुसार विपक्षी गठबंधन इंडिया भारतीय जनता पार्टी को हराने में सक्षम नहीं दिख रहा। सर्वेक्षण से पता चला कि 54 प्रतिशत लोगों का मानना है कि इंडिया ब्लॉक भाजपा को हरा नहीं पाएगा, जबकि सिर्फ 33 प्रतिशत को ऐसा होने की उम्मीद है। गठबंधन का नया नाम इंडिया एक महीने पहले बेंगलुरु में एक भव्य बैठक में सामने आया था, जहां एकजुट विपक्ष ने अगले साल लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से मुकाबला करने की अपनी योजना की घोषणा की थी। यह पूछे जाने पर कि क्या नाम बदलने से इंडिया गठबंधन को वोट मिलेंगे, 39 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सकारात्मक जवाब दिया जबकि 30 प्रतिशत ने असहमति जताई। वहीं, अन्य 18 प्रतिशत ने कहा कि नया नाम इंडिया न तो वोट दिलाएगा और न ही यह कोई आकर्षक नाम है।

इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कौन करें?

जब पूछा गया कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त कौन है, तो 24 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके दिल्ली समकक्ष अरविंद केजरीवाल 15 प्रतिशत पर बराबरी पर रहे। वहीं, सर्वे में 34 प्रतिशत लोगों ने विपक्षी नेता के रूप में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रदर्शन को उत्कृष्ट माना है। जबकि 18 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विपक्षी नेता के रूप में उनका प्रदर्शन अच्छा, 15 प्रतिशत ने औसत और 27 प्रतिशत ने खराब पाया। सर्वे में 44 फीसदी लोगों ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल गांधी की छवि में सुधार आया है। 33 फीसदी का मानना है कि राहुल की छवि में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

किसको कितनी सीटें

इस पोल में पाया गया कि यदि आज संसदीय चुनाव होते हैं, तो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 306 सीटों के आरामदायक बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखेगा। सर्वेक्षण से पता चला कि एनडीए 272 के जादुई आंकड़े को पार कर जाएगा जो किसी राजनीतिक दल या गठबंधन को सरकार बनाने के लिए चाहिए। पोल के अनुसार, एनडीए 306 सीटें जीतेगा, जबकि विपक्ष के इंडिया गठबंधन को 193 सीटें हासिल करने का अनुमान है, जबकि अन्य राजनीतिक दलों को 44 सीटें मिलेंगी। जहां तक ??वोट शेयर का सवाल है, अगर आज चुनाव हुए तो एनडीए को 43 फीसदी वोट मिलेंगे, जबकि भारत को 41 फीसदी वोट हासिल होंगे। वोट शेयर के

अनुसार भले ही 2 प्रतिशत का ही इसमें अंदर दिख रहा है लेकिन सीटों में भारी अंतर है। इसका कारण यह है कि सर्वे को केरल में एलडीएफ और यूडीएफ को एक साथ करके किया गया है। बंगाल में वाम मोर्चे और ममता बनर्जी तथा कांग्रेस को एक साथ करके किया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 287 संसदीय सीटें जीतने का अनुमान है, जो सामान्य बहुमत 272 के लिए आवश्यक 272 सीटों से 15 अधिक है। कांग्रेस को 74 सीटें जीतने का अनुमान है।

मोदी की लोकप्रियता बरकरार

इंडिया टुडे-सीवोटर मूड ऑफ द नेशन सर्वे से पता चला है कि लोकसभा चुनाव होने में एक साल से भी कम समय बचा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बरकरार है। सर्वेक्षण में पाया गया कि कम से कम 52 प्रतिशत लोगों ने कहा कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के लिए सबसे उपयुक्त हैं, जबकि केवल 16 प्रतिशत लोगों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को शीर्ष पद के लिए चुना। बाकी देश भर के कई नेताओं में बंटे हुए थे। सर्वेक्षण से पता चला कि 63 प्रतिशत उत्तरदाता प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। 13 प्रतिशत लोगों ने पीएम मोदी के प्रदर्शन को औसत पाया, और 22 प्रतिशत ने इसे खराब बताया।

मोदी का विकल्प कौन?

इस सर्वेक्षण में यह भी पूछा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी के तौर पर आप किसे देखते हैं, 29 प्रतिशत लोगों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिया जबकि योगी आदित्यनाथ का 26 प्रतिशत लोगों ने नाम लिया है। नितिन गडकरी के साथ 15 प्रतिशत लोग हैं जबकि 70 प्रतिशत लोगों ने कहा कि इनमें से कोई नहीं।

26 विपक्षी दलों ने 2024 चुनाव को लेकर एक मंच पर आने का फैसला किया। उन्होंने अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखा। दावा किया जा रहा है कि हम सब मिलकर भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए को हरा देंगे। लेकिन इस सर्वे से चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। इस सर्वे के अनुसार हम यह जरूर कह सकते हैं कि अगला चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष में कौन और उनके खिलाफ कौन के बीच में होने वाला है। दोनों ओर से जनता के बीच वादे और इरादों को रखा जा रहा है। देखना दिलचस्प होगा कि चुनावी लड़ाई किस करवट जाकर बैठती है। यही तो प्रजातंत्र है।

अर्थशास्त्र हर क्षेत्र की जरूरत

किसी भी देश की मजबूती का आकलन उसकी अर्थव्यवस्था से किया जाता है। अर्थव्यवस्था तभी मजबूत हो पाती है, जब उस देश की आर्थिक नीतियां व कार्यशैली सुचारू ढंग से संचालित हो रही हों। इसमें जरा सा असंतुलन होने पर अर्थव्यवस्था पटरी से उतरने लगती है और देश को महंगाई व कर्ज लेने आदि का दंश झेलना पड़ता है। भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि आर्थिक उदारीकरण के बाद देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलाव नजर आने लगा। देश में उद्योग-धंधों को भी विकास का नया आयाम मिल गया। साथ ही यहां की अर्थव्यवस्था भी पहले की अपेक्षा सुदृढ़ होती गई। इसका सारा श्रेय यहां के अर्थशास्त्रियों को जाता है। इन अर्थशास्त्रियों ने विदेश के मुताबिक यहां की अर्थव्यवस्था को न सिर्फ गति प्रदान की, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक पहचान भी दिलाई। यही कारण है कि यहां पर इकोनॉमिक्स एक आकर्षक करियर क्षेत्र के रूप में युवाओं को लुभा रहा है।

कौन हैं इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट अपनी रिसर्च एवं एकत्र किए डाटा के आधार पर देश के संदर्भ में नीतियां तैयार करता है और उसे लागू करने के उपाय भी बताता है। उसका यह कार्य रिपोर्ट, स्टैटिस्टिकल चार्ट, कम्प्यूटर व रिसर्च टीम की सहायता से होता है।

योग्यता जो दिलाए प्रवेश

इकोनॉमिक्स की फील्ड में जो भी प्रचलित कोर्स हैं, उनमें दाखिला ग्रेजुएशन के बाद ही मिलता है। इसके अलावा ग्रेजुएशन लेवल पर भी इकोनॉमिक्स एक सब्जेक्ट के रूप में पढ़ाया जाता है, जबकि इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन के बाद हायर लेवल के कोर्स में प्रवेश मिलता है। यदि छात्र ने सफलतापूर्वक पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कर लिया है तो वह एमफिल/पीएचडी करने के लिए योग्य हो सकता है। कुछ डिप्लोमा लेवल के कोर्स भी मौजूद हैं, जिन्हें ग्रेजुएशन के बाद ही किया जा सकता है।

कराए जाने वाले कोर्स

इकोनॉमिक्स के क्षेत्र में वैसे तो कराए जाने वाले कई कोर्स मौजूद हैं, लेकिन सबसे अधिक प्रचलन पोस्ट ग्रेजुएट लेवल के कोर्स का है। इसके कई अलग-अलग क्षेत्र भी मौजूद हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय सहित कई ऐसे संस्थान हैं, जो ग्रेजुएट लेवल पर इकोनॉमिक्स की पढ़ाई कराते हैं। जो छात्र हायर लेवल पर पढ़ने के इच्छुक हैं, वे एन्वायर्नमेंटल इकोनॉमिक्स, डेमोग्राफी, बिजनेस इकोनॉमिक्स, इंश्योरेंस एंड एक्चुरिअल साइंस, रिस्क मैनेजमेंट, फाइनेंस व बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट, इंटरनेशनल मार्केटिंग तथा ग्लोबल बिजनेस ऑपरेशन आदि में जा सकते हैं। कुछ अन्य कोर्स निम्न हैं-

- बीए (इकोनॉमिक्स/बिजनेस इको./डेवलपमेंट इको.)
- बीए/बीएससी (ऑनर्स) इकोनॉमिक्स
- एमए इन इकोनॉमिक्स/अप्लाइड इको./बिजनेस इको./इंडियन इको.
- एमएससी इन अप्लाइड इको./मैथमेटिकल इको.
- एमफिल/पीएचडी इन इकोनॉमिक्स/बिजनेस इको./अप्लाइड इको.
- एमबीई (मास्टर ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स)
- एमएफसी (मास्टर ऑफ फाइनेंस एंड कंट्रोल)
- एमबीए बिजनेस इकोनॉमिक्स
- पीजी डिप्लोमा इन इको./अप्लाइड इको./
- ग्लोबल बिजनेस।

कहां-कहां हैं अवसर

इकोनॉमिक्स में सफलतापूर्वक अंडरग्रेजुएट डिग्री हासिल करने पर प्रोफेशनल्स या तो इकोनॉमिक जर्नलिज्म की ओर रुख करते हैं या इकोनॉमिक-फाइनेंशियल रिसर्च, बैंकिंग एवं फाइनेंस, सेल्स एवं मार्केटिंग आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे चाहें तो कई प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे सिविल सर्विस, इकोनॉमिक एवं स्टैटिस्टिकल सर्विस आदि में भाग्य आजमा सकते हैं। इस समय सबसे अधिक डिमांड इकोनॉमिक एनालिस्ट, रिसर्चर एवं कंसल्टेंट आदि की है, लेकिन इस स्तर पर चुनौतियां भी खूब हैं। ग्रेजुएट इकोनॉमिस्ट बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस, स्टॉक मार्केट, सेल्स एंड मार्केटिंग सहित कई सरकारी विभागों, इनवेस्टमेंट फर्म एवं कंसल्टेंट फर्म में एंट्री लेवल जॉब पा सकते हैं। इंडियन इकोनॉमिक सर्विस एवं रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सरकारी विभागों में नौकरी करने का सपना पाले प्रोफेशनल्स की राह और आसान कर दी है। यदि वे लीक से थोडम अलग हट कर कुछ करना चाहते हैं तो उनके लिए जर्नलिज्म व लॉ इंडस्ट्री बेहतर साबित हो सकती है। कई ऐसे एनजीओ व एक्सपोर्ट/इम्पोर्ट ऑफिस हैं, जो इकोनॉमिक बैकग्राउंड वाले छात्रों को अपने यहां जॉब देते हैं। किसी कॉलेज या यूनिवर्सिटी में टीचिंग में भी करियर बनाया जा सकता है।

आकर्षक सेलरी पैकेज

आजकल सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों जगह अर्थशास्त्रियों की मांग बड़े पैमाने पर है। इसके चलते काम के साथ-साथ सेलरी पैकेज भी बेहद आकर्षक रूप अख्तियार करता जा रहा है। आमतौर पर सरकारी सेवा में कार्यरत अर्थशास्त्री को प्रतिमाह 20-25 हजार रुपए मिलते हैं। एक दो साल के अनुभव के पश्चात यही सेलरी 30-35 हजार रुपए प्रतिमाह तक पहुंच जाती है, जबकि प्राइवेट कंपनियों में सेलरी की रूपरेखा काफी कुछ संस्थान एवं कार्य के स्वरूप पर निर्भर करती है। इसके अलावा किसी कॉलेज/यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स टीचर को 40-45 हजार रुपए प्रतिमाह की आमदनी होती है। आज कई ऐसे अर्थशास्त्री हैं, जिनका सालाना वेतन पैकेज लाखों में है। जो लोग फ्रीलांसिंग कर रहे हैं या जिन्होंने अपनी खुद की फर्म स्थापित की है तो आमदनी की कोई निश्चित सीमा नहीं है।

प्रमुख संस्थान

इसमें संबंधित कोर्स कराने वाले प्रमुख संस्थान निम्न हैं-
दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली
वेबसाइट- www.econdse.org
जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू), नई दिल्ली
वेबसाइट- www.jnu.ac.in
बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी (बीएचयू), वाराणसी
वेबसाइट- www.bhu.ac.in
प्रेसिडेंसी कॉलेज, कोलकाता
वेबसाइट- www.presiuniv.ac.in
सेंट स्टीफन्स कॉलेज, नई दिल्ली
वेबसाइट- www.ststephens.edu
यूनिवर्सिटी ऑफ बाम्बे, मुंबई
वेबसाइट- www.mu.ac.in
इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीटयूट, कोलकाता
वेबसाइट- www.isical.ac.in
श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, नई दिल्ली
वेबसाइट- www.srcc.edu
सिम्बायोसिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, पुणे
वेबसाइट- www.sse.ac.in

[भविष्यफल]

मेष

आज दिन भर व्यस्तता बनी रहेगी। अब तक जो भी निवेश किए हैं उनमें आशातीत लाभ भी होगा। आप कुछ ऐसे भी कार्य करेंगे, जिससे आपकी रचनात्मकता सामने आएगी। किसी विशेष की तैयारी में भी समय व्यतीत होगा। जीवनसाथी के साथ मधुर सम्बंध बनेंगे।

वृष

अगर आप व्यवसाय संबंधी कुछ परिवर्तन करने की योजना बना रहे हैं या स्टाफ, नौकरी आदि में परिवर्तन की सोच रहे हैं तो यह बिल्कुल सही समय है। परंतु अपरिचित लोगों से व्यवहार करते समय कुछ सावधान रहना आवश्यक है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सुधार होगा।

मिथुन

समय बहुत ही उचित है। कड़ी मेहनत व कठोर परिश्रम से एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल करने में सक्षम रहेंगे। कहीं समारोह में भी शामिल होने का अवसर मिलेगा। संपत्ति संबंधी कार्यों को करने के लिए आज का दिन बहुत ही शुभ है। बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा। सेहत बनी रहेगी।

कर्क

कार्यक्षेत्र में आज कामकाज का अतिरिक्त दबाव रहेगा तथा कुछ रुकावटें भी आएंगी। लेकिन आप अपनी बुद्धि व योग्यता के बल पर समस्याओं का हल निकालने में सक्षम भी रहेंगे। पार्टनर या किसी सहकर्मी से छोटी सी बात पर मतभेद की स्थिति बन सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

सिंह

गुरुजन तथा बड़े बुजुर्गों का स्नेह एवं आशीर्वाद प्राप्त होगा। पिछले कुछ समय से आपने जो मेहनत की है, वह रंग लाएगी। अध्यात्म तथा नैतिकता से जुड़े मामलों पर आपका विशेष ध्यान रहेगा। शादी-विवाह से संबंधित कार्यों में भी व्यस्तता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कन्या

युवाओं को जॉब में कैरियर संबंधी समाचार मिलेगा। किसी बड़े अधिकारी या राजनीतिज्ञ से मुलाकात आपके कई काम आसान हो जाएंगे। परंतु कई मामलों में आपका स्वाभिमान ही आपकी उन्नति में बाधक भी बन सकता है। नौकरी में बॉस व अधिकारियों के साथ संबंधों में गिरावट ना आने दें।

तुला

कुछ परेशानियां तो सामने आएंगी परंतु आप मेहनत व परिश्रम से सभी प्रकार की नकारात्मक परिस्थितियों को सकारात्मकता में परिवर्तित कर लेंगे। भविष्य संबंधी भी कुछ योजनाएं बनेंगी। कुछ ज्ञानवर्धक साहित्य पढ़ने में भी समय व्यतीत होगा। सेहत में सुधार होगा।

वृश्चिक

व्यापार में आज कुछ मुश्किल और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। दोपहर बाद परिस्थितियां कुछ अनुकूल हो जाएंगी। धन प्राप्ति के स्रोत प्रबल होंगे परंतु कैश हाथ में रखने की बजाय कहीं इन्वेस्ट करेंगे तो उचित रहेगा। बॉस के साथ सम्बनध मधुर रखें। सेहत सामान्य रहेगी।

धनु

आज धार्मिक क्रियाकलापों में व्यस्तता रहेगी। किसी धार्मिक यात्रा का भी योग बन रहा है। भाइयों के साथ संबंध सौहार्दपूर्ण रहेंगे। पुराने तनाव से मुक्ति मिलेगी। बच्चों का उनके सुख-सुविधाओं संबंधी वस्तुओं के लिए शॉपिंग का भी मूड बन सकता है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

मकर

कारोबारी हालात सुधरेंगे। व्यापार में विस्तार संबंधी जो योजना बनाई हैं, उनमें छोटी-मोटी परेशानियां आएंगी परंतु आप पूर्ण करने में सफल रहेंगे। अफसरों के साथ आपके रिश्तों में सुधार आएगा। सहकर्मी व सहयोगियों के साथ आपका सहयोगात्मक रवैया रहेगा। सेहत सामान्य रहेगी।

कुंभ

सरकारी कार्यों को पूरा करने के लिए दिन उत्तम है। विरोधियों की योजनाओं को ध्वस्त कर अच्छे परिणाम व प्रशंसा भी हासिल करेंगे। लोग आपसे स्वयं के निजी मामलों में सलाह-मशविरा भी लेंगे। कुल मिलाकर समय पूर्णत: आपके पक्ष में हैं। इसका बेहतरीन सदुपयोग करें।

मीन

व्यवसाय में कुछ ठोस और खास फैसले लेने की जरूरत है। महत्वपूर्ण लोगों के संपर्क से आपके कार्य बनेंगे। नौकरी में पदोन्नति की पूरी-पूरी संभावनाएं हैं। ऑफिस में माहौल और परिस्थितियां आपके पक्ष में बनी हुई हैं। सामाजिक दायरा और मान सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य सही रहेगा।

ऑफिस के लिए अपनाएं 5 लुक्स

लाइट पिंक शेड का इस्तेमाल करके इसमें गर्लिश लुक दिया जाता है, जो ऑफिस में खूबसूरत नजर आता है। दाग-धब्बों रहित दिखनेके लिए चेहरे पर 'सूफले'(एक उत्पाद) का इस्तेमाल करें। प्रीटी सी फीलिंग को अपने चेहरे पर लाने के लिए पिंक आईशैडो लगाएं और आंखों के नीचे काजल लगाकर स्मज कर लें। पिंकी से लुक में थोड़ा सा कन्ट्रास्ट लाने के लिए ब्लू लाइनर लगाएं। खूबसूरत आंखों की तारीफ जब बार-बार होगी तो गाल पर खुद-ब-खुद लालिमा नजर आएगी। गुलाबी हुए इन गालों पर खूबसूरती की छटा बिखेरने के लिए पिंक ब्लशऑन लगाएं और होठों पर पिंक शेड की लिपस्टिक लगाकर इस प्रीटी पिंक लुक को संपूर्णता दें।

विंग्ड आईलाइनर, बोल्ड लिप्स

विंग्ड लाइनर की सबसे बड़ी खासियत है कि आप अपने लुक को अपनी मर्जी के मुताबिक लाइट या लाउड दिखा सकती हैं। इसके लिए आप विंग (लाइन) की जितनी लंबाई चाहती हैं, उतनी लंबी लाइन शीशे में देखकर बाहर की ओर और ऊपर की ओर खींच लें। इसके बाद अंदर के कोने से पतली लाइन लाते हुए सेंटर पर रुक जाएं। पीछे खींची गई विंग को सेंटर पर बनी लाइन से लाकर जोड़ दें और खाली जगह को भर दें। लोएर लैशिज पर ब्लैक आई-पेंसिल की बजाय वाइट पेंसिल का इस्तेमाल करें। वैसे तो विंग्ड लाइनर लगाने के बाद आपको ज्यादा मेकअप करने की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन आप चाहें तो लाइट आईशैडो लगा सकती हैं। चेहरे पर रोज टिंट जगाने के लिए ब्लशऑन जरूर लगाएं। बोल्ड लिप्स आपको काम करते वक्त आत्मविश्वास का एहसास देते हैं। ऐसे में आप लाल, कोरल और हॉट पिंक जैसे फैशनेबल शेड्स को अपनी लिपस्टिक के तौर पर चुन सकती हैं।

सॉफ्ट स्मोकी

यूं तो ये सभी कॉरपोरेट लुक्स हैं, जो ऑफिस के माहौल को ध्यान में रखकर बताएं गए हैं, लेकिन सॉफ्ट स्मोकी मेकअप अन्तरराष्ट्रीय कॉरपोरेट कल्चर में भी हिट है। इस लुक के लिए आंखों के ऊपर लाइट ब्राउन शेड को अच्छे से ब्लेंड करें और फिर लैशस के पास डार्क ब्राउन कलर को स्मज करके लगाएं। अपनी आंखों के आकार को बेहतर बनाने के लिए ब्लैक पाउडर को एंग्यूलर ब्रश की मदद से लैश लाइन पर लगाएं। आईब्रोज के नीचे वनीला शेड से हाईलाइट करें। पीच शेड के ब्लशऑन और ब्राउन लिप्स के साथ अपने लुक को सील करें।

ब्रॉन्ज टच

ब्रॉन्ज शेड के आईशैडो के साथ अपनी आंखों को ब्रॉन्ज टच दें। आंखों के बाहरी किनारे पर ब्राउन शेड से घेरा खींचने के बाद आंखों के नीचे काजल स्मज करके लगाएं। आकर्षक लुक के लिए लाइनर व मसकारा जरूर लगाएं। ऐसा करने से काम का समय लंबा होने के बावजूद आपकी आंखें ताजा नजर आएंगी। ब्लशऑन की बजाय गालों पर ब्राउन्जिंग करें। इससे आपका चेहरा पतला नजर आएगा। ब्रॉन्जिश शेड की लिपस्टिक लगाकर लिप्स को स्टनिंग लुक दें।

डयूई रेडिएंट

इस लुक में सब कुछ थोड़ा चमकदार नजर आएगा। परफेक्ट स्किन टोन के लिए हल्की शेड लगाएं। अपनी ड्रेस से मैचिंग लाइट शेड आंखों पर लगाएं और फिर उसके ऊपर हल्का सी वैसलीन लगाएं। होठों पर लिपस्टिक लगाएं और ऊपर से वैसलीन लगाकर उन्हें ग्लॉसी लुक दें। लाइनर की बजाय मसकारा की दो परत लगाएं और चीक बोंस अलग दिखाने के लिए उन पर वैसलीन लगाकर अच्छे से मिला लें।

■ **प्रीटी पिंक**

हायपर सेंसिटिव होते हैं वे इस तरह के तंग करने वाले व्यवहार का प्रतिरोध नहीं कर पाते हैं और मन ही मन घुटते रहते हैं और कई तरह की मानसिक बीमारियां पाल लेते हैं।

क्या आप परेशान हैं आफिस के माहौल से

आफिस में सहकर्मियों द्वारा परेशान करने के बहुत से तरीके होते हैं। यहां जो डर गया वो मर गया वाली बात ही लागू होती है। जो स्वभाव से नर्म, दब्बू और हायपर सेंसिटिव होते हैं वे इस तरह के तंग करने वाले व्यवहार का प्रतिरोध नहीं कर पाते हैं और मन ही मन घुटते रहते हैं और कई तरह की मानसिक बीमारियां पाल लेते हैं।

क्या हैं यह परेशान करने के तरिके

- हर समय आपके काम में नुक्स ही निकालना। भले ही आप मेहनत से कितना ही अच्छा ही काम क्यों न करें। पुरानी गलतियों की बात दोहरा कर आपको नीचा दिखाना।
- आपको काम करने का सलीका नहीं है कहकर आपको गाली देना।
- दूसरों के सामने आपसे इन्सल्ट वे में बोलना, आपको शाउट करना।
- मिटिंग, सेमिनार और टूर आदि पर जाने से रोकना।
- आपके आइडिया, कामेंट को दूसरों के सामने जरा भी अहमियत न देना।
- आपके खिलाफ कुटनीतिक चालें खेल आपको मौका ही न देना। जिससे आप बास से सहकर्मी की शिकायत कर सकें।

आप ही निशाने पर क्यों

- आपकी एक्सपर्ट कार्यप्रणाली को लेकर उनका असुरक्षित महसुस करना आपको लेकर उनमें कांप्लेक्स होना कि कहीं वह आपकी कार्य क्षमता के आगे गैर जरूरी न बन जाएं।
- आपके प्रफैक्शन से ईर्ष्या रखते हुए वे इसलिए आपको परेशान कर सकते हैं ताकि आपका ध्यान अपने काम से हठ जाए।
- कुछ लोग स्वभाव से ही नेगेटिव होते हैं इनका मांइड सैट ऐसा ही होता है। कुछ क्रोधी स्वभाव वाले भी होते हैं।

कैसे निपटें

- अपनी सोच पाजिटिव रखें। किसी की नेगिटिव बातों का अपने विपरित असर न होने दें।
- ज्यादा से ज्यादा दोस्त बनाएं। उनके साथ मिक्स अप होने का प्रयास करें। वे आपको मजबूत करेंगें।
- बदले की भावना मन में भुल कर भी न लाएं। यह समस्या का समाधान नहीं है बल्कि यह समस्या को और बढ़ाएगा। एक दुष्चक्र बन जाएगा जिससे आप निकल नहीं पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस के छह महासचिवों की छुट्टी, अब मलकीत व यशवंत का रहेगा दबदबा

रायपुर। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के करीबी रहे छह महासचिवों की बैज कार्यकारिणी से छुट्टी हो गई है। हालांकि यह बताया जा रहा है इनमें कुछ टिकट के लिए दावेदारी कर रहे थे,लेकिन टिकट की दावेदारी कर चुके कई लोगों के नाम कार्यकारिणी में शामिल हैं जैसे कन्हैया अग्रवाल,सुबोध हरितवाल व अन्य। पूर्व महासचिव अमरजीत चावला को हटाने के तमाम निर्देशों के बाद भी पद पर यथावत रखा गया था वहीं अर्जुन तिवारी भी कुछ मामलों को लेकर विवाद में घिरे थे। अरूण सिसोदिया को प्रभारी का दायित्व दिया तब स्वंय सैलजा ने निर्देश दिया था कि रवि घोष को प्रभारी बनाया जाए। इसके साथ ही रुक्मणी कर्मा, सुमित्रा घृतलहरे और रंजीत कोसरिया को बाहर किया गया है। कांग्रेस के उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो मलकीत सिंह गैंदू व यशवंत राव का नई कार्यकारिणी में दबदबा रहेगा। फिलहाल कार्यकारिणी गठित हुई प्रभार का बंटवारा नहीं हुआ है। वैसे सक्रिय व यूथ को ज्यादा महत्व दिया गया है।

परसा कोल खदान को बंद न करने की मांग लेकर पहुंचे 30 गांव के लोग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा स्थित परसा

ईस्ट कांता बासन कोयला खदान को संचालित रखने की मांग तेज होने लगी है। खदान के विरोध के बीच 30 से अधिक गांवों के ग्रामीण मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव से मिलने के लिए रायपुर पहुंचे। इस दौरान सीएम व डिप्टी सीएम से मांग की कि मत बंद होने दीजिए परसा कोल खदान नहीं तो 5000 युवा हो जाएंगे बेरोजगार, रुक जाएगा विकास का काम। लोगों में भविष्य की चिंता के साथ आक्रोश भी नजर आ रहा था।

राज्य में बांधों की सुरक्षा और रखरखाव के लिए 50 नए पद सृजित

रायपुर। जल संसाधन विभाग अंतर्गत राज्य बांध सुरक्षा संगठन हेतु 50 पदों के सृजन की अनुशंसा की गई है। इनमें मुख्य अभियंता के एक पद के साथ अधीक्षण अभियंता (नागरिक) और अधीक्षण अभियंता(विद्युत/यांत्रिक) के एक-एक पद शामिल हैं। राज्य बांध सुरक्षा संगठन बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 अंतर्गत बांध संबंधी आपदाओं के रोकथाम, बांधों की निगरानी, बांधों के निरीक्षण के साथ इनके संचालन व रखरखाव के लिए बनाये गये राज्य बांध सुरक्षा संगठन हेतु इन पदों को सृजित किया गया है। इस संबंध में पद सृजन समिति की बैठक 3 अगस्त को आयोजित हुई थी। अन्य सृजित पदों में कार्यपालन अभियंता (नागरिक) के 3, कार्यपालिक अभियंता (विद्युत/यांत्रिक) के 2, भूविज्ञानी (प्रतिनियुक्ति से) के 1, सहायक अभियंता (नागरिक) के 6, सहायक अभियंता (विद्युत/यांत्रिक) के 3, निज सहायक के एक, सहायक मानचित्रकार (नागरिक) के 6, सहायक मानचित्रकार (विद्युत/यांत्रिक) के 2, सहायक वर्ग 3 के 8, वाहन चालक के 8, भृत्य के 6 और फर्राश के एक पद शामिल हैं।

गुढियारी-रामनगर क्षेत्र में मकानों का विद्युतीकरण कर किया गया सुरक्षित

रायपुर। संसदीय सचिव एवं विधायक

विकास उपाध्याय द्वारा आमजनों के मांगों के अनुरूप विद्युत सुरक्षा को ध्यान में रखकर डेढ़ करोड़ से अधिक रूपये की लागत से विद्युतीकरण कार्य की स्वीकृति मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के माध्यम से कराई गई। जिसमें ठक्कर बापा वार्ड क्र.17, बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्र.18, स. वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्र.24 एवं संत रामदास वार्ड क्र.25 अंतर्गत 33 केवी विद्युत हाईटेंशन लाईन को हटाया गया.इस कार्य का लाभ गुढियारी क्षेत्र के हजारों परिवारों को निश्चित रूप से मिलेगा। उपाध्याय ने बताया कि दीक्षा नगर, गांधी नगर, प्रेम नगर, गुलाब नगर, अंबेडकर चौक, विद्या ज्योति स्कूल के पास, गैस गोदाम के पास, श्रीनगर, जनता कॉलोनी मस्जिद के पास इन सभी क्षेत्रों में घरों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन तारों को एक में कवर्ड कंडक्ट किया गया तथा नया सवेरा स्कूल, भरत नगर से झंडा चौक तक, गोपाल नगर गली नं.01 में महावीर ज्वेलर्स से बस्ती तक, गोपाल नगर गली नं.02 में मेन रोड गुलमोहर के सामने से बस्ती तक, गोपाल नगर गली नं.03 में चौहान स्टेशन से पिंटू पाल के घर तक, गोपाल नगर गली नं.04 में मीनाराम कपड़ा दुकान से महाराज किराना तक, गोकुल नगर गली नं.02 में हनुमान मंदिर से प्रेम किराना तक, शिव मंदिर से कबीर चौक तक एवं शिव मंदिर से रिया पेड़ तक लगभग 200 से अधिक घरों के ऊपर से 33केवी हाईटेंशन लाईन एवं लगभग 300 से अधिक रहवासी घरों के ऊपर से 11केवी हाईटेंशन लाईन को हटाकर आमजनों व उनके घरों को सुरक्षित किया गया।

आओ एक दीप जलाएं, मतदान की अलख जगाएं : चुनाव आयुक्त

सीईसी बूढ़ातालाब परिसर में मतदाता महोत्सव में हुए शामिल इपिक कार्ड का वितरण भी किया

रायपुर।मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार की अगुआई में भारत निर्वाचन आयोग का दल छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए की जा रही प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा के लिए आया हुआ है। आज मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने निर्वाचन आयुक्त श्री अनूप चन्द्र पांडेय और श्री अरुण गोयल के साथ बूढ़ा तालाब विवेकानंद सरोवर परिसर में आयोजित मतदाता महोत्सव में शिरकत की। उनके साथ निर्वाचन आयोग के आयुक्त श्री अनूप चन्द्र पांडेय और श्री अरुण गोयल तथा अन्य सदस्यों सहित राज्य की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुश्री रीना बाबा साहब कंगाले ने बूढ़ा तालाब में दीप दान कर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। सीईसी श्री कुमार और राज्य की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुश्री कंगाले ने अधिक से अधिक लोगों से दीप दान के साथ मतदान करने का संकल्प लेने की अपील की। महोत्सव में भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को मतदान का महत्व भी बताया। सुश्री रीना बाबा साहब कंगाले ने मतदाता महोत्सव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने राज्य चल रहे मतदान और निर्वाचन संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने भारत निर्वाचन आयोग का आभार प्रदर्शन किया और आश्वस्त किया कि आयोग द्वारा निर्धारित नियमों, प्रक्रियाओं और मापदण्डों के अनुसार ही राज्य में विधानसभा निर्वाचन सम्पन्न कराया जाएगा। सीईसी श्री कुमार ने महोत्सव में मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने का संदेश देने वाली फोटो

प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में राज्य में मतदान और मतदान प्रक्रिया से लोगों को अवगत कराने अब तक किए गए प्रयासों का प्रदर्शन किया गया है। राज्य में विशेषत: अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में मतदान सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपायों और निर्वाचन-दर-निर्वाचन आये सकारात्मक परिणामों का भी प्रदर्शन किया गया। श्री राजीव कुमार ने मतदाता महोत्सव के दौरान मतदान प्रतिशत बढ़ने और निर्वाचन प्रक्रिया के सहज- सरल तरीके से पूरे होने में राज्य की महिला मतदाताओं की सहभागिता प्रदर्शित करती हुई पुस्तक ''शक्ति'' का भी विमोचन किया। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अनुशंसित गीत ''मैं भारत हूं'' के छत्तीसगढ़ी अनुवाद का भी विमोचन किया। महोत्सव में नये युवा मतदाताओं, विशेष पिछड़ी जनजातियों के मतदाताओं को इपिक कार्ड का वितरण भी किया गया। मतदाता महोत्सव के दौरान राज्य के पांचों संभागों से चयनित पांच श्रेष्ठ बीएलओ का भी सम्मान किया गया। इन बूथ स्तरीय अधिकारियों ने मतदाता सूची पुनरीक्षण के काम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही मतदाता सूचियों में वर्तमान पतें पर नाम जोड़ने और पूर्व पते से नाम कटवाने का संदेश देने के लिए पांच नव विवाहित वधुओं को भी महोत्सव में सीईसी ने इपिक कार्ड प्रदान किए।

मलखम्ब से शरीर और मतदान से लोकतंत्र होता है मजबूत- कार्यक्रम में मतदान के लिए लोगों को प्रेरित करने, मतदान का महत्व बताने और आगामी निर्वाचन में शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक करने मलखम्ब प्रदर्शन भी किया गया। मलखम्ब देश का अद्भुत खेल है जिसके योग, कुश्ती और जिमनास्टिक का समन्वय है। इस खेल से जहां शरीर निरोगी और स्वस्थ्य होता है। वहीं मतदान से लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। भारत निर्वाचन आयोग ने सभी मतदाताओं से आगामी विधानसभा चुनाव में अपना मतदान अवश्य ही करने की अपील भी की। महोत्सव में मलखम्ब का प्रदर्शन अबूझमाड़ मलखम्ब अकादमी के खिलाड़ियों ने किया। थोड़े ही समय में मलखम्ब खेल ने छत्तीसगढ़ को बड़ी पहचान दिलाई है। मलखम्ब के खिलाड़ियों ने राज्य स्तर पर 90 पदक, राष्ट्रीय स्तर पर 45 पदक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 03 स्वर्ण पदक भी जीते है। इंडिया गॉड टैलेंट जैसे रियलिटी शो के जरिये भी अबूझमाड़ के इन खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया है। प्रदेश में स्वतंत्र निष्पक्ष तरीके से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए इन खिलाड़ियों का सहयोग स्वीप गतिविधियों में किया जा रहा है। मतदाता महोत्सव में खैरागढ़ के इंदिरा संगीत कला विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने निर्वाचन में मतदान के महत्व पर आधारित लघु नाटिका का भी मंचन किया और एक-एक वोट की अहमियत बताई। लघु नाटिका के माध्यम से भी लोगों को अनिवार्य रूप से मतदान के लिए प्रेरित किया गया।

मतदाता जागरूकता पर नाटक का मंचन

खैरागढ़ संगीत कला विश्वविद्यालय से आए छात्रों ने मतदाता जागरूकता पर नाटक का मंचन किया। उन्होंने न नशे से न नोट से/सरकार चलेगी वोट से, युवा हो तुम देश की शान/जागो उठो करो मतदान जैसे नारों के साथ नाटक का मंचन किया।मैं भारत हूँ भारत है मुझमें/ मैं ताकत हूँ ताकत है मुझमें, गीत का छत्तीसगढ़ी भाषा में अनुवाद का विमोचन भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार द्वारा किया गया। इस गीत में छत्तीसगढ़ के कला, निर्देशन, अभिनय और स्पोर्ट्स जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े लोगों का फिल्मांकन है। गीत में छत्तीसगढ़ की संस्कृति, सभ्यता और ऐतिहासिक विरासतों के फिल्मांकन के साथ मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया है।

लुंड्रा विस में 6 तहसीलों के साथ ननि के मतदाता चुनते हैं नेता

सरगुजा। लुंड्रा विधानसभा काफी अनोखा है। परिसीमन के बाद कई तहसीलों के गांव इस विधानसभा क्षेत्र में आ गए। तहसीलों की बात करें तो लुंड्रा, धौरपुर, लखनपुर, दरिमा, अम्बिकापुर ग्रामीण, अम्बिकापुर शहर के मतदान केंद्र लुंड्रा विधानसभा का हिस्सा हैं। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल को लुंड्रा विधानसभा के लिए जी तोड़ मेहनत करनी पड़ती है। राजनीतिक दल अपने ब्लॉक यूनिट्स की मदद से ही लुंड्रा विधानसभा में चुनाव का संचालन करते हैं। लुंड्रा विधानसभा के लिये 6 संगठन ब्लॉक को यहां काम करना पड़ता है। 5 तहसील और 1 नगर निगम होने के कारण शासकीय टीम भी इसी तरह चुनाव संपन्न कराती है।

लुंड्रा विधानसभा क्षेत्र में लुंड्रा ब्लॉक के 61 मतदान केंद्र और धौरपुर के 67 मतदान केंद्र आते हैं। लखनपुर के 53, अम्बिकापुर ग्रामीण के 35, दरिमा के 36 और नगर निगम अम्बिकापुर के 2 पोलिंग स्टेशन इस विधानसभा में आते हैं। चुनाव में बूथ मैनेजमेंट का जिम्मा ब्लॉक इकाइयों के पास होता है। प्रत्याशी तो अपनी विधानसभा की सीमा के अनुसार प्रचार और जनसम्पर्क कर लेते हैं। लेकिन बूथ मैनेजमेंट के लिए इस विधानसभा में 6 ब्लॉक इकाइयों को भिड़ना पड़ता है। जबकि सामान्य तौर पर किसी भी विधानसभा में अधिकतम 4 ब्लॉक इकाईयां ही होती है।

मतदाताओं पर नजर डालें तो अंबिकापुर ब्लॉक के 29 हजार 230 मतदाता लुंड्रा विधानसभा के लिये मतदान करते हैं। नगर निगम के दो पोलिंग स्टेशन के करीब 1803 मतदाता लुंड्रा विधानसभा में मतदान करते हैं। दरिमा के 28 हजार 753, लखनपुर के 42 हजार 834, धौरपुर के 45 हजार 597 और लुंड्रा के 40 हजार 300 मतदाता लुंड्रा विधानसभा में मतदान करते हैं। इस प्रकार लुंड्रा विधानसभा में कुल 1 लाख 88 हजार 717 मतदाता हैं। इसमें 94 हजार 163 पुरुष और 94 हजार 522 महिला मतदाता शामिल हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा लुंड्रा में परिसीमन के बाद ये स्थिति बनी है। इस विचित्र स्थिति के कारण लुंड्रा में अब वही प्रत्याशी चुनाव जीत सकता है। जिसका प्रभाव या संपर्क 5 तहसीलों सहित शहर में भी हो। लुंड्रा में शामिल इन क्षेत्रों में जातिगत विविधता भी है। पूरी विधानसभा जनजाति बाहुल्य है। लेकिन सीमावर्ती तहसीलों में सभी जाति वर्ग के लोगों की संख्या समानांतर है। इसलिए लुंड्रा में चुनाव जीतने के लिये यह जरूरी है कि प्रत्याशी की पकड़ पूरे जिले में अच्छी हो।

बीजेपी ने प्रबोध मिंज को बनाया है प्रत्याशी- फिलहाल लुंड्रा से कांग्रेस के डॉक्टर प्रीतम राम विधायक हैं। प्रीतम राम इससे पहले सामरी से विधायक रहे हैं। लुंड्रा इनका पैतृक निवास है। इनके छोटे भाई रामदेव राम भी लुंड्रा से विधायक रह चुके हैं। इस बार बीजेपी ने यहां से उरांव समाज के प्रबोध मिंज को प्रत्याशी बनाया है। प्रबोध मिंज अम्बिकापुर नगर निगम में 10 वर्ष तक मेयर रहे हैं। लुंड्रा के सीमावर्ती इलाकों में प्रबोध मिंज प्रचलित चेहरा हैं शायद इसी रणनीति के तहत बीजेपी ने उनको उम्मीदवार बनाया है।

संस्कृत सप्ताह सीएम के संदेश का होगा वाचन

रायपुर। श्रावण पूर्णिमा रक्षाबंधन के तीन दिनों पूर्व एवं तीन दिनों पश्चात चलने वाला संस्कृत सप्ताह 27 अगस्त से प्रारंभ हो रहा है। रक्षाबंधन के दिन संस्कृत सप्ताह मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम् द्वारा प्रदेश के विद्यालयों, संस्कृत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संस्कृत सप्ताह आयोजन के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रेषित कर दी गई है। संस्कृत सप्ताह के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के संदेश का वाचन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम् के अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार शर्मा 27 अगस्त को दीप प्रज्जवलित कर संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ करेंगे।

मेकाहारा में बनेगा 7 मंजिला 700 बिस्तर का अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल

- प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम
- अस्पताल में कार्यालयीन फर्नीचर एवं अन्य उपकरणों के लिए 56 करोड़ रुपए का प्रावधान

रायपुर। प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। राजधानी के नागरिकों को जल्द ही अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की सुविधा मिल सकेगी। स्वास्थ्यगत ढांचे को मजबूत बनाने एवं मल्टी स्पेशलिटी सुविधाएं नागरिकों को उपलब्ध कराने डा. भीमराव स्मृति चिकित्सालय में एकीकृत नवीन चिकित्सालय भवन के लिए 325 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। 700 बिस्तर वाले इस अस्पताल में बेसमेंट फ्लोर, लोवर ग्राउंड फ्लोर तथा भूतल के अलावा इस अस्पताल भवन में सात तल होंगे। इस एकीकृत नवीन चिकित्सालय भवन 70 हजार 896 वर्ग मीटर में होगा। भवन में फायर फाइटिंग सिस्टम, एचवीएसी सिस्टम, आईबीएमएस सिस्टम आदि का प्रावधान किया गया है। भवन में बेसमेंट फ्लोर 8828 वर्ग मीटर का, भूतल 7500 वर्ग मीटर का, प्रथम तल से पंचम तल तक 7274 वर्ग मीटर, षष्ठम तल मय आट्रियम रूफ स्ट्रक्चर 8728 वर्ग मीटर, सातवां तल 640.57 वर्ग मीटर का होगा। नींव को इस रूप में तैयार किया गया है कि भविष्य में सातवें फ्लोर और आठवें फ्लोर को जरूरत के दृष्टिकोण से विकसित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप एकीकृत नवीन चिकित्सालय भवन के बन जाने से स्वास्थ्य सुविधाओं का आधुनिक और दक्ष ढांचा राजधानी में मिल सकेगा। मरीजों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सभी बुनियादी सुविधाएं इस परिसर में उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अस्पताल के तैयार हो जाने से सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल की सभी सुविधाएं मरीजों को मिल सकेंगी।

कुनकुरी विधानसभा में धर्मांतरण का मुद्दा है हावी जानिए किनके हाथों में है नेता चुनने का पावर ?

जशपुर। कुनकुरी विधानसभा सीट राजनीतिक,सामाजिक और धार्मिक दृष्टिकोण से काफी अहम है। तपकरा और बगीचा विधानसभा सीट के विलुप्त होने के बाद कुनकुरी विधानसभा अस्तित्व में आई। इस विधानसभा में उरांव और कंवर मतदाताओं की बहुलता है। लेकिन,इनके बीच में ईसाई मतदाताओं के हाथों में चुनावी गणित में हेरफेर करने की शक्ति है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि साल 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के ईसाई वर्ग के प्रत्याशी यूडी मिंज ने बीजेपी के दो बार के विधायक भरत साय को 4293 मतों से हराया था। बीजेपी की इस पराजय में क्षेत्र के नगेशिया और रौतिया वोटर्स की महत्वपूर्ण भूमिका मानी गई थी।

मतदाताओं की स्थिति- जशपुर विधानसभा में मतदाताओं की कुल संख्या 1 लाख 93 हजार 902 है। इनमें से 96 हजार 154 पुरुष और 97 हजार 748 महिला मतदाता शामिल हैं।इस विधानसभा सीट में महिला और पुरुष मतदाताओं की संख्या लगभग बराबर है।

जातिगत समीकरण- कुनकुरी में ईसाई मतदाताओं की संख्या 37 हजार से अधिक हैं। वहीं कंवर मतदाता भी यहां पर 47 हजार हैं, इसके अलावा उरांव जाति के लोग 40 हजार के आसपास हैं। यही तीन जातियां इस विधानसभा में जीत और हार का समीकरण तय करती हैं।

मुद्दे और समस्याएं- कुनकुरी विधानसभा में धर्मांतरण सबसे संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा है। एशिया के सबसे बड़ा चर्च के प्रभाव वाले इस विधानसभा क्षेत्र में धर्मांतरण को लेकर आए दिन विवाद की स्थिति बनती है। इसके साथ ही बिरहोर जनजाति,बादलखोल अभ्यारण्य के पहुंचविहिन गांवों का विकास इस क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं में से एक है। सड़कों की स्थिति भी क्षेत्र में राजनीति के केन्द्र में रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण हो जाने से लोगों को राहत जरूर मिली है। लेकिन चिराईडांड दमेरा,कुनकुरी तपकरा और चराईडांड बगीचा सड़क की जर्जर स्थिति ने बीते पांच साल में मीडिया में जमकर सुर्खियां बटोरी हैं।

साल 2018 के चुनावी परिणाम - 2018 के विधानसभा चुनाव में कुनकुरी में कांग्रेस के प्रत्याशी यूडी मिंज ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजेपी के भरत साय को 4293 मतों से हराया था। इन चुनावों में यूडी मिंज को 69896 मत मिले थे।जबकि बीजेपी के भरत साय को 65603 मतों से संतोष करना पड़ा था। बीजेपी की इस करारी शिकस्त में बागी प्रत्याशी प्रदीप नारायण की अहम भूमिका मानी गई थी। प्रत्याशियों के बाद से सबसे अधिक 2129 वोट नोटा में गए थे।

सियासी समीकरण- इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में,पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले,राजनीतिक तस्वीर पूरी तरह से बदली हुई है। सत्तारूढ़ कांग्रेस ने साढ़े चार साल में अपनी जड़े मजबूत की है। विधायक यूडी मिंज जनसंपर्क में जुटे रहे।लेकिन,कांग्रेस का संगठन अब भी पूरी तरह से कमजोर है। वहीं भारतीय जनता पार्टी में चुनाव की बागडोर जूदेव परिवार के हाथ में होगी। बीजेपी धर्मांतरण के साथ केन्द्र सरकार की योजनाओं को लेकर चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में जुटी हुई है। वहीं कांग्रेस भूपेश बघेल सरकार की उपलब्धियों को अपने जीत का आधार मान रही है।

प्रवर्तन निदेशालय ने दो और केस में दर्ज की एफआईआर

- जलजीवन मिशन, चावल सप्लाई समेत 6 मामलों की होगी जांच

रायपुर। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस महीने छत्तीसगढ़ में दो नए मामलों में एफआईआर दर्ज की की है। जल जीवन मिशन और चावल सप्लाई में कथित गड़बड़ी में मामले दर्ज किए हैं। अब छत्तीसगढ़ में ईडी कुल 6 मामलों की जांच कर रही है। जिनमें कोल परिवहन, सट्टे में मनी लॉन्ड्रिंग, हवाला और आबकारी गड़बड़ी आदि शामिल हैं।

ईडी ने इस वर्ष डीएमएफ में कथित गड़बड़ी पर भी एफआईआर भी दर्ज की थी। पिछले साल 540 करोड़ के कोल परिवहन, सट्टेबाजी में हवाला और आबकारी में 2000 करोड़ की कथित गड़बड़ी का केस दर्ज किया था। अगस्त में ईडी ने नया केस दर्ज किया है, जो जल जीवन मिशन में गड़बड़ी से जुड़ा मामला है। कुल 6 केस में 4 केस में छापेमारी और जांच चल रही है। दो नए केस मामले की चांज प्रारंभिक चरण में है। सूत्रों के अनुसार ईडी इस सप्ताह जलजीवन मिशन और चावल सप्लाई की जांच भी भी शुरू कर देगी। आगामी समय में ईडी नए केस में छापेमारी और कार्रवाई और तेज करेगी। दूसरी ओर पिछले दिनों से ईडी सट्टेबाजी में मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला कनेक्शन की जांच कर रही है। इसमें चार लोगों की गिरफ्तारी हुई है। बुधवार को चारों के यहां छापा पड़ा था।

कोर्ट ने एएसआई समेत समेत 4 आरोपियों को 6 दिन के रिमांड पर भेजा है। ईडी के वकील सौरभ पांडे ने मीडिया से चर्चा में कहा कि महादेव ऐप जो है, एक बेटिंग एप है, जो लीगल एप नहीं है । महादेव एप में बैटिंग करवाकर बहुत सारा पैसा कमाया गया है। हवाला के थ्रू न सिर्फ इंडिया में बहुत अलग-अलग लोगों को ट्रांसफर किया गया है बल्कि विदेश में भी इसका ट्रांसफर हुआ है । उसे रिलेटेड एक फिर मोवा नगर थाना दुर्ग में रिपोर्टर दर्ज की गई थी। जिसके अंतर्गत मनी लांड्री प्रारंभ किया गया है। 2022 में उसका इंडिकेशन चल रहा था, तभी जो कुछ परिणाम है

मिले हैं वो प्रारंभिक है। उसके संबंध में पूछताछ के लिए लोगों को बुलाया गया है। कुछ लोगों के घर में सर्च किया गया । कुछ लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। इसके बाद आवश्यकात पड़ने पर कस्टडी में लेकर के उनसे और सर्च की जाएगी। इसके कारण हम लोगों ने चार लोगों को स्टडी में लिया है। उन्होंने कहा हमने 14 दिन की मांग की थी, लेकिन न्यायालय ने हमें तर्कों को दोनों पक्षों को सुनने के बाद 6 दिन की कस्टडी दी है। न्यायालय ने पाया है प्राइमर कैसे प्रमाण उपलब्ध हैं, जिसमें दोनों की उपलब्धता महादेव एप जो ऑनलाइन बेटिंग पोर्टल है , जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग करने का प्रथम दृष्टि साक्ष्य पाया गया है हमारा तर्क यह भी था कि इन लोगों से हमने रिजल्ट डिवाइसेज भी दी है। जिसका उत्तर हमको निकलना है। कंफर्मेशन करवाना है। इसके साथ और भी हम लोगों ने बुलाया है। इसमें और भी नाम सामने आए थे, उनको बुला करके पूछताछ चल रही है। उनके द्वारा दिए गए स्टेटमेंट से कंफर्म करवाना है कंफर्म पूछताछ करनी है। जिसकी हमें डिमांड की आवश्यकता थी। न्यायालय ने 6 दिन की डिमांड दी है। पेशी की डिमांड से 29 अगस्त को रखी गई है। ईडी के वकील सौरभ पांडे ने बताया कि वकील अनिल दम्मानी एवं निखिल दम्मनी दोनों भाई हैं। इनसे जो हमने पूछताछ की है और जो संकलन किया है और उनसे पूछताछ किया, इनका जो रोल है, वह हवाला के रूप पैसे को ट्रांसफर करने का है। जो हमने जो इसमें अरेस्ट किया है

सतीश चंद्राकर को सतीश चंद्राकर का जो बेसिक रोल है। वह ऑनलाइन गेमिंग एप महादेव अप वह अपना आईडी दे करके लोगों से उसमें पैसा इनवाइट करता था। उसके बाद उसको बैटिंग में लगता था। बैटिंग जैसे क्रिकेट का गेम, लूडो का सट्टा है। यह सब पॉजिटिविटी एजेंसी को को जोड़ने के लिए कहा किया गया था। यहां पर जो पैसे का संकलन होता था, वह प्रदर्शित न हो इसीलिए करता था। हालांकि उसमें पैसे का ट्रांजैक्शन शामिल है।

एएसआई चंद्रभूषण वर्मा को गिरफ्तार किया गया है। जो ऑनलाइन पेमेंट एप में कर्ताधर्ता थे।उन लोगों के साथ मिलकर के इसने पैसे का कलेक्शन किया। प्रोटेक्शन मनी कह रहे हैं। मतलब पैसा कलेक्ट करके आपके खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं होगी। इस पेज का हिस्सा कई सारे पुलिस कर्मियों को किया गया है। फिलहार, मामले की जांच चल रही है। सट्टेबाजी में हवाला केस में पुलिस की ओर से जेल भेजे गए एक कई सटोरियों को पूछताछ के लिए समन जारी किया गया है।

ये समन्दर है,भला इसको क्या कमी होगी....

चंद्रमा की सतह पर छोटे से रोबोट गाड़ी के पहिये पर इसरो और अशोक स्तंभ का स्टाम्प छपा है। लैंडर के चलने पर टायर के निशान की तरह ये दोनों लोगो छपते रहेंगे। चंद्रमा का अपना वायुमंडल नहीं,वहाँ हवा का कोई कॉनसेप्ट नहीं इसलिए ये निशान हज़ारों सालों तक रहेंगे। पृथ्वी से चंद्रमा का सिर्फ़ एक ही हिस्सा दिखाई देता है। पिछले हिस्से पर पहुँचना बेहद जटिल था। भारत

इस उपलब्धि में पहला स्थान रखेगा। चंद्रमा के दोनों हिस्से बहुत अलग हैं उनमें रासायनिक और भौतिक अंतर है जिस से चंद्रमा और भी अधिक रहस्यमयी हो जाता है। दूसरे हिस्से के अध्ययन से ग्रहों पृथ्वी के बनने और अंतरिक्ष के अध्ययन में महत्वपूर्ण सूचनाएँ मिलेंगी। इसके साथ ही अंतरिक्ष में क़ब्ज़े की होड़ और दबदबे को भी टक्कर मिलेगी। चंद्रमा तो चंद्रमा धरती पर अंटार्कटिका महाद्वीप पर भी जो पहले पहुँच रहा है उसने उतने हिस्से पर अपना दावा किया है। यही होड़ चंद्रमा पर भी लगी है। अशोक स्तंभ और इसरो के लोगो शायद हमारा कब्जा सत्यापित करता रहेगा। यह चंद्रमा पर भारत के पहुँचने का ऐतिहासिक कारण है। इस रेस में चीन और रुस दोनों के मिशन हाल ही में फेल हुए हैं। चन्द्रयान 1 चंद्रमा पर 2008 में पहुँचा था। लैण्डिंग के स्थान को जवाहर पॉइंट कहते हैं।

शरद-अजीत के बाद अब भूपेश-विजय की तकरार..

भारतीय जनता पार्टी राजनीति में परिवारवाद का जमकर विरोध करती है, पर परिवार में अलगाववाद की उनकी नीति क्या है.... आजकल भाजपा चाचा-भतीजे के रिश्तों को खत्म करने में लगी है...? महाराष्ट्र में तो एनसीपी के संस्थापक शरद पवार और उनके भतीजे

अजीत पवार पवार के बीच मनभेद और मतभेद पैदा करने में सफल रही... भतीजे को महाराष्ट्र का डिप्टी सीएम भी बना दिया वहीं अब छ्ग में चाचा भतीजे को फिर लड़ाने की तैयारी कर चुकी है। छ्ग के सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ उनके भतीजे लोकसभा सदस्य विजय बघेल को विधानसभा प्रत्याशी घोषित कर चुकी है...?एक तीर से दो शिकार... भतीजा विजय हारा तो लोकसभा की दावेदारी खत्म...यदि भतीजा जीतता है तो भूपेश की सीएम की दावेदारी खत्म....?वैसे भाजपा विपक्षी पार्टियों पर परिवारवाद का आरोप लगाती हैं,वे परिवारवाद की बात करते हैं,पीएम मोदी अथवा भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता 'वंशवाद' और 'परिवारवाद' की अलग-अलग परिभाषाएं देकर अपने 'परिवारवाद' को पेशेवर करार देते रहे हैं, लेकिन विजयराजे सिंधिया, राजनाथ सिंह,कल्याण सिंह,वेदप्रकाश गोयल, सीपीएन सिंह,जितेन्द्र प्रसाद,यशवंत सिन्हा,प्रेम कुमार धूमल,अमित शाह, मदनलाल खुराना, अखिलेश कुमार सिंह, साहिब सिंह वर्मा,डॉ रमन सिंह,लखीराम अग्रवाल आदि भाजपा और अन्य नेताओं की लंबी सूची है, जिनके पुत्र-पुत्री आज भाजपा के सांसद-विधायक हैं या रह चुके हैं। यह परिवारवाद नहीं है, तो क्या है?बेशक कांग्रेस और गांधी परिवार वाली स्थिति नहीं है। इन नेताओं का एकाधिकार या वर्चस्व नहीं है,लेकिन हकीकत यह है कि बच्चों को राजनीति में पांव जमाने का मौका पिता के जरिये ही मिला। यदि यह परिवारवाद नहीं होता, तो आम आदमी की तरह इन चेहरों को भी धक्के खाने पड़ते।यह ठीक है कि मुलायम सिंह यादव की पार्टी,लालू प्रसाद यादव की पार्टी,नवीन पटनायक की पार्टी,उद्धव ठाकरे की शिवसेना,शरद पवार की एनसीपी,ये सभी पार्टियाँ इसी परिवारवाद का उदाहरण हैं,हालांकि भाजपा की कई ऐसी सहयोगी पार्टियां है जो किसी एक परिवार या नेता पर ही केंद्रित हैं..चिराग पासवान,ओम प्रकाश राजभर, अनुप्रिया पटेल जैसे कई नेता इसके उदाहरण हैं ।

महादेव एप गेमिंग और अमेरिकी साफ्टवेयर ....

ऑन लाइन बैटिंग गेमिंग एप महादेव को लेकर अब ईडी भी सक्रिय हो गई है, हालांकि दुर्ग और रायपुर पुलिस पहले ही कुछ लोगों को पकड़ चुकी है.... एक

जूस की दुकान संचालक से अंतराष्ट्रीय बुकी बनने की दास्तां के पीछे स्थानीय पुलिस तथा राजनीतिक संरक्षण से इंकार नहीं किया जा सकता है?वैसे महादेव बुक का पूरा खाका अमरीका में तैयार हुआ। महादेव बुक एप की पूरी डिजाइन सौरभ के साथ ही भिलाई में रहने वाले रवि उप्पल के अमेरिका में बैठे रिश्तेदार ने तैयार की थी। जो कि साफ्टवेयर इंजीनियर बताया जाता है। वहीं से इस पूरे एप के सभी गेमों को एक तरह से कंट्रोल किया जाता है। सौरभ को जूस की दुकान करने के दौरान ऑन लाइन बैटिंग की लत लगी और बड़ी रकम हार गया लेकिन इसके बाद वह बड़े बुकी के सम्पर्क में आया और दुबई चला गया। वहां उसने ऑन लाइन गैमिंग के सट्टे कारोबार को समझा और दोस्त रवि उप्पल को भी दुबई बुलाया। जो कुछ आईटी एक्सपर्ट को लेकर वहां गया लेकिन पुलिस से बचने और नए नए फीचर ऑन लाइन गैमिंग में डालने के लिए रवि ने अमरीका में रहने वाले अपने रिश्तेदार का सहारा लिया और इस तरह महादेव बुक एप नाम से एक साफ्टवेयर तैयार कर मार्केट में ला दिया। शुरूआती दौर में भारत में कई बड़े गुर्गे उसके पकडे गए तो उसने पैसों के लेनदेन का आप्शन क्यूआर कोड और ई वैलेट में करना शुरू किया। जिसे ट्रैक करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। वहीं सौरभ चंद्राकर ने भी अपना नाम बदल कर दुबई में कारोबारी का चोला ओढ़ रखा है। इसमें उसके कई पार्टनर भी शामिल है। जहां एक तरफ सट्टा का कारोबार कर कई करोड़ रुपये का वारा न्यारा किया हुआ है। महादेव एप के तीन साल पूरा होने पर उसकी सक्सेस पार्टी भी दुबई के एक बड़े आलीशान होटल में लांच की थी। जिसमें दुबई के बड़े बड़े कारोबारी व महादेव बुक एप से जुड़े संचालक व पैनेलिस्ट शामिल हुए थे। वहीं बॉलीबुड के कई कलाकार, टीवी कलाकार व पंजाबी सिंगर भी अपनी अपनी प्रस्तुति देखे दिखाई दिए थे।वहीं सूत्रों के मुताबिक छत्तीसगढ़ पुलिस की लगातार महादेव बुक एप के नेटवर्क पर छापेमारी के चलते महादेव बुक एप के संचालक सौरभ चंद्राकर के अलावा रवि उप्पल, कमल चिलानी, कपिल चिलानी, रोहित तिर्की, राज गुप्ता, नितिश दीवान अपनी काली कमाई को दुबई से लेकर अमरीका तक में अन्य फील्ड में लगाकर सफेदपोश चेहरा बनने की कवायद में जुटे हैं...?

पहाड़ी मैना की मौतः वंश वृद्धि का प्रयास असफल....

छत्तीसगढ़ के राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना के वंश वृद्धि के लिये करीब 20 सालों से प्रयास के बाद भी सफलता शून्य ही रही है। बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में स्थित वन विद्यालय ब्रीडिंग सेंटर में प्रजनन और संवर्धन के लिए लाई गई पहाड़ी मैना ने दम तोड़ दिया है ।यहां यह बताना जरुरी है कि इस केंद्र में अब तक 8 पक्षियों की मौत हो चुकी है।दरअसल वन विद्यालय ब्रीडिंग सेंटर में राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना को संवर्धन के लिए रखा गया था। इसमें कुल 8 पक्षियां थीं। लेकिन पिछले दो दशक से एक-एक कर सभी पक्षियों ने दम तोड़ दिया। इससे पहले रितू नाम की मैना फिर हाल ही में सोनू नाम की मैना की मौत हो गई। मोनू (मैना) को एक छोटे पिंजरे में रखा गया था और उसका इलाज किया जा रहा था।गौरतलब है कि इसी साल यहां पल रहे सभी पक्षियों को आजाद करने का फैसला लिया गया था। इंतजार था तो बस मुख्यालय की अनुमति का। लेकिन उससे पहले ही इस सेंटर में पल रही आखरी मैना ने भी दम तोड़ दिया। इसके बाद से यह सेंटर सूना पड़ गया है।

और अब बस....

- कांग्रेस में विधानसभा सीट बदलने की छूट नहीं मिलने पर कुछ विधायक दुखी हैं...?
- क्या भाजपा के कुछ सांसद,विधानसभा चुनाव जीतने में सफल हो सकेंगे....?
- किस अफसर का वजन करीब एक क्विंटल होने की जमकर चर्चा है?

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

कांग्रेस का घोषणा पत्र जन आकांक्षाओं को पूरा करेगा: बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस जो कहती है वह करती है। इस बार भी कांग्रेस का घोषणा पत्र जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला होगा। 2018 में कांग्रेस ने अपने जन घोषणा पत्र में किसान,

आदिवासी, युवाओं, महिलाओं सभी से वायदा किया था और उसको पूरा किया। 2023 में हमारे घोषणा पत्र में हर वर्ग का पूरा ख्याल रखा जायेगा। जनता कांग्रेस के घोषणा पत्र और उनको किये गये वायदों को गंभीरता से लेती है तथा उस पर भरोसा भी करती है जनता जानती है कांग्रेस का घोषणा पत्र उसकी सरकार विजन डाक्यूमेंट होता है। हम आम आदमी को सशक्त बनाने योजना बनायेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि 2018 में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पहले ही घंटे में कांग्रेस के घोषणा पत्र को पूरा करना शुरू कर दिया था। 20 लाख किसानों का 10 हजार करोड़ कर्ज माफ किया गया, उसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यसचिव को बुला कर कांग्रेस का जनघोषणा पत्र देकर यह सुनिश्चित करने को कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र के हर वायदे को पूरा करने हेतु कार्य योजना बनाया जाये इसी का परिणाम था कि पौने पांच साल में भूपेश सरकार ने 36 में से 34 वायदों को पूरा कर दिखाया। तीन बार 2003, 2008, 2013 के चुनाव में भाजपा ने अपने घोषणा पत्र के फ्रंट पेजों में जो 31 वायदा किया था।

रमन सरकार में स्वास्थ्य के मामले में 21 राज्यों में 20वे नंबर पर था : ठाकुर

रायपुर । भाजपा की प्रेस वार्ता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा नेताओं को अपना ज्ञान

बढ़ाना चाहिए, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में जटिल एवं गंभीर रोगों के इलाज के लिए 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करती है। छत्तीसगढ़ के बाद राजस्थान की सरकार ये सुविधा देती है। जो किसी भी भाजपा शासित राज्य नही देती जाती है। रमन सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं ऑक्सीजन में थी, देश के 21 राज्यों में छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था 20वें नंबर पर थी। बस्तर में मलेरिया, डायरिया जैसे बीमारी में लोगों की मौत हो जाती थी। 2018 में 37 प्रतिशत से अधिक बच्चे कुपोषित थे और 41 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित थी। अस्पताल के नाम से सिर्फ इमारत थी ना डॉक्टर थे, ना नर्सिंग स्टाफ था, ना दवाइयां थी, ना सुविधा थी। भाजपा स्वास्थ्य कर्मियों के मामले में घड़ियाली आंसू न बहायें जब सत्ता में थे तब इन्हीं स्वास्थ्य कर्मियों के ऊपर लाठियां चलाते थे, जेल में बंद करते थे पूरा प्रदेश ने देखा है।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार के द्वारा शुरू की गई यूनिवर्सल हेल्थ केयर स्कीम खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना बीपीएल परिवारों को सालाना 5 लाख रुपए एवं एपीएल परिवार को 50 हजार तक के नि:शुल्क इलाज के सुविधा दे रही है।

नवंबर से पहले होगी धान खरीदी : चौबे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है, मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा कि इस बार प्रदेश में में धान खरीदी एक नवंबर से पहले होगी। मंत्री रविंद्र चौबे ने

कहा कि धान खरीदी मौसम पर आधारित प्रक्रिया है, इसलिए धान खरीदी पर सब कैबिनेट निर्णय लेगी। प्रदेश में इस बार नवंबर में ही विधानसभा चुनाव हैं ऐसे में कांग्रेस सरकार किसानों से किसी तरहा का विरोध नहीं लेना चाहेगी। इसके पहले खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में 1 नवंबर से ही धान खरीदी की गई थी। लेकिन इस बार सरकार इसके पहले से ही खरीदी करने का प्लान बना रही है। छत्तीसगढ़ राज्य ने खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में धान खरीदी की अंतिम तिथि 31 जनवरी तक 107 लाख 51 हजार 858 मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी कर एक नया रिकॉर्ड कायम कर बीते साल 98 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। जहां सर्वाधिक मात्रा में धान खरीदा गया है। समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों की संख्या के मान से यदि देखा जाए, तो छत्तीसगढ़ पूरे देश में अव्वल स्थान पर है। राज्य में 23 लाख 41 हजार 935 किसानों ने अपना धान समर्थन मूल्य पर बेचा है। समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों की संख्या के मान से यह आकड़ा इतना ज्यादा है कि देश के अन्य राज्य इसके आसपास भी नहीं है।

संविधान की धारा 25 के उलट आचरण करती है कांग्रेस: गुप्ता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने पूछा कि कांग्रेस पार्टी धर्मांतरण को क्यों प्रश्रय देती है, क्यों संरक्षण देती है ? गुप्ता ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज लगातार उन

जगहों पर क्यों दिखाई देते हैं, जहाँ पर ईसाई मिशनरियाँ खड़ी होकर आदिवासी भाइयों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण करने के काम में लगी होती हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गुप्ता ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण नहीं होने का दावा करने को झूठ करार दिया। शुक्रवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा के दौरान गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चर्च में मौजूद होने की तस्वीर सार्वजनिक करने पर सांसद बैज को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह बात तो सिद्ध कर दी कि भाजपा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 का पालन करती है। प्रधानमंत्री मोदी मंदिर, चर्च, गुरुद्वारा और जहाँ भी आस्था है, वहाँ जाते हैं। लेकिन कांग्रेस अपने राजनीतिक लाभ के लिए अधिक तेजी से धर्मांतरण होने देना चाहती है। गुप्ता ने कहा कि हद तो तब होती है, जब कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अमीन मेमन काँकेर में कहते हैं कि अगर कोई धर्मांतरण करना चाहता है तो कानून, संविधान उसे इसकी इजाजत देता है, लेकिन भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 यह स्पष्ट व्याख्या करता है कि धर्मांतरण व्यक्तिगत, अंतःकरण की आस्था का विषय है और कोई इसे व्यक्तिगत रूप से धर्म परिवर्तन करता है तो उसे स्वीकार्य माना जा सकता है।

किसानों का एक-एक दाना खरीदेगी भाजपा सरकार : चाहर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सत्ता वापसी के लिए बीजेपी लगातार तैयारियों में लगी हुई है । इसी कड़ी में बीजेपी किसान मोर्चा का प्रदेश पदाधिकारी महासम्मेलन प्रदेश कार्यालय में हुआ।

महासम्मेलन में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के जीवन में बदलाव आया है उसको लेकर गाँव गाँव जाएंगे उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि अगर भाजपा की सरकार आती है किसानों का एक एक दाना धान खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय कृषि का कुल बजट पच्चीस हज़ार करोड़ था अब वह बढ़कर एक लाख 25 करोड़ से ज़्यादा का हो गया। किसानों के हित में प्रधानमंत्री ने काम किया है। केंद्र सरकार द्वारा किसान सम्मान निधि के तहत पैसे दिये जा रहे है। छत्तीसगढ़ सरकार ने किसान सम्मान निधि का फ़ायदा यहाँ के किसानों को नहीं लेने दिया। राजकुमार चाहर ने कहा कि कांग्रेस की नीयत किसानों के भले के लिए कभी नहीं रही है। उन्होंने कहा कि धान ख़रीदी का 80 प्रतिशत पैसा केंद्र देती है और राज्य सरकार मात्र 20 प्रतिशत हिस्सा देकर वाहवाही लूटने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनाने के बाद किसानों के हित के लिए रिकॉर्ड तोड़ फ़ैसले लिए जाएँगे। उन्होंने सीएम भूपेश बघेल को चुनौती देते हुए कहा कि वे धान के मुद्दे पर बहस करने के लिए तैयार है।

छत्तीसगढ़ बीजेपी ने पूछे 6 सवाल

स्वास्थ्य को लेकर सिंहदेव ने किए सात समंदर पार, फिर भी नहीं सुधरी व्यवस्था

रायपुर। छत्तीसगढ़ बीजेपी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र में किए वादों को लेकर निशाना साधा है। बीजेपी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आज जमकर जुबानी हमला बोलते हुए छत्तीसगढ़ बीजेपी मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल सारे वादे पूरे नहीं हुए हैं। ये जनता के साथ धोखा है। उन्होंने मामले में कांग्रेस से 6 सवाल भी पूछे हैं। चिमनानी ने कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने हेल्थ को लेकर विदेश की यात्रा की। सात समंदर पार किए फिर भी राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है। इस वजह से आम जनता को जूझना पड़ रहा है। पहले जुडो डॉक्टरों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवा पटरी से उतरी, फिर अब वेतन विसंगति सहित 5 सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य फेडरेशन हड़ताल पर हैं। डेंगू से प्रदेश के अस्पताल भरे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से लेकर उप स्वास्थ्य केन्द्र के सभी डॉक्टर, नर्स व आरएचओ स्वास्थ्य सेवाएं छोड़कर हड़ताल पर हैं। हड़ताल की सूचना होने के बावजूद भी सरकार ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की, जिसका नतीजा ये है कि मरीजों और उनके तीमारदारों को परेशानी से जूझना पड़ रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों की वेतन विसंगति सुधारे जाने, मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री की ओर से कोविड कार्य में लगे अमले को विशेष कोरोना भत्ता दिए जाने और रिक्त पदों पर भर्ती जैसे मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ के 40 हजार से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मी आंदोलनरत हैं।

चिमनानी ने कहा कि आंदोलन में 12 संगठन के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। इससे पोस्टमार्टम, एमएलसी, नर्सिंग सहित टीकाकरण के प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम मिशन इन्द्रधनुष और शिशु संरक्षण जैसे कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस ने वादा किया था कि संविदा, दैनिक वेतन भोगी और अनियमित कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा, लेकिन पौने पांच साल से अधिक कांग्रेस सरकार को हो गए हैं, लेकिन संविदा कर्मचारियों को लेकर कांग्रेस अपना वादा निभाने में नाकाम साबित हुई है। उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव समय-समय पर सरकार की सच्चाई को जनता से सामने लाते रहते हैं। उन्हें भी मालूम है कि सरकार ने संविदा कर्मचारियों को ठगने का काम कर रही है। तभी उन्होंने फिर एक बार दोहराया कि मैंने जरूर घोषणा पत्र में संविदा कर्मचारियों को नियमित करने फैसले को रखा था, लेकिन दिक्कत आ रही है। इसलिए कांग्रेस पार्टी को सामूहिक रूप से संविदा कर्मचारियों से माफी मांगनी चाहिए।छत्तीसगढ़ बीजेपी मीडिया प्रभारी ने कहा कि सरकार की मंशा स्पष्ट है। रसोइया, संविदा कर्मी और सचिवों ने अलग-अलग समय पर लम्बे समय से अपनी मांग सरकार के सामने रखी है और कांग्रेस नेताओं को उनका वादा याद दिलाया है। सचिव संघ 61 कांग्रेस विधायकों ने लिखित समर्थन दिया था।

बाबा हटकेश्वरनाथ का प्रदेश की प्रमुख नदियों और गंगा जल से होगा अभिषेकः राजेश मूणत

■ 25 हज़ार कावड़ियों के साथ भव्य भोलेबाबा की निकालेंगे कावड़ यात्रा

रायपुर। पूर्व मंत्री व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेश मूणत ने हर साल की तरह सावन के पवित्र महीने में इस साल भी रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ आगामी 27 अगस्त को भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया है। इस कावड़ यात्रा में करीब 25 हज़ार शिवभक्त कावड़ में गंगा जल और छत्तीसगढ़ की सभी प्रमुख नदियों का जल लेकर राजधानी के महादेव घाट स्थित बाबा हटकेश्वर नाथ मंदिर पर जलाभिषेक करेंगे। पूर्व मंत्री श्री मूणत ने गुरुवार को पत्रकारों से चर्चा में बताया कि कावड़ यात्रा की शुरुआत गुढ़ियारी स्थित

मारुति मंगलम भवन से शुरू होगी। यंहा से पवित्र गंगाजल भरकर से हज़ारों की संख्या में कावड़ यात्रा की शुरुवात होगी, यह यात्रा गुढ़ियारी से प्रात: 9:00 बजे पहाड़ी चौक कर्मा चौक तेलघानी नाका ब्रिज संत कबीर चौक अग्रसेन चौक सारथी चौक लाखे नगर चौक सुंदर नगर चौक होते हुए रायपुर महादेव घाट पहुचेंगी और फिर सभी श्रद्धालु एक एक कर जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लेंगे। श्री मूणत ने बताया कि महादेव घाट के हटकेश्वर महादेव का मंदिर छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीर्थ स्थलों में शामिल है। हमारा प्रयास है कि हटकेश्वरनाथ जी के जलाभिषेक में समस्त छत्तीसगढ़वासियों के भाव को शामिल किया जाये,इसलिए गंगा नदी के जल के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य में प्रवाहमान सभी प्रमुख नदियों के पवित्र जल को एकत्रित किया जा रहा है,जिसे भगवान भोलेनाथ को अर्पित किया जायेगा। श्री मूणत ने आगे बताया कि भगवान हटकेश्वरनाथ जी प्रति प्रति कावड़ यात्रा के दौरान ओडिशा और बनारस के लोक कलाकार शामिल होंगे , जो भगवान भोलेनाथ के रौद्र रूप का प्रदर्शन करेंगे, इन कलाकारों के साथ भगवान भोलेनाथ के गण और माँ काली की विशेष झांकी साथ होगी।

1 से 30 सितम्बर तक मनाया जाएगा पोषण माह

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश में राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन की तैयारी के लिए आज संचालनालय महिला एवं बाल विकास में अंर्तविभागीय अभिसरण बैठक हुई। सभी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं के नोडल अधिकारी उपस्थित रहें। सभी नोडल अधिकारियों को अवगत कराया गया कि इस वर्ष भी 1 से 30 सितम्बर 2023 के मध्य राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन छत्तीसगढ़ में किया जाना है। पोषण माह के महत्व और विगत वर्षों में विभिन्न विभागों द्वारा दिए गए सहयोग पर चर्चा करते हुए इस वित्तीय वर्ष की रणनीति तय की गई। सभी विभागों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम को सफल बनाने अपना सहयोग देने की बात कही।

मोर रायपुर एप्प को मिला नेशनल ई-गवर्नेंस अवार्ड

रायपुर। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा जिला स्तरीय उत्कृष्ट ई-गवर्नेंस पहल के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2023 स्वर्ण रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के 'मोर रायपुर एप्प' को प्रदान किया गया है। आज ही आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संचालित स्मार्ट सिटीज़ मिशन के शहरों के लिए आयोजित इंडिया स्मार्ट सिटी अवार्ड-2022 की घोषणा भी हुई, जिसमें रायपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा तैयार किए गए ऑक्सी रीडिंग जोन लाइब्रेरी नालंदा परिसर को बेस्ट इनोवेटिव आइडिया अवार्ड मिला है। इस प्रतियोगिता के सामाजिक दृष्टिकोण से किए गए उत्कृष्ट कार्य की श्रेणी में शाला उन्नयन कार्यक्रम के तहत बी.पी. पुजारी स्कूल के भवन जीर्णोद्धार व अधोसंरचना निर्माण को राष्ट्रीय स्तर पर स्थान मिला है।

पॉवर कंपनी में "विपश्यना के विविध आयाम " विषय पर कार्यशाला संपन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी अपने अधिकारी-कर्मचारियों में दक्षता सुधार के लिए मानसिक रूप से मजबूत बनाने पर जोर दे रही है। इस कड़ी में केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में विपश्यना के विविध आयाम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश पूर्व प्रमुख सचिव एवं विपश्यना के सहायक आचार्य श्री सत्यजीत ठाकुर (सेवानिवृत्त आई.ए.एस) ने विपश्यना को ध्यान की एक सफलतम तकनीक बताया। उन्होंने कहा कि विपश्यना साधना पूर्णत: वैज्ञानिक विधि है जिसके सतत अभ्यास से मन निर्मल होता है एवं साधक को आंतरिक सुख एवं शान्ति प्राप्त होती है एवं दुख, बेचैनी से मुक्ति प्राप्त करता है। उन्होंने आगे बताया कि विपश्यना के विविध आयाम के कारण भारत के प्राचीन विद्या विपश्यना-साधना की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है । विश्व के सभी देशों में इस विद्या के केन्द्र हैं एवं कुल 250 से अधिक केन्द्र विश्व में संचालित है। इस विद्या को सिखने के लिये दस दिवसीय शिविर में साधना करनी होती है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.